किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 3 अंकः 191 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शुक्रवार 25 अप्रेल 2025 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी को दी श्रद्धांजलि...!

(कहा - आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है)

दैनिक समाज जागरण

कानपुर विशेष संवाददाता 24 अप्रैल 2025 जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले में मारे गए कानपुर के महाराजपुर स्थित हाथीपुर निवासी शुभम द्विवेदी को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री शुभम के पैतृक आवास पहुँचे, जहां उन्होंने शोकसंतप्त परिजनों से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिजनों को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। हम इस संकट की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा, जिस प्रकार बहन-बेटियों के सिंदूर के साथ बर्बरता हुई, उसी तरह आतंकियों और उनके आकाओं को सजा भी जरूर मिलेगी। यह साफ संकेत है कि आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। शुभम का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ शुभम द्विवेदी का पार्थिव शरीर गुरुवार को कानपुर लाया गया, जहां राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। शहर भर में शोक की लहर दौड़ गई और व्यापारिक संगठनों द्वारा स्वेच्छा से बाजार बंद रखे गए। सार्वजनिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति और श्रद्धांजलि में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना घाटमपुर विधायक राकेश सचान, कानपुर देहात से सांसद देवेन्द्र सिंह भोले भी उपस्थित रहे। सभी जनप्रतिनिधियों ने मृतक शुभम को श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।

'आक्रमण' की तैयारी में भारतीय वायुसेना ?

आसमान में गरजने लगे सुखोई एसयू-30 और राफेल, उधर डर से थर-थर कांप रहा पाकिस्तान!

- भारतीय वायुसेना के राफेल और सुखोई एसयू-30 जेट्स की गर्जना से सेंट्रल सेक्टर का आसमान थर्रा उठा. पहलगाम आतंकी हमले के बीच, IAF ने इस युद्धाभ्यास को 'आक्रमण' नाम दिया है.

नई दिल्लीः पाकिस्तान समर्थित पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत का जवाब सख्त और आक्रामक होता जा रहा है. भारतीय वायुसेना ने 'आक्रमण' एक्सरसाइज शुरू कर दी है, जो केंद्रीय सेक्टर में बड़े पैमाने पर चल रही है. इस युद्धाभ्यास में राफेल और सुखोई एसयू-30 जैसे एडवांस फाइटर जेट्स हिस्सा ले रहे हैं. आईएएफ की दो राफेल स्क्वाड्रन अम्बाला और हाशीमारा (पश्चिम बंगाल) में हैं. सूत्रों के मुताबिक, इन जेट्स को मल्टीपल एयरबेस से तैनात किया गया है. इन मिशनों में ग्राउंड अटैक, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और हाई-स्पीड टारगेट डिस्ट्रक्शन जैसे तत्व शामिल हैं. भारतीय वायुसेना के ये अभ्यास ऐसे वक्त में हो रहे हैं जब भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है. पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान जहां गीदड़भभकियों पर उतर आया है, वहीं भारत ने साफ कर दिया है कि अब जवाब 'शब्दों' में नहीं, 'शक्तिशाली एक्शन' में मिलेगा.

IAF के टॉप पायलट्स एक्सरसाइज में शामिल

इस एक्सरसाइज में आईएफ के टॉप गन पायलट्स भाग ले रहे हैं, जिनकी निगरानी हाई-क्वालिफाइड इंस्ट्रक्टर्स कर रहे हैं. भारत की ताकत में और भी इजाफा हुआ है मेटिओर मिसाइल, रैम्पेज और रॉक्स जैसी लॉन्ग रेंज मिसाइलों से, जो दुश्मन के एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग सिस्टम को भी चकमा दे सकती हैं. गौरतलब है कि 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत ने मिराज-2000 से बालाकोट स्ट्राइक की थी. लेकिन अब वायुसेना के पास राफेल, सुखोई, और एस-400 एयर डिफेंस जैसे फोर्स मल्टीप्लायर हैं, जो पूरे दक्षिण एशिया में भारत को निर्णायक बढ़त दिलाते हैं.

जम्मू-कश्मीर का दौरा करेंगे सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी जम्मू-कश्मीर का दौरा करेंगे. दो दिन पहले जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर यह दौरा काफी अहम है. सेना प्रमुख सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए शुक्रवार को श्रीनगर और अन्य स्थानों का दौरा करेंगे. इस यात्रा के दौरान उन्हें आतंकवादियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी दी जाएगी. सेना प्रमुख के इस दौरे के दौरान सेना की 15 कोर के कमांडर और राष्ट्रीय राइफल्स के अन्य कमांडर मौजूद रहेंगे. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद से सेना ने इलाके में आतंकवादियों के खिलाफ सघन अभियान चला रखा है. हमले के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जनरल द्विवेदी से पूरी स्थिति पर बात की है.

क्या खच्चर वाले बनकर आए थे आतंकी ? पहलगाम से वापस लौटी मॉडल का दावा

जौनपुर. कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को आतंकी हमले को लेकर एक बड़ा इनपुट सामने आया है. पहलगाम से वापस जौनपुर लौटी मॉडल एकता तिवारी ने दावा किया है कि जिन आतंकियों का स्केच सुरक्षा एजेंसियों ने जारी किया है, उनमें से दो खच्चर वाले हैं. इन्हीं के साथ वह पहलगाम गई थी, जहां इन्होंने उसके साथ बदसलूकी भी की थी. एकता तिवारी के मुताबिक उन्हें इन खच्चर वालों की हरकतें संदिग्ध लगी थीं,

इसलिए उसने इनका वीडियो बना लिया था. अब आतंकियों का स्केच देखने के बाद उन्हें पता चला कि वह मौत के मुंह में से निकलकर आई हैं.

एकता तिवारी के मुताबिक आतंकियों का स्केच देखकर वह चौंक गई थीं. उसने तत्काल सीएम हेल्पलाइन 1076 पर कॉल कर पूरी घटना की जानकारी दे दी है. कहा कि उसे खच्चर पर ले जाने वाले दोनों लोगों की तस्वीर आतंकियों के स्केच से पूरा मिल रही है. इन आतंकियों ने कुरान न पढ़ने और रुद्राक्ष की माला पहनने को लेकर उनके साथ बदसलूकी की थी. इस संबंध में एकता ने CISF में तैनात अपने रिलेटिव को सूचित कर दिया था. एकता के मुताबिक इनमें से एक खच्चर वाला जूते में कीपैड वाला फोन छिपाकर रखा था.

आतंकी अपने साथ ले जाना चाहते थे

न्यूज 18 से बात करते हुए एकता तिवारी ने कहा कि घटना वाली जगह उन्हें खच्चर चालक के रूप में आतंकी अपने साथ ले जाना चाहते थे लेकिन वह नहीं गई. बार-बार धर्म के बारे में सवाल किए. इस दौरान इन आतंकियों ने उनके और उनके भाई का धर्म पूछा और कुरान नहीं पढ़ने और रुद्राक्ष पहनने को लेकर उनके साथ बदसलूकी की.

पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र बंद होने से एयर इंडिया, इंडिगो की उड़ानें बाधित

गुरुवार को पाकिस्तान द्वारा भारतीय एयरलाइनों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद करने के निर्णय से कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बाधित हुईं, क्योंकि पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है।

एयर इंडिया ने कहा कि उत्तरी अमेरिका, यूके, यूरोप और मध्य पूर्व के मार्गों को डायवर्ट किया जाएगा, जबकि इंडिगो ने पुष्टि की कि इसकी कुछ विदेशी सेवाएँ भी प्रभावित हुई हैं। एयर इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर घोषणा की कि भारतीय वाहकों पर पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के बाद, उत्तरी अमेरिका, यूके, यूरोप और मध्य पूर्व के लिए इसकी कई उड़ानों को लंबे मार्गों से पुनर्निर्देशित किया जा सकता है। एयरलाइन ने कहा, "एयर इंडिया इस अप्रत्याशित हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण हमारे यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त करती है जो हमारे नियंत्रण से बाहर है। हम दोहराना चाहेंगे कि एयर इंडिया में, हमारे ग्राहकों और चालक दल की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।" इंडिगो ने कहा कि पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के अचानक बंद होने से उसके कई अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालन बाधित हुए हैं। एयरलाइन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "हम समझते हैं कि इससे असुविधा हो सकती है और हमारी टीमें आपको जल्द से जल्द अपने गंतव्य तक पहुंचने में मदद करने की पूरी कोशिश कर रही हैं।"

दिल्ली सरकार कश्मीरी गेट, आनंद विहार और सराय काले खां में आईएसबीटी टर्मिनलों पर पुरानी बसों को दुकानों में बदलेगी

स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा देने और पुराने वाहनों का उपयोग करने के उद्देश्य से, दिल्ली सरकार प्रमुख अंतर-राज्यीय बस टर्मिनलों- कश्मीरी गेट, आनंद विहार और सराय काले खां में बंद बसों को दुकानों में बदलेगी। एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत, यह परियोजना विक्रेताओं को इन स्थिर बसों से काम करने की अनुमति देगी, खासकर जहां वर्तमान में खाने-पीने के विकल्प सीमित हैं, एक टीओआई रिपोर्ट में कहा गया है।

पुरानी बसों के अंदर बनेंगी दुकानें

परिवहन विभाग ने "आईएसबीटी कश्मीरी गेट, आनंद विहार और सराय काले खां में पुरानी डीटीसी बसों में दुकानों की स्थापना" शीर्षक वाली परियोजना के लिए निविदाएं आमंत्रित करते हुए एक नोटिस जारी किया है। इस प्रक्रिया के माध्यम से चुने गए ठेकेदार नगरपालिका लाइसेंस और पुलिस मंजूरी सहित सभी आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने के लिए जिम्मेदार होंगे। उन्हें लागू शुल्क और कर भी चुकाने होंगे। निविदा के अनुसार, ठेकेदार को "नगरपालिका, पुलिस और अन्य प्राधिकारियों को सूचित करना होगा, अपेक्षित लाइसेंस प्राप्त करना होगा और सभी लागू शुल्क और करों का भुगतान करना होगा।" उन्हें आस-पास की संपत्ति को हुए किसी भी नुकसान की मरम्मत भी करनी होगी और सुरक्षा के लिए रात में प्रकाश व्यवस्था भी स्थापित करनी होगी।

बिहार से पीएम मोदी ने किया आतंकवाद पर प्रहार

समाज जागरण संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बिहार के मधुबनी में आयोजित राष्ट्रीय पंचायत दिवस के अवसर पर देश को एकजुटता और मजबूती का संदेश दिया। इस मौके पर उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का संकल्प दोहराया। अपने संबोधन की शुरूआत पीएम मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए 26 निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि देकर की। उन्होंने कहा कि देश के नागरिकों का यह बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और जिन्होंने यह घिनौना कृत्य किया है, उन्हें उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि आतंक के दोषियों को मिट्टी में मिला दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि आतंकवाद से देश की आत्मा कभी नहीं टूट सकती, और भारत इस लड़ाई में एकजुट होकर खड़ा है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में यह स्पष्ट किया कि पहलगाम में मारे गए लोग अलग-अलग राज्यों से थे, कोई कन्नड़ बोलता था, कोई मराठी, कोई बांग्ला और कोई बिहार का लाल था। लेकिन आज पूरे देश का आक्रोश और पीड़ा एक जैसी है। उन्होंने कहा कि यह हमला न केवल इन मासूम लोगों पर था, बल्कि भारत की आस्था और आत्मा पर भी एक दुस्साहस था, जिसका जवाब जरूर मिलेगा। पीएम मोदी ने बताया कि मानवता में विश्वास रखने वाले दुनियाभर के नेता और देश भारत के साथ खड़े हैं। उन्होंने ऐसे सभी देशों और उनके नेताओं का आभार जताया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद और उसके समर्थकों की पहचान करेगा, उन्हें ढूंढ निकालेगा और सजा देगा, चाहे वे धरती के

किसी भी कोने में क्यों न हों। अपने भाषण में पीएम मोदी ने पंचायती राज की महत्ता पर भी बल दिया। उन्होंने बताया कि कैसे गांवों और पंचायतों को सशक्त करने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। देशभर की दो लाख से अधिक पंचायतों को इंटरनेट से जोड़ा गया है और साढ़े पांच लाख से अधिक कॉमन सर्विस सेंटर बनाए गए हैं, जिससे आम ग्रामीण नागरिकों को अपने दस्तावेज और सेवाएं आसानी से मिल रही हैं।

प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि गांवों में भूमि विवाद एक बड़ी समस्या रही है, जिसे सुलझाने के लिए अब जमीन के रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण किया जा रहा है। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और कानूनी झंझटों में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि यह एक बड़ा और सकारात्मक बदलाव है जो ग्रामीण समाज में स्थायित्व लाएगा।

पीएम मोदी ने बिहार की भूमिका की सराहना करते हुए बताया कि यह पहला राज्य था जिसने पंचायतों में महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इसके लिए बधाई दी और कहा कि आज दलित, पिछड़े और अति पिछड़े वर्ग की बेटियां पंचायतों में सेवा दे रही हैं। यही असली लोकतंत्र की पहचान है, जहां हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित हो। मोदी ने इस अवसर पर राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की। उन्होंने कहा कि दिनकर जी की रचनाएं आज भी देशवासियों को प्रेरणा देती हैं और उनके विचारों में आज भी एक क्रांतिकारी सोच जीवित है।प्रधानमंत्री ने मधुबनी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कुल 13,480 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने नमो भारत सहित कई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई, जिससे बिहार के विकास को नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह संबोधन एक ओर जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाता है, वहीं दूसरी ओर पंचायती राज और ग्रामीण विकास की दिशा में उठाए गए ठोस कदमों की झलक भी देता है। उनका यह संदेश स्पष्ट था कि भारत आतंक के खिलाफ अपनी लड़ाई से पीछे नहीं हटेगा और साथ ही देश के गांवों को सशक्त बनाकर समग्र विकास की ओर अग्रसर रहेगा।

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों को लेकर दिल्ली-एनसीआर में FIITJEE कोचिंग सेंटरों पर छापे मारे

समाज जागरण

नई दिल्लीः प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को कोचिंग संस्थान FIITJEE से कथित तौर पर जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत दिल्ली, नोएडा और गुरुग्राम में कई जगहों पर छापे मारे। छापेमारी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत की गई और कथित तौर पर इसमें FIITJEE के प्रमोटरों की संपत्तियां शामिल थीं। ईडी की यह कार्रवाई कई अभिभावकों द्वारा संस्थान के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के बाद की गई है। उन्होंने कहा कि FIITJEE ने बिना किसी पूर्व सूचना या रिफंड के जनवरी में

FIITJEE

अपने कई सेंटर अचानक बंद कर दिए थे। इनमें से कई अभिभावकों ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए पूरी कोचिंग सेवाओं की उम्मीद में उच्च शुल्क का भुगतान किया था, लेकिन वे निराश और असहाय हो गए। FIITJEE एक कोचिंग चेन है जिसके पूरे भारत में 73 सेंटर हैं। यह समस्या तब शुरू हुई जब गाजियाबाद, नोएडा सेक्टर 62 और ग्रेटर नोएडा जैसे स्थानों पर स्थित सेंटर महत्वपूर्ण परीक्षाओं से ठीक पहले अचानक बंद कर दिए गए। इस अप्रत्याशित कदम से सैकड़ों छात्र फंस गए और उनके परिवार वाले नाराज हो गए।

हंगामे के बाद, कई एफआईआर दर्ज की गईं और दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने फरवरी में अपनी जांच शुरू की।

भारत ने कड़ा पलटवार किया: कश्मीर हमले के बाद पाकिस्तान के शेयर बाजार में 1,000 से ज्यादा अंकों की गिरावट

नई दिल्लीः भारत के सख्त कूटनीतिक रुख और दंडात्मक उपायों ने पाकिस्तान को कड़ी चोट पहुंचाई है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद शेयर बाजार में 1,000 से ज्यादा अंकों की गिरावट आई है। बेंचमार्क KSE-100 इंडेक्स में सुबह 11:13 बजे पिछले बंद से 1,086.51 या 0.93 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 116,139.63 पर आ गया।

अटारी सीमा पर बीटिंग रिट्रीट समारोह के दौरान सीमा द्वार बंद रहे

अमृतसर, 24 अप्रैल (पीटीआई) पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर सीमा सुरक्षा बल द्वारा गुरुवार शाम को अमृतसर में अटारी सीमा पर बीटिंग रिट्रीट समारोह के दौरान भारत और पाकिस्तान के सीमा द्वार बंद रहे। समारोह के दौरान भारतीय परेड कमांडर अपने पाकिस्तानी समकक्ष से हाथ मिलाने के लिए भी आगे नहीं बढ़े।

अटारी सीमा पर संयुक्त चेक पोस्ट (जेसीपी) पर रिट्रीट समारोह देखने के लिए कई आगंतुक आए थे। मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कूटनीतिक हमले की एक श्रृंखला शुरू की है और हमले को पड़ोसी देश से जोड़ते हुए कई जवाबी कदम उठाए हैं। भारत ने तत्काल प्रभाव से अटारी में एकीकृत चेक पोस्ट को भी बंद कर दिया है, जो दोनों देशों के बीच एकमात्र चालू भूमि सीमा क्रॉसिंग है। यह बुधवार को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक के बाद पाकिस्तान के खिलाफ उठाए गए पांच विशिष्ट जवाबी कदमों में से एक था। केंद्र ने सीसीएस बैठक के बाद एक प्रेस वार्ता में पाकिस्तानी सैन्य अताशे को निष्कासित करने और 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित करने की भी घोषणा की। बीएसएफ ने गुरुवार को कहा कि उसने पंजाब में भारत-पाकिस्तान सीमा पर अटारी, हुसैनीवाला और सादकी में आयोजित होने वाले रिट्रीट समारोह को "कम" कर दिया है। 1959 से आयोजित होने वाले ध्वज-उतारने और रिट्रीट समारोह को देखने के लिए सैकड़ों आगंतुक, विदेशी पर्यटक और स्थानीय लोग प्रतिदिन अटारी-वाघा सीमा पर आते हैं।

आतंकवाद का मजहब होता है!!

बैठकी

बैठकी जमते हीं उमाकाका बोल पड़े--"मुखियाजी, कश्मीर में नाम पुछकर,कलमा पढ़वाकर,और नहीं तो कपड़े उतारवा कर , पहचान करके कि खतना हुआ है कि नहीं, हिंदुओं का नरसंहार किया गया। लेकिन देश के विभिन्न अखबार और मिडिया इसे आतंकी हमला सिद्ध करने पर तुले हुए हैं। ऐसा कई बार हुआ है --अनंतनाग में 36,नुनुवाल में 32, शेषनाग में 13, विधान मंडल एरिया में 36, चंदनवाड़ी में 11, हाईवे के किनारे 19, पुलवामा में 13, फिर पुलवामा में 13 हिंदुओं की हत्या की गई। पुलवामा में हीं हमारे 40 सैनिकों की हत्यायें हुयीं। ऐसी असंख्य हत्यायें हो चूकी हैं लेकिन जब जब हिंदुओं की हत्यायें होती हैं, मिडिया उसे आतंकवादी हादसा कहकर डिफेंड कर देती है। जबकि ये सब विशुद्ध रूप से हिंदुओं के विरुद्ध इस्लामिक कट्टरवाद को दशार्ता है।आपने,महाराष्ट्र के नागपुर और बंगाल के मुर्शिदाबाद में देख हीं लिया है।"

काकाजी, इसमें तो दो मत नहीं कि आतंक की आड़ में, पुरा ईको सिस्टम और तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले, कट्टरपंथियों को बचाने में जुट गये हैं। ओबैसी और अखिलेश यादव जैसे लोग चिल्ला रहें हैं कि आतंकियों का कोई मजहब नहीं होता, धर्म नहीं होता। हमारे देश के सांसद, नेता,जज सभी कहते हैं कि गुरुकुल,मदरसा एक समान होता है। संविधान की शपथ लेने वाले कहते हैं कि वेद,पुराण, बाइबल, कुरान, एक समान होते हैं। कवि, लेखक कहते हैं कि "मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर करना"। लेकिन इन दोगलों से कोई पुछे कि कभी हिंदू धर्मग्रंथ और कुरान पढ़ें हो!! कहां हमारा धर्म हमें अहिंसा,दया, क्षमा, त्याग, परोपकार, तपस्या की सीख देता है वहीं मुसलमानों का कुरान, गैर मुस्लिमों के प्रति हिंसा और अत्याचार की पढ़ाई पढ़ाता है। फिर तो हिंदूओं को मूर्ख बनाने के लिए कहते हैं कि आतंकियों का मजहब नहीं होता और मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना।--मास्टर साहब बुरा सा मुंह बनाये।

मास्टर साहब,रउवा त एकदम सही सही ओसा के रख दिहनी।--मुखियाजी खैनी मलते हुए।

मुखियाजी, मैं कुछ साधु-संतों और तथाकथित बुद्धिजीवियों के मुख से कहते सुना हूँ कि हम सनातनी हैं। आदिकाल से हैं और सृष्टि के अंत तक रहेंगे। कुछ लोगों को कहते सुनता हूँ कि "कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी"। उन मूर्खों से कहना चाहता हूँ कि हस्ती और बस्ती दोनों मिट रही हमारी। अखंड भारत से हस्ती मिटते मिटते अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बंगलादेश, मालदीव से भी हमारी हस्ती और बस्ती मिट गयी। 9 राज्यों से हस्ती, बस्ती मिटती जा रही है। भारत के 800 जिलों में से 200 जिलों से,6000 तहसीलों में से 1500 तहसीलों से हस्ती मिट चूकी है। भारत के बॉर्डर के 300 तहसीलों से हस्ती, बस्ती मिट गई फिर भी हमारे कवि, लेखक,यूट्यूबर कहते हैं कि "कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी"। तो बताओ न!! क्यों चारों तरफ हिन्दू हीं क्यों मारे जाते हैं और पलायन को मजबूर होते हैं!!!--डा.पिंटू हाथ चमकाये।

इसबीच बेटी चाय का ट्रे रख गई और हमसभी एक एक कप उठाकर पुनः वार्ता में.........

सरजी, कश्मीर में मुस्लिम आतंकियों ने तमिल, तेलगु, कन्नड़, गुजराती, मराठी, बंगाली, भोजपुरी या हिंदी भाषा पुछकर नहीं बल्कि केवल अरबी कलमा पुछकर गोली मारी। मुस्लिम आतंकियों ने हिंदुओं की जाति

पुछकर नहीं बल्कि धर्म पुछकर गोली मारा है। पहलगावा में आतंकियों ने गलती से एक मुस्लिम की भी हत्या दी है जिसको लेकर अब्दुल्ला की सरकार और ओबैसी जैसे लोग इस नैरेटिव को गढ़ना शुरू कर दिये हैं कि ये मुस्लिम हिंदुओं को बचाने में शहीद हो गया। जबकि कल कश्मीर के लालचौक पर,स्थानीय कश्मीरियों द्वारा न्यूज चैनल की महिला पत्रकारों के साथ इसलिये बदसलूकी और गाली-गलौच किया गया कि वे लाइव करते हुए बता रहीं थीं कि पहलगावा में धर्म पुछकर गोली मारी गई थी। कश्मीरी नहीं चाहते थे कि कश्मीर की सच्चाई बाहर जाये। यही असलियत है कश्मीर के मुसलमानों की।--कुंवरजी अखबार पलटते हुए।

एक बात तो अब देश के सभी हिंदूओं को समझ में आ जानी चाहिए कि इन विपक्षियों को जिन्हें सब्जियों, फलों के ठेलों और होटलों पर मालिक का नाम लिखे जाने से परेशानी थी वो कश्मीर में नाम पुछकर, कलमा पढ़वाकर और खतना हुआ है कि नहीं ये जांचकर हिंदुओं का किये गये नरसंहार पर एक शब्द नहीं बोल रहे। इनकी संवेदनायें तब जागतीं हैं जब उनके एजेंडे में फिट बैठे। यहां तो दलित,अगड़ा-पिछड़ा नहीं हुआ न, यहां तो धर्म देखकर नरसंहार हुआ है जो इनके राजनीतिक एजेंडा के विपरित है तो कैसे मुंह खोलें।--सुरेंद्र भाई मुंह खोले।

सरजी, हिंदुओं के इस नरसंहार के चलते मोदीजी,विदेश यात्रा अधुरा छोड़कर वापस आ गये और पाकिस्तान से राजनायिक संबंध हीं नहीं तोड़ा है बल्कि 1960 का भारत-पाक "सिंधु नदी जल समझौता" भी खत्म करने का एलान कर दिया। पाकिस्तानियों को भारत छोड़ने और वीजा देने पर भी रोक लगा दी है। मोदीजी ने देशवासियों के समक्ष,कल बिहार के एक रैली में आतंकवाद को जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया है। चूंकि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के लिए पूर्णरूपेण वहां की सरकार, आईएसआई और सेना जिम्मेदार है अतः भारत पाकिस्तान के बीच युद्ध की संभावना भी बन रही है।--डा.पिंटू, अपनी कहे।

"सिंधु नदी जल समझौता" रद्द करने से पाकिस्तान गहरे कृषि और अन्य आर्थिक संकट में आ जायेगा।इसे देखते हुए पाकिस्तान परस्त कांग्रेस, इसे पचा नहीं पा रही है तभी तो कांग्रेस और उसके नेता मणिशंकर अय्यर, मोदी सरकार के "सिंधु नदी जल समझौता" के निरस्त करने पर रो रहें हैं। मणिशंकर अय्यर कहते हैं --"कमाल का समझौता है जो कि चार जंग होने के बावजूद वो कायम रहा है। जिसको आप (मोदी सरकार) रद्द करना चाहते हो तो दुनिया आप पर क्या भरोसा करेगी! आपका हस्ताक्षर उस पर है"। यही वो कांग्रेस है जिसके राज में पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था का भार भी भारत को वहन करना पड़ता था। जिसे मोदी के नोटबंदी ने तबाह कर दिया और आज पाकिस्तान कटोरा लेकर घूम रहा है।--सुरेंद्र भाई मुंह बनाये।

सरजी,जैसी की खबर आ रही है, भारत और पाकिस्तान, दोनों ओर की सेनायें युद्ध के लिये सज रहीं हैं। दोनों ओर से काफी तनाव की स्थिति दिख रही है। पुरे देश में, पाकिस्तान से कश्मीर नरसंहार का बदला लेने की शोर मची है। मोदी सरकार भी काफी गुस्से में दिख रही है,ऐसी स्थिति में आपका क्या विचार है!!--मास्टर साहब मेरी ओर देखकर।

पाकिस्तान पर प्रतिबंध लगाकर, पाकिस्तान को तबाह करने की मोदीजी की नीति का मैं समर्थन करता हूॅ लेकिन मैं मोदीजी, अमित शाह और अपने रक्षा मंत्री से निवेदन करुंगा कि पाकिस्तान पर हमला करने के बजाय, भारत के अंदर के गद्दारों की चमड़ी उधेड़ना शुरू करें तो ये स्थायी समाधान होगा। इसके लिए सेना के साथ साथ हिंदू समाज को भी जागृत करना पड़े तो खुल के किजिये।जिस देश में 5 करोड़ से अधिक घुसपैठिये आतंकवादी रह रहें हों, जिस देश में 35-40 करोड़,मजहबी कट्टरपंथ की तालीम लिये भेड़िये,घात लगायें बैठे हों, जो भारत पर हुए हमलों पर जश्न मनाते हों, जो आतंकियों को सूचनायें मुहैया कराते हों, आतंकियों को अपने घर में ढाल बनकर छुपाते हों, ऐसे करोड़ों करोड़, मुल्क और हिंदुओं के दुश्मन, देश के अंदर हों तो पड़ोसी देश पाकिस्तान पर कितने हीं हमले किया जाय या प्रतिबंध लगाया जाय, समस्या का स्थायी हल नहीं हो सकता।

पाकिस्तान पर हमला करने से बेहतर है कि अपने अंदरुनी मोर्चे से लोहा लिया जाय। यही सही मायने में देश की हर तरह की समस्या का समाधान होगा। अच्छा अब चला जाय।--कहकर मैं उठ गया और इसके साथ हीं बैठकी भी......!!!!!

प्रोफेसर राजेंद्र पाठक (समाजशास्त्री)

उठाइये कदम ,हम सब एक साथ हैं

पहलगाम नृशंस हत्याकांड के बाद भारत सरकार को जो जरूरी कदम उठाने हैं ,वो उठाये,इस मुद्दे पर पूरा देश सरकार के साथ है। लेकिन शर्त ये हैकि सरकार इस मुद्दे पर कार्राई से पहले ये भी गारंट दे की देश में फिलहाल कोई ध्रुवीकरण नहीं किया जाएगा। इस हत्याकांड की आड़ में फिर से हिन्दू-मुसलमान नहीं किया जाएगा। क्योंकि देश का असली नुक्सान इसी ध्रुवीकरण की वजह से हो रहा है।

पहलगाम में २८ लोगों की हत्या से पूरा देश सिहिर गया है। इस हत्याकांड के लिए जब हमने और दूसरों ने केंद्र सरकार की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया तो बहुत से लोग [भक्तगण] आहत हो गए। राशन-पानी लेकर पिल पड़े। लेकिन मुझे उनके ऊपर केवल दया आयी,क्योंकि वे नहीं जानते की वे क्या कह रहे हैं या क्या कर रहे हैं ? भटकगणों से मेरा सीधा सा सवाल है की इस हादसे के लिए सत्ता प्रतिष्ठान को दोषी न ठहराया जाये तो क्या विपक्ष को दोषी ठहराया जाये ?डोनाल्ड ट्रम्प,पुतिन या सही जिनपिंग को दोषी ठहराया जाये ?ऐसा नहीं होता। दोषी हमेशा सत्ता प्रतिष्ठान होता है क्योंकि उसके पास समस्त शक्तियां होतीं हैं।

बहरहाल हम स्वागत करते हैं की माननीय प्रधानमंत्री अपनी सऊदी अरब की यात्रा को बिच में ही छोड़कर स्वदेश लौटे । उन्होंने इस हत्याकांड के बाद त्ताक्लिक रूप से जो मुमकिन हो सकता था वो किया भी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी (सीसीएस) की बैठक में कई अहम फैसले भी लिए गए, जिसमें पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौते को निलंबित करने . इसके साथ ही अटारी बॉर्डर को भी बंद करने का फैसला किया गया है। आपको याद होगा की भारत ने पाकिस्तान के साथ 1960 के सिंधु जल समझौता किया था। इसे तुरंत प्रभाव से निलंबित रखने का फैसला किया है। ये फैसला तब तक लागू रहेगा जब तक पाकिस्तान विश्वसनीय ढंग से सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देना बंद नहीं कर देता। सिंधु सम्झौतेके बारे में आज के पाठक शायद न जानते हों इसलिए बता दूँ की सिंधु जल समझौते के तहत ब्यास, रावी और सतलुज नदियों का नियंत्रण भारत को, तथा सिंधु, चिनाब और झेलमका नियंत्रण पाकिस्तान के पास है । समझौते के अनुसार भारत को उनका उपयोग सिंचाई, परिवहन और बिजली उत्पादन हेतु करने की अनुमति है। इस दौरान इन नदियों पर भारत द्वारा परियोजनाओं के निर्माण के लिए सटीक नियम निश्चित किए गए। यह संधि पाकिस्तान के डर का परिणाम थी ,क्योंकि इन नदियों का उद्गम भारत में होने के कारण कहीं युद्ध आदि की स्थिति में उसे सूखे और अकाल आदि का सामना न करना पड़े।

पहलगाम हत्याकांड के फौरन बाद भारत ने अटारी इंटिग्रेटेड चेक पोस्ट को भी तुरंत प्रभाव से बंद करने का फैसला किया है. सरकार की ओर से कहा गया है कि जो लोग मान्य दस्तावेजों के आधार पर इधर आए हैं वो इस रूट से 1 मई 2025 से पहले वापस जा सकते हैं। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि अब पाकिस्तानी नागरिक सार्क वीजा छूट स्कीम (एसवीईएस) के तहत जारी वीजा के आधार पर भारत की यात्रा नहीं कर पाएंगे. एसवीईएस के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को पूर्व में जारी किए वीजा रद्द माने जाएंगे. एसवीईएस के तहत जो भी पाकिस्तानी नागरिक भारत में हैं उन्हें 48 घंटों में भारत छोड़ना होगा।

एक अन्य फैसले के बाद नई दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग के रक्षा/सैन्य, नौसेना और वायु सेना सलाहकारों को अवांछित (पसोर्ना नॉ ग्रेटा) व्यक्तिघोषित कर दिया गया है। उन्हें भारत छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। भारत इस्लामाबाद स्थित अपने उच्चायोग के रक्षा/सैन्य, नौसेना और वायु सेना सलाहकारों को भी वापस बुला रहा है. दोनों उच्चायोग में ये पद खत्म माने जाएंगे। ये सभी कूटनीति और राजनयिक कदम हैं। असली कार्रवाई तो नृशंस हत्यारों का खात्मा है। ये खात्मा फुटकर मुठभेड़ों से मुमकिन नहीं है। इसके लिए क्या किया जाना चाहिए ये हम जैसे लोग नहीं बता सकते । ये तय करना सेना और सरकार का काम है। हमारे यहां कहावत है की शत्रुता और उधारी कभी बकाया नहीं रहना चाहिए। हिसाब बराबर होना ही एकमात्र विकल्प है।

मेरे हिसाब से और बेहतर होता की सरकार इस हत्याकांड के बाद राजनीति से ऊपर उठकर आनन-फानन में एक सर्वदलीय बैठक भी बुला लेते । सभी दलों को विश्वास में लेकर कोई फैसला किया जाता तो और बेहतर होता। क्योंकि ये लड़ाई हिन्दू-मुसलमान की या भाजपा -कांग्रेस की नहीं है। पूरे देश की है,देश की सम्प्रभुता और एकता पर हमले के खिलाफ लड़ने की है। इसे सरकार अकेले नहीं लड़ सकती। पूरे देश को ये लड़ाई लड़ना होगी। मैं होता तो देश से अपील करता कि देश कुछ समय के लिए तमाम आंदोलन,धरना,प्रदर्शन बंद कर भारत सरकार के साथ खड़ा हो। अभी भी ज्यादा देर नहीं हुई है। सरकार को विपक्ष कि साथ पाकिस्तान जैसा व्यवहार न करते हुए सहयोगियों जैसा व्यवहार करना चाहिए। जब हालात मामूल पर आ जाएँ तब विपक्ष अपना काम करे और सरकार अपना काम करें। लेकिन सरकार ऐसा कर नहीं रही । जम्मू-कश्मीर में हुई उच्च स्तरीय बैअतःक से सूबे कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को बाहर कर दिया गया। ये राज्य की जनता का अपमान है।उमर कोई पाकिस्तानी नागरिक नहीं है। उनके पास आतंकवादियों से दो-दो हाथ करने का पुराना तजुर्बा है।

आज मैं न प्रधानमंत्री की आलोचना करना चाहता हूं और न गृहमंत्री जी की । मेरा तो एक ही आग्रह है इ देश के प्रधानमंत्री किसी दिन रात 8 बजे देश से मुकझातिब हों। उन्हें इस हादसे के बाद देश से मुंह छिपाने की जरूरत नहीं है। उनकी सरकार के अतीत के फैसलसों पर बाद में बात हो जाएगी। अभी तो पाकिस्तान से और अत्तंकवादियों से निबटना है और मिलजुलकर निबटना है।

@ राकेश अचल

आतंक पर स्पष्ट संदेश

सबसे महत्त्वपूर्ण कदम था सिंधु जल संधि को स्थगित करना। इस संधि को 1965 और 1971 की भारत-पाकिस्तान की जंग, 1999 में करगिल युद्ध के समय भी निलंबित नहीं किया गया था।

भारत सरकार इससे स्पष्ट संदेश नहीं दे सकती थी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा, ह्यभारत हर आतंकवादी और उसके समर्थकों की पहचान करेगा, उन्हें तलाश करेगा और उन्हें धरती के कोने-कोने तक खदेड़ेगा।ह्व बिहार के मधुबनी जिले में आयोजित सभा में मोदी ने अंग्रेजी में बोलने का निर्णय लिया जिससे संकेत मिलता है कि वह इस संदेश को बिना किसी बाधा के पूरी दुनिया तक पहुंचाना चाहते थे। उन्होंने इस मुश्किल समय में भारत के साथ खड़े देशों और नेताओं का भी उल्लेख किया। इस बात ने और हमले को लेकर विदेशी नेताओं की प्रतिक्रिया ने यह दिखाया है कि भारत को जबरदस्त कूटनीतिक समर्थन हासिल है। केंद्र सरकार ने गुरुवार को एक सर्वदलीय बैठक भी बुलाई। यह बताता है कि देश एकजुट है।

चूंकि यह हमला सीमा पार से जुड़ा हुआ है और यह बात सबको पता है कि पाकिस्तान आतंकी समूहों को पालता और वित्तीय मदद मुहैया कराता है। ऐसे में सरकार ने बुधवार को व्यापार रोकने, पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारियों को निकालने और सार्क वीजा रियायत योजना के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को दिए वीजा निरस्त करने जैसे कदम उठाए। बहरहाल सबसे महत्त्वपूर्ण कदम था सिंधु जल संधि को स्थगित करना। यह बात भी ध्यान देने लायक है कि 1960 में हस्ताक्षरित इस संधि को 1965 और 1971 की भारत-पाकिस्तान की जंग और 1999 में करगिल युद्ध के समय भी निलंबित नहीं किया गया था।

यह इसलिए महत्त्वपूर्ण है क्योंकि पाकिस्तान का एक बड़ा हिस्सा सिंधु नदी के पानी पर निर्भर है। पाकिस्तान में खेती से लेकर बिजली उत्पादन तक की गतिविधियों पर इसका बुरा असर हो सकता है। अनुमान के मुताबिक पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी का करीब 25 फीसदी सिंधु जल व्यवस्था पर निर्भर है। गुरुवार को पाकिस्तान ने इस घोषणा को नकार दिया और कहा कि सिंधु नदी के जल को रोकने या उसके बहाव की दिशा को बदलने की किसी भी कोशिश को युद्ध जैसी कार्रवाई माना जाएगा। पाकिस्तान ने भी शिमला समझौते को स्थगित कर दिया।

हालांकि भारत शायद पानी के प्रवाह को तत्काल न रोके लेकिन यह घोषणा इस बात को रेखांकित करती है कि कोई भी कदम उठाया जा सकता है। भारत इस स्थिति में है कि वह पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को तगड़ा नुकसान पहुंचा सके जो पहले ही खस्ता हालत में है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आंकड़ों के मुताबिक उसकी जीडीपी नॉमिनल अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में 2024 में साल 2022 से भी कम थी। नॉमिनल डॉलर के ही संदर्भ में उसका प्रति व्यक्ति जीडीपी 2024 में तकरीबन उतना ही था जितना कि वह 2015 में था।

पाकिस्तान कई साल से आईएमएफ के सहयोग कार्यक्रमों की बदौलत चल रहा है। कूटनीति की बात करें तो पिछले कई साल के निरंतर प्रयासों से भारत, पाकिस्तान को अलग-थलग कर पाने में कामयाब रहा है। अमेरिका के अफगानिस्तान से चले जाने के बाद पाकिस्तान ने वह बढ़त भी गंवा दी है जो उसे अमेरिका के या मोटे तौर पर पश्चिमी देशों के साथ हासिल थी। पश्चिम एशिया भी उससे किनारा कर चुका है। पाकिस्तान में चल रही चीनी परियोजनाओं की दिक्कतें जल्दी ही दोनों देशों की दोस्ती को प्रभावित कर सकती हैं।

चाहे जो भी हो भारत को दुनिया भर में अपने मित्र राष्ट्रों के माध्यम से पाकिस्तान पर यथासंभव कूटनीतिक दबाव बनाना चाहिए और उसे विवश करना चाहिए कि वह आतंकवाद का समर्थन करना बंद कर दे। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान खासकर उसकी सेना अभी भी यह समझ नहीं पा रही है कि उसे आतंकवाद का समर्थन करने से कुछ नहीं हासिल होगा। इसके विपरीत ऐसी हरकतें पाकिस्तान के लिए हालात को और मुश्किल बना देंगी।

सरकार कूटनीतिक कदम उठा रही है और आतंकियों को तलाशने की हर कोशिश की जा रही है लेकिन सुरक्षा और खुफिया व्यवस्था की कमियों को भी पहचान कर दूर करना चाहिए। पहलगाम हमला जम्मू-कश्मीर की आर्थिक संभावनाओं और वहां सामान्य होते हालात पर हमला है। ऐसे में यह महत्त्वपूर्ण है कि न केवल घाटी में बल्कि पूरे देश में विश्वास बहाल किया जाए, जो पिछले कुछ सालों से लगातार बढ़ रहा है।

विफल प्रयत्न हुए सारे,
मैं हारी, निष्ठुरता जीती।
अरे न पूछो, कह न सकूँगी,
तुमसे मैं अपनी बीती॥

नहीं मानते हो तो जा
उन मुकुलित कलियों से पूछो।
अथवा विरह विकल घायल सी
भ्रमरावलियों से पूछो॥

जो माली के निठुर करों से
असमय में दी गईं मरोड़।
जिनका जर्जर हृदय विकल है,
प्रेमी मधुप-वृंद को छोड़॥

सिंधु-प्रेयसी सरिता से तुम
जाके पूछो मेरा हाल।
जिसे मिलन-पथ पर रोका हो,
कहीं किसी ने बाधा डाल॥

(पहलगाम हत्याकांड) हिंसा और आंतकवाद का घृणित

पहलगाम में 28 निर्दोष पर्यटकों की आतंकवादियों द्वारा निर्मम हत्याकाण्ड को इतिहास में एक बड़ी अमानवीय घटना के रूप में याद किया जाएगा। भारत को चाहिए कि अब इस जहरिली विचारधारा तथा इसके नेपथ्य में जितनी भी संस्थाएं और देश शामिल है उनका सममूल्य नाश किया जाना चाहिए तब जाकर इन निर्दोष 28 व्यक्तियों की हत्या का बदला माना जाएगा। विचारधारा तथा मानसिक विकृति के शिकार कुछ बंदूकधारियों द्वारा निरिह लोगों की हत्या कर अपना मकसद साध लेना ही आतंकवाद की श्रेणी में नहीं आता है,बल्कि शक्ति संपन्न राष्ट्रों द्वारा अपनी विस्तार वादी सामंती अवधारणा को पूरा करने के लिए छोटे देशों पर हमला करना भी आतंकवाद ही है ' इसराइल-हमास, रूस-यूक्रेन युद्ध इसका ताजा उदाहरण है, अमेरिका की दादागिरी, चीन का पागलपन, उत्तर कोरिया की सनक इन सबके विभस्त उदाहरण है जो अपनी व्यवसायिक ,सामरिक और मानसिक सनक को पूरा करने के लिए किसी भी देश को नेस्तनाबूद कर नागरिकों पर कहर ढाकर उन्हें मौत के घाट उतार देते हैं' यह सब अंतर्राष्ट्रीय सामूहिक बलात आतंकवाद ही हैं' भारत एक सशक्त और बलशाली देश होने के बावजूद शांति की नीति को अपनाए हुए है और वैश्विक शांति का संदेश भी देने का प्रयास कर रहा है ऐसे देशों को साधुवाद देना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महाबली राष्ट्रों की विस्तार वादी तथा सामंती गतिविधियों की सार्वजनिक निंदा भी की जानी चाहिए'

आतंकवाद एक मानसिक विकृति की विचारधारा है, जिसके द्वारा हिंसक कार्यों और गतिविधियों से जनमानस अशांति और भय की स्थापना करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करना होता है। जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं जो कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट,हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती है। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम मैं विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा ,जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड ,बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम फेहरा के रखा है। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवादी ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं ,यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेल पटरियों वायुयानो का अपहरण निर्दोष लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सल वाली क्षेत्र से पनपा है, जो पूरे भारत में धीरे-धीरे फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए हैं। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद ने अनेक घटनाओं को जन्म देकर विश्व शांति सद्भावना की मूल कल्पना को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है। दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में आज मौजूद है। आतंकवाद कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण ,नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। यह समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं। आतंकवाद को वृहद रूप देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भी बड़ा साथ दिया है, आतंकवादियों, नक्सलवादियों और नस्ल वादियों के लिए रसायनिक, नाभिकीय, जैविक मानव बम जैसे आधुनिक हथियार उपलब्ध होने से यह आतंकवादी गतिविधियां और भी खतरनाक हो गई है। इसके अलावा मीडिया में इंटरनेट उपलब्धता से यह सारी सरकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो जाती है इससे आतंकवादी और ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। विश्व में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर 11 सितंबर 2001 आतंकवादी हमला मानव इतिहास की सबसे क्रूर तम हमला माना जाता है।

डिजिटल रेप झेला दंश...!

अस्पताल का आई.सी.यू और जीवन संघर्ष,
वो यौन उत्पीडन या डिजिटल रेप झेला दंश।
सामान्य रेप से अतिरिक्त यहाँ भी न छोड़ोगे,
क्यों? नहीं काँपते तुम्हारे हाथ क्या? मोड़ोगे।
ये अवचेतन अवस्था में एयरलाइन कर्मचारी,
क्या से क्या सह रहीं थीं वो बिस्तर पे बेचारी।

अस्पताल का आई.सी.यू और जीवन संघर्ष,
वो यौन उत्पीडन या डिजिटल रेप झेला दंश।
वासना का घिनौना कर्म किसने हैं सिखाया,
बिन सहमति गुप्तांग में अंगूठा प्रवेश कराया।
न कोई शर्म, न हया कुछ भी ना रहा हैं बाकी,
हवस की पराकाष्ठा ने घृणित बन हुआ दागी।

अस्पताल का आई.सी.यू और जीवन संघर्ष,
वो यौन उत्पीडन या डिजिटल रेप झेला दंश।
ऐसा विकृत करते अपनों के खयाल ना आते,
वहशियों माँ,बहन,बेटी के मुख नजर न आते।
अस्पताल को यहाँ जीवनदायी कहा जाता हैं,
तुम दीपक थे सभी को दरिंदा नजर आता हैं।
(संदर्भ-डिजिटल रेप की घटना 6 अप्रैल, 2025 को हुई थी।)

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्यप्रदेश)

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित। संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

कारोबारियों ने शुभम द्विवेदी सहित 26 निर्दोष पर्यटको की हुई नृसंश हत्या का विरोध प्रदर्शन किया ।

समाज जागरण

कानपुर विशेष संवाददाता। उत्तर प्रदेश मार्बल टाइल्स व्यापारी संरक्षक आशुतोष दीक्षित (चिंटू भैया) भाजपा नेता अंकित अग्रवाल प्रदेश वरिष्ठ प्रवक्ता

ट्रस्ट रजि के (प्रदेश अध्यक्ष) पवन कुमार गौड़ के नेतृत्व में व्यापारियों ने कैंडल मार्च निकाला तथा साइट नंबर वन चौराहे पर सीमेंट कारोबारी शुभम द्विवेदी को श्रद्धांजलि एवं आतंकवाद का पुतला जलाकर आक्रोश व्यक्त करते हुए नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान मांग की गई भारत सरकार पाक अधिकृत कश्मीर को अपने कब्जे मे लेकर आतंकवादियों को नेस्तनाबूत करे इस दौरान प्रमुख रूप से प्रदेश मुख्य संरक्षक अनूप तिवारी प्रदेश वरिष्ठ व्यापारी अजय तिवारी (अज्जू) प्रदेश वरिष्ठ महामंत्री सुशील सक्सेना प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद शुक्ला सोनू तिवारी पीयूष दाधीच आशीष गुप्ता (लालू) सुनील सक्सैना शेट्टी विजय कुमार सिंह मनीष द्विवेदी शिव स्वरूप तिवारी सोनू गुप्ता शिवम मिश्रा राजीव कुमार विशाल ओमर पुनीत मेहरोत्रा पतंजलि शुक्ला विशाल अग्रवाल सुरेश जयसवाल सोनू रहमानी राजेश पाल प्रशांत श्रीवास्तव आलोक गुप्ता शोभित गुप्ता आदि व्यापारिक कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

"हिंदू सुरक्षा सेवा संघ" ने दिया ज्ञापन

पश्चिम बंगाल और जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरुद्ध उठाई आवाज

समाज जागरण

गौतम बुद्ध नगर, 24 अप्रैल 2025: आज हिंदू सुरक्षा सेवा संघ – श्री श्री 1008 महंत राजू दास हनुमानगढ़ी, अयोध्या जी के मार्गदर्शन में संचालित संगठन – के जिला अध्यक्ष अजय चौहान के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट, गौतम बुद्ध नगर स्थित जिलाधिकारी कार्यालय में एक महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन पश्चिम बंगाल और जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हिंदू समाज पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में प्रस्तुत किया गया।

अपर जिला अधिकारी श्री मंगलेश दुबे जी ने ज्ञापन को स्वीकार करते हुए कहा कि इस विषय को गंभीरता से लिया जाएगा और संबंधित उच्चाधिकारियों तक पहुँचाया जाएगा। उन्होंने प्रशासन की ओर से संवेदनशीलता और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर संगठन के कई समर्पित सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख नाम इस प्रकार हैं: सनातनी दुर्गा प्रसाद दुबे, सुंदर यादव, युवराज ठाकुर, जितेंद्र ठाकुर, राजेश ठाकुर, सुरेंद्र यादव, ऋषि यादव, रविंद्र ठाकुर, सचिन गुप्ता, अनिल चौधरी, अमित बृजवासी, आकाश यादव, विनय यादव, हिमांशु यादव, गोविंद ठाकुर, सुमित शर्मा, आस्तिक शुक्ला, धीरज, सुमित यादव, अरविंद यादव, ठाकुर युवराज सिंह, आलोक, भारत भूषण शर्मा, प्रांजल सिंह और देवेश सिंह। हिंदू सुरक्षा सेवा संघ, उत्तर प्रदेश लगातार सनातन संस्कृति की रक्षा, हिंदू समाज के अधिकारों की सुरक्षा, और धार्मिक जागरूकता के लिए सक्रिय रूप से कार्यरत है। संगठन ने यह भी स्पष्ट किया कि वह भविष्य में भी राष्ट्रहित एवं धर्मरक्षा के मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद करता रहेगा।

गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में सम्पन्न हुई प्राक्कलन समिति की प्रथम उप समिति की बैठक

सभापति अमित अग्रवाल ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

गौतम बुद्ध नगर 24 अप्रैल, 2025: उत्तर प्रदेश अठारहवीं विधान सभा की प्राक्कलन समिति (वर्ष 2024-25) की प्रथम उप समिति की बैठक विगत दिवस देर रात्रि गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति के माननीय सभापति एवं मेरठ कैंट से विधायक अमित अग्रवाल ने की। बैठक में समिति सदस्य डॉ. मंजू शिवाच, रवेंद्र पाल सिंह, शाहिद मंजूर, एमएलसी श्रीचंद शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी तथा जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे तथा विभिन्न विभागों एवं प्राधिकरणों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक में परिवहन, चिकित्सा स्वास्थ्य, ऊर्जा, खाद्य एवं रसद, लोक निर्माण, नगर विकास, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास (यूपीडा, यमुनाएक्सप्रेसवे, नोएडा, ग्रेटर नोएडा), ग्राम्य विकास, पर्यटन, स्टांप एवं पंजीकरण, आवास एवं शहरी नियोजन, राज्य कर, समाज कल्याण एवं सिंचाई विभागों की योजनाओं और बजटीय प्रावधानों की गहन समीक्षा की गई। सभापति ने परिवहन विभाग की समीक्षा करते हुए परिवहन विभाग का अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद से जो भी निजी बसें अन्य जनपदों के लिए संचालित की जा रही है, अभियान चलाकर यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि सभी का पंजीकरण वैध हैं और और जिन बसों का पंजीकरण खत्म हो गया है उनको तत्काल सीज किए जाने के करवाई अमल में लाई जाए। उन्होंने आम जनमानस के आवागमन को सरल बनाने हेतु जनपद में सिटी बस सेवा प्रारंभ करने हेतु निर्देश दिए।

मा0 सभापति ने स्वास्थ्य विभाग को बजट के सापेक्ष कम व्यय करने पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को निर्देशित किया कि वह प्राप्त बजट एवं व्यय रजिस्टर की समीक्षा करते हुए आगामी 15 दिनों में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करें।उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कहा की उत्तर प्रदेश शासन द्वारा स्वास्थ्य संबंधी जो भी कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं, स्वास्थ्य विभाग उसमें व्यक्तिगत रुचि रखते हुए उनका लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने का काम करें, ताकि प्रदेश सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य कार्यक्रमों का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंच सके।

मा0 सभापति ने विद्युत विभाग को बड़े बकायेदारों की सूची तैयार करते हुए उनसे विशेष अभियान चलाकर वसूली करनेके निर्देश दिए।प्राधिकरण से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों की जो भी समस्या प्राधिकरण से संबंधित है उनका संज्ञान लेते हुए तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करायें। उन्होंने प्राधिकरण के अधिकारियों से कहा कि नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में लाखों लोगों की आबादी निवास करती है, दोनों क्षेत्रों में प्राधिकरण के अधिकारीगण जनता की अपेक्षा के अनुसार विकास कार्य करते हुए विकास कार्य किये जाये। उन्होंने कहा कि जनपद के प्राधिकरणों का मुख्य उद्देश्य विकास करना होना चाहिए बिजनेस नहीं। इसलिए आम जनमानस से जुड़ी समस्याओं को प्राधिकरण के अधिकारीगण गंभीरता से लेते हुए उनका निराकरण करें। सभापति ने स्टाम्प विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद में जिला प्रशासन एवं प्राधिकरण से समन्वय स्थापित करते हुए कार्यालय हेतु भूमि चिन्हित करायें, ताकि रजिस्ट्री हेतु आने वाले आम जनमानस को कार्यालय में सभी मूलभूत सुविधाएं मानकों के अनुरूप प्राप्त हो सके। सभापति ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़ी योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी और समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विकास कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और तत्परता पर विशेष बल दिया। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने समिति को आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए सभी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन कराया जाएगा एवं अद्यतन रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाएगी।

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च कॉलेज की ओर से आक्रोशित स्टुडेंट्स ने पहलगाम विक्टिम्स को दी श्रद्धांजलि, जस्टिस फॉर पहलगाम विक्टिम्स सरीखे नारों से गूंज उठा कैंपस

टीएमयू कैंपस में मेडिकल छात्रों का आतंकी हमले के विरुद्ध कैंडल मार्च

समाज जागरण

मुरादाबादः ऑल आइज ऑन पहलगाम के बैनर तले पहलगाम में मारे गए पर्यटकों के लिए तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च कॉलेज की ओर से आक्रोशित स्टुडेंट्स ने कैंडल मार्च निकाल कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कैंडल मार्च मेडिकल कॉलेज से आरम्भ होकर जिनालय, प्रशासनिक भवन, पवेलियन होते हुए मेडिकल कॉलेज जाकर

समाप्त हुआ, जहां मृतकों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन भी रखा गया। कैंडल मार्च के दौरान स्टुडेंट्स ने वंदे मातरम, भारत माता की जय, वी स्टैंड टुगेदर, अमर रहेंगे... अमर रहेंगे... देश के लोग अमर रहेंगे..., देश के गद्दारों को... गोली मारो..गोली मारो... जस्टिस फॉर पहलगाम विक्टिम सरीखे नारों से कैंपस गूंज उठा। गुस्साए स्टुडेंट्स हाथों में पहलगाम अटैक पर प्रहार करने वाले पोस्टर्स आदि लिए थे। श्रद्धांजलि सभा में मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. एनके सिंह, वाइस प्रिंसिपल प्रो. प्रीथपाल सिंह मटरेजा, प्रो. आशुतोष कुमार की उल्लेखनीय मौजूदगी रही।

एमबीबीएस के स्टुडेंट्स- हर्ष कौशिक, अमूल त्यागी, शाश्वत मिश्रा, ऋषभ सिंह, सत्याम वार्ष्णेय, हर्षित शर्मा, अभय पांडेय, अभिनव राव ने पहलगाम हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा, आतंकवादियों का यह हमला कायराना है। दो दर्जन से अधिक बेकसूर पर्यटकों की मौत से कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक उबाल है। मेडिकल स्टुडेंट्स ने केंद्र सरकार से कहा, कश्मीर में प्रोटेक्शन को ओर मजबूत किया जाना चाहिए। साथ ही सरकार को आतंकवाद के विरुद्ध ठोस सख्त फैसले लेने चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में रुद्रांश भारद्वाज, सलोनी जैन, दिविशा अग्रवाल, नक्षत्र शेखावत, गुणिका मल्होत्रा, निपुण भारद्वाज, सृष्टि दुबे समेत एमबीबीएस फर्स्ट, सेकेंड, थर्ड और फोर्थ ईयर के 250 से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

टीएमयू में सस्टेनेबल डवलपमेंट गोल्स - चैलेंजेस, इश्यूज एंड प्रैक्टिसेस पर आज से अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस

समाज जागरण

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी,मुरादाबाद के प्रबंधन संस्थान टीएमआईएमटी की ओर से 25 अप्रैल से सस्टेनेबल डवलपमेंट गोल्सः चैलेंजेस, इश्यूज एंड प्रैक्टिसेस पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन का शंखनाद यूनिवर्सिटी के ऑडिटोरियम में प्रातः 10:00 बजे से होगा। सम्मेलन का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के निर्धारित 17 सतत विकास लक्ष्यों पर वैश्विक संवाद को प्रोत्साहित करना है। सम्मेलन में गरीबी उन्मूलन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वच्छ जल एवं स्वच्छता, हरित ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, सतत शहरीकरण और वैश्विक साझेदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा होगी। गृह मंत्रालय के राष्ट्रीय इंटेलिजेंस ग्रिड के सलाहकार डॉ. सौरभ गुप्ता मुख्य अतिथि होंगे। वह रणनीतिक नीति निर्माण और खुफिया तंत्र के डिजिटलीकरण में विशेषज्ञ माने जाते हैं। डीन प्रो. विपिन जैन के अनुसार अब तक देश-विदेश से 468 शोध-पत्र

TEERTHANKER MAHAVEER UNIVERSITY
TMU
MORADABAD
Accredited with NAAC A Grade
12-B Status from UGC

प्राप्त हो चुके हैं, जो टीएमआईएमटी की शैक्षणिक गुणवत्ता एवं वैश्विक पहुंच को दशार्ता है। उन्होंने बताया कि तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. वी के जैन की भी उल्लेखनीय मौजूदगी रहेगी। सम्मेलन में बतौर विशिष्ट अतिथियों में गुरु जम्बेश्वर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के कुलपति प्रो. सचिन महेश्वरी, प्रीमियर ग्रीन इन्नोवेशन प्रा. लि. एवं पूर्व कुलपति ए.के.टी.यू. के प्रो. आर.के. खंडाल और मनहारी समूह के अध्यक्ष डॉ. हरिंद्र कुमार गर्ग शामिल होंगे। सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के रूप में फिजी नेशनल यूनिवर्सिटी फिजी से डॉ. अवनीश कुमार शुक्ला, यूटीएएस मस्कट ओमान से डॉ. मोहम्मद मुस्लिम और डॉ. अंसारुल हक, एमिटी यूनिवर्सिटी ताशकंद उज्बेकिस्तान से डॉ. दानिश अथर, एनपावर लंदन यूके से सुश्री नंदिता मित्तल, हुआवे यूएई से श्री ऋषि गुप्ता, फॉरफेल सर्विसेज लिमिटेड यूके से श्री सिमरनजीत सिंह, नोमुरा इंटरनेशनल पीएलसी यूके से सुश्री सुख मंजीत कौर, टीसीएस स्विट्जरलैंड से श्री पीयूष माथुर और संयुक्त राज्य अमेरिका से सुश्री अनुशी जैन आदि ऑन लाइन भाग लेंगे। यह सम्मेलन शिक्षाविदों, शोधकताओं, सामाजिक कार्यकताओं, नीति निमार्ताओं और कॉर्पोरेट विशेषज्ञों के लिए सतत विकास पर सार्थक विमर्श का मंच प्रदान करेगा।

विमर्श का उद्देश्य ग्राम पंचायत सदस्यों को अधिकारों के प्रति जागरूक होना -: ओंकार नाथ चौधरी

ग्रामीण बौद्ध कल्याण सेवा संस्थान द्वारा लोक विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया

समाज जागरण

जनपद बलरामपुर के विकास खण्ड - हरैया सतघरवा अन्तर्गत ग्राम पंचायत (बसंतपुर)उदईपुर गनवरिया में उत्तर प्रदेश पंचायतीराज अधिनियम पर किये जा रहें शोध कार्य में लोकमत प्राप्त करने हेतु ग्राम पंचायत लोक विमर्श ग्रामीण बौद्ध कल्याण सेवा संस्थान द्वारा पंचायत भवन - (बसंतपुर)उदईपुर गनवरिया पर आयोजित किया गया। यह शोध कार्य इंडिया पंचायत फाउंडेशन एवं पंच परमेश्वर विद्यापीठ द्वारा किया जा रहा है। विमर्श में सभी प्रतिभागियों ने गहनता से चर्चा कर अपने विचार व्यक्त किए।

पंचायत व्यवस्था से सम्बन्धित इस शोध कार्य हेतु उत्तर प्रदेश के अधिनियम के गहन विश्लेषणात्मक अध्ययन के साथ साथ देश के अन्य प्रमुख 9 राज्यों (बिहार, उत्तराखंड, केरल, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, झारखंड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, तथा जम्मू-कश्मीर) के अधिनियम के प्रावधानों का भी तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। शोध कार्य को और अधिक व्यापक तथा प्रमाणिक बनाने के लिए पंचायत प्रतिनिधियों सामाजिक संगठनों तथा समाज के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ स्थानीय स्तर पर लोक विमर्श का आयोजन किया जा गया।

विमर्श में उपस्थित संस्था के प्रवन्धक ओंकार नाथ चौधरी ने बताया कि पंचायत की समितियों का गठन कागज पर होता है उसकी निरन्तर बैठक भी नहीं होती है इस विमर्श के माध्यम से हमारा उद्देश्य ग्राम पंचायत सदस्यों को ग्राम सभा के सम्मानित नागरिकों को, उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना प्रतिनिधियों को विभिन्न राज्यों में ग्राम पंचायत के कार्य एवं व्यवहार से सम्बन्धित प्रावधानों और नीतिगत सिफारिशों के बारे में जानकारी प्रदान करना एवं ग्राम पंचायत से सम्बन्धित विषयों पर सामूहिक चर्चा के द्वारा लोकमत तैयार करना है।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान नाथूराम, पुलिस विभाग से कान्स्टेबल रोहित चौधरी, कान्स्टेबल चन्द्रशेखर निषाद, हेमलता, बच्चा राम, दिलीप कुमार, रेखा, पुष्पा, मैनावती, कालीचरन वर्मा, सुनीता, कालावती, सुन्दरा, सियाराम के साथ-साथ 30 लोगों ने प्रतिभाग किया।

पाकिस्तान के खिलाफ तत्काल और कठोर कूटनीतिक, आर्थिक व सामरिक कार्यवाही की जाए

जम्मू-कश्मीर के पहलगांव में हिन्दुओं के नरसंहार पर फूटा आक्रोश — विश्व हिन्दू राष्ट्र परिषद् ने राष्ट्रपति से की कठोरतम कार्रवाई की मांग

समाज जागरण

आगरा, पंकज जैन। 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगांव में घटित धर्म आधारित सामूहिक हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। विश्व हिन्दू राष्ट्र परिषद् झ उत्तर प्रदेश ने इस कायरतापूर्ण आतंकी घटना की कड़ी निंदा करते हुए महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन के माध्यम से तत्काल कठोर कार्रवाई की मांग की है। प्रेस को संबोधित करते हुए परिषद् के पदाधिकारियों ने कहा कि जिस प्रकार हिन्दू तीर्थयात्रियों और स्थानीय नागरिकों को धर्म पूछकर निशाना बनाकर मौत के घाट उतारा गया, वह भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए अत्यंत शर्मनाक और खतरनाक संकेत है। यह हमला न केवल मानवता के विरुद्ध अपराध है, बल्कि देश की अखंडता, आस्था और

सामाजिक समरसता पर सीधा प्रहार है।

परिषद् के अनुसार, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत में अब हिन्दू पहचान मृत्यु का कारण बन रही है, और जम्मू-कश्मीर सरकार की चुप्पी और ढीलापन कहीं न कहीं पाकिस्तान-समर्थक रुख का संकेत देता है। परिषद् ने इस घटना को आतंकी हमला बताते हुए राज्य सरकार की बर्खास्तगी और राष्ट्रपति शासन लागू करने की पुरजोर मांग की है।

विश्व हिन्दू राष्ट्र परिषद् की 5 प्रमुख मांगें:

1. पाकिस्तान के खिलाफ तत्काल और कठोर कूटनीतिक, आर्थिक व सामरिक कार्यवाही की जाए।
2. जम्मू-कश्मीर सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लागू किया जाए।
3. हिन्दू नागरिकों एवं पर्यटकों की सुरक्षा हेतु स्थायी व प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।
4. इस हमले में संलिप्त सभी आतंकियों को तत्काल चिन्हित कर कठोरतम दंड दिया जाए।
5. उन राजनीतिक तत्वों की जांच व पहचान की जाए जो इस हमले के बाद भी तुष्टिकरण की राजनीति में लिप्त हैं।

परिषद् ने चेतावनी दी है कि यदि इस प्रकार की घटनाओं पर अब भी सरकार मूकदर्शक बनी रही, तो यह देश के करोड़ों हिन्दुओं की सुरक्षा और विश्वास को गहरा आघात पहुंचाएगा। परिषद् ने महामहिम राष्ट्रपति से शीघ्र संज्ञान लेने और निर्णायक कार्रवाई करने की अपील की है।

भारत शिक्षा एक्सपो-2025 युवा सशक्तिकरण के लिए नए दृष्टिकोण के साथ हुआ भव्य उद्घाटन

गौतम बुद्ध नगर 24 अप्रैल 2025 भारत शिक्षा एक्सपो-2025, भारत की प्रमुख शिक्षा-केंद्रित प्रदर्शनी, का आज एसीईओ, ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण प्रेरणा सिंह द्वारा इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, नॉलेज पार्क, ग्रेटर नोएडा में भव्य उद्घाटन किया गया। यह आयोजन 24 से 26 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया जा रहा है और इसका आयोजन इंडिया एक्सपोजीशन मार्ट लिमिटेड द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सहयोग से किया जा रहा है। भव्य उद्घाटन समारोह में माँ शाकुंभरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर कि कुलपति प्रोफेसर विमला बाई, सदस्य सचिव वढरछदअउ और भारत शिक्षा एक्सपो-2025 हेतु उच्च शिक्षा विभाग, यूपी के नोडल अधिकारी दिनेश शर्मा, मानद सलाहकार इनोवेशन हब एकेटीयू लखनऊ डॉक्टर एसपी मिश्रा, प्रमुखझइनोवेशन हब यूपी, एकेटीयू महीप सिंह और मुख्य वित्तीय अधिकारी, क्एटछ, ग्रेटर नोएडा सचिन सिंन्हा उपस्थित रहे।

शांति का पैगाम देंगे सार्क देशों के पत्रकार, सार्क देशो के पत्रकारों की अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेस 25 से जयपुर में

समाज जागरण

देश दुनिया में जहां हर तरफ आज हिंसा और हमले हो रहे हैं उसने न केवल दुनियावी लोगो को अपने बारे में सोचने को मजबूर कर दिया है बल्कि दुनिया भर में हिंसा के खिलाफ एक जुट होकर खड़े हो कर एक साथ होने को दृढ़ भी किया है। एपेक्स यूनिवर्सिटी और सार्क जर्नलिस्ट फोरम इंडिया चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में 25-26 अप्रेल को आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के जरिए देश और दुनिया को अमन और शांति का पैगाम देंगे। दक्षिण एशिया में शांति और सहयोग विषय पर आयिजित इस कार्यक्रम में पत्रकारिता की क्या भूमिका रही है को लेकर और पत्रकार कैसे शांति

में सहयोग दे सकते हैं पर बातचीत होगी। इस सम्मेलन में श्रीलंका, नेपाल और भारत के विभिन्न हिस्सों से आने वाले पत्रकारों की संभावना है। बता दे कि सार्क जर्नलिस्ट फोरम इंडिया चैप्टर पिछले पांच वर्षो से देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित कर दुनिया में शांति स्थापना का पैगाम दे रहा है। कार्यक्रम का आयोजन जयपुर स्थित एपेक्स यूनिवर्सिटी में हो रहा है। इस कार्यक्रम में राजस्थान के उद्योग एवं वाणिज्य युवा मामलो के केबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। सार्क देशों से आए सार्क जर्नलिस्ट फोरम के सदस्य और पदाधिकारी भी इस समारोह में मुख्य रूप से अपनी भागीदारी निभायेंगे. सार्क जर्नलिस्ट फोरम अंतराष्ट्रीय के अध्यक्ष राजू लामा, भारतीय चैप्टर की अंतराष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रो स्मिता मिश्र, प्रो बंदना पांडेय, संजीव भानावत, श्रीलंका से राहुल समांथा, कंचना कुमार, प्रगीथ जनक रुपसेना के साथ तेलंगाना से सईद आरिफ, युसुफुद्दीन अंसारी, महाराष्ट्र से अनिल सबले, रवींद्र कराथ, राजस्थान से शेख रईस अहमद, दिल्ली से पवन कोंडल, कृष्णपाल, आशीष अंशु, कलकत्ता से मृणाल चटर्जी, मौजुद रहेगें। कार्यक्रम की रूपरेखा से लेकर कार्यक्रम के संयोजन मे एपेक्स यूनिवर्सिटी मीडिया विभाग की प्रभारी डा गरिमा ने कहा कि यह समारोह अंतराष्ट्रीय स्तर पर शांति का पैगाम देगा हम सभी मेहमानों का इस कार्यक्रम मे स्वागत करते है। भारतीय चैप्टर के अध्यक्ष सुधांशु अनिरुद्ध ने कहा कि भारत शांति माना चैन वाला देश है और हम इस समारोह से दुनिया भर में शांति का संदेश देंगे।

व्यापारिक समस्याओं के समाधान को लेकर जिला व्यापार बंधु समिति की बैठक सम्पन्न

व्यापारियों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें संबंधित अधिकारीगणः अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व)

गौतमबुद्धनगर 24 अप्रैल 2025: जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला व्यापार बंधु समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य जनपद में व्यापारिक गतिविधियों को सुचारु रूप से संचालित करना तथा व्यापारियों को आ रही समस्याओं का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करना था।

इस बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अतुल कुमार ने की। बैठक में विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने अतिक्रमण, यातायात जाम, पार्किंग की समस्या, सड़कों की जर्जर स्थिति एवं जीएसटी संबंधी जटिलताओं से संबंधित मुद्दों को प्रमुखता से रखा। व्यापारियों ने बताया कि इन समस्याओं के कारण व्यापार संचालन में निरंतर बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं।

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि व्यापारियों की समस्याओं का निस्तारण त्वरित और प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने नगर पालिका दादरी को निर्देशित किया कि बाजार क्षेत्रों में प्रवर्तन अभियान चलाकर अतिक्रमण को हटाया जाए। साथ ही पुलिस विभाग को यातायात प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने हेतु तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक का संचालन उपायुक्त प्रशासन (राज्य कर) एवं समिति के सचिव द्वारा किया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग, प्राधिकरण, विद्युत विभाग, नगर पालिका सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं व्यापार मंडलों के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। सौजन्य से सूचना विभाग गौतम बुद्ध नगर।

जिला गंगा समिति एवं पर्यावरण/वृक्षारोपण/वैटलैंड समिति की बैठक संपन्न

गौतम बुद्ध नगर 24 अप्रैल, 2025 : जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में आज कलेक्ट्रेट के सभागार में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अतुल कुमार की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति एवं जिला वृक्षारोपण/पर्यावरण/वैटलैंड समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने वृक्षारोपण कार्यक्रम की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी वृक्षारोपण अभियान हेतु सभी विभाग अपने-अपने स्थलों का चिन्हांकन शीघ्र पूरा करें एवं कार्ययोजना अगली बैठक में प्रस्तुत करें। उन्होंने

जोर देकर कहा कि गत वर्ष किये गये वृक्षों की शत-प्रतिशत जियो टैगिंग सुनिश्चित की जाए एवं वृक्षारोपण की सत्यापन रिपोर्ट तत्काल उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि वर्ष 2025-26 हेतु वृक्षारोपण स्थलों का चिन्हांकन करते हुए उसकी सूचना जल्द साझा करें एवं शासन द्वारा प्राप्त लक्ष्यों के अनुरूप सभी तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूर्ण की जाएं।

बिसौली : अधिवक्ताओं ने पहलगाम के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

आतंकियों पर कठोर कार्रवाई के लिए राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन एसडीएम न्यायिक प्रवर्धन शर्मा को सौंपा

आई एम खान/
दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

बिसौली बदायूं। तहसील बार एसोसिएशन बिसौली ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। वही अधिवक्ताओं ने आतंकी हमले में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए शोक सभा कर श्रद्धांजलि भी दी। गुरुवार को राष्ट्रपति के नाम डिप्टी कलेक्टर न्यायिक प्रवर्धन शर्मा को ज्ञापन सौंपाकर आतंकियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान तहसील बार एसोसिएशन के

अध्यक्ष अनूप शर्मा, पूर्व अध्यक्ष राजेश सक्सेना, प्रेमशंकर यादव, दिनेश चंद्र शर्मा, अल्ताफ हुसैन, दिनेश कुमार सक्सेना, वेदप्रकाश सक्सेना, ह्रदेश शर्मा, नकी खान, त्रिलोकी नाथ, अबरार खान, विजयभान सिंह, आकाश बाबू, रविंद्रनाथ गुप्ता, मोहित कुमार शर्मा, के पी सिंह राना, दीपक, अखिलेश यादव, विवेक कुमार, मुकेश कुमार, विचित्रपाल सिंह, सुधाकर सक्सेना, अजय पाराशरी, राजीव कुमार सक्सेना, अफजल खान, राहुल शर्मा ठा. रामवीर सिंह, प्रमोद सक्सेना, नंदकिशोर राना, रासू कुमार, विनीश कुमार सिंह, विवेक तिवारी, प्राणभ्रत शर्मा, सत्यपाल सिंह, के.पी. सिंह, सुमित कुमार शर्मा, योगेश यादव, युधिष्ठिर यादव, मो. सलीम आदि अधिवक्तागण मौजूद रहे।

बिसौली में सपा कार्यकताओं ने आतंकी हमले के विरोध में निकाला कैंडल मार्च

आई एम खान/
दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

बिसौली बदायूं। कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों द्वारा लोगों की निर्मम हत्या करने की विरोध में गुरुवार को समाजवादी पार्टी यूथ ब्रिगेड की ओर से सपा के कार्यकताओं ने कैंडल मार्च निकालकर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही समाजवादी पार्टी यूथ ब्रिगेड के प्रदेश सचिव सोमेश प्रताप ने आतंकियों को उन्हीं की भाषा में जवाब देने की मांग उठाई। सपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता विनोद यादव ने कहा कि पहलगाम में आतंकी घटना झकझोर देने वाली है। एड. विवेक यादव ने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों की जो हत्या की गई है वह इंसानियत की हत्या है। जिसकी समाजवादी पार्टी कड़ी

निंदा करती है।कैंडल मार्च नगर के तिरंगा चौक से शुरू होकर नगर पालिका स्थित शहीद पार्क तक निकाला गया। कार्यकताओं ने आतंकवाद मुदार्बाद के नारे लगाए वही आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर सोमेश प्रताप, विनोद यादव, एड. विवेक यादव, एड. राजीव यादव, दुष्यंत यादव, मुनीष यादव, माधव वार्ष्णेय, रोहिताश मीणा, अंशुल यादव, रजत यादव, फैजान मंसूरी, शिवम यादव, नवीन कुमार सिंह, सतीश यादव आदि मौजूद रहे।

परियावली गांव में युवाओं ने निकाला जुलूस, आतंकवाद के खिलाफ फूटा आक्रोश

आतंकवादियों का पुतला दहन कर लगाए नारे, सरकार से की सख्त कार्रवाई की मांग

दैनिक समाज जागरण
मौ० अली नकवी

असमोली (संभल)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के विरोध में असमोली क्षेत्र के गांव परियावली में युवाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। जुलूस निकालकर युवाओं ने आतंकवाद के खिलाफ नारेबाजी की और आतंकवादियों का पुतला फूंककर अपना आक्रोश व्यक्त किया।प्रदर्शन के दौरान "आतंकवाद मुदार्बाद", "पाकिस्तान मुदार्बाद" और "हिंदुस्तान जिंदाबाद" जैसे नारे गूंजे। युवाओं ने कहा कि इस प्रकार के कायराना हमलों से देश का सिर नहीं झुकेगा, बल्कि ऐसे हमलों के

खिलाफ जनता और अधिक एकजुट होकर खड़ी होगी।प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों द्वारा निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या की गई है, जो मानवता के खिलाफ है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।इस विरोध प्रदर्शन में गांव के कई युवा शामिल हुए। प्रमुख रूप से दीपक ठाकुर, विकास ठाकुर (भोला), अंकित ठाकुर, हीरालाल प्रजापति, दानवीर प्रजापति, कामेश कुमार, बबलू चंद्र, हिमांशु यादव, संजीव कुमार और मनोज सैनी आदि युवाओं की सक्रिय भागीदारी रही।युवाओं ने यह भी कहा कि देश के युवाओं को अब आतंकवाद के खिलाफ एक स्वर में खड़ा होकर इसका विरोध करना चाहिए, ताकि आगे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

आतंकवादी हमले में जान गवाने वाले लोगो को श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्रित हुए

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

नगीना । पहलगाम की आतंकवादी हमले में जान गवाने वाले लोगो को श्रद्धांजलि देने के लिए नगर के लोग स्थानीय गाँधी तिराहे पर एकत्रित हुए। मोमबत्ती जलाकर व अपनी जान गवाने वाले लोगो की आत्मा की शांति के लिये मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर लोगो में गुस्सा व नाराजगी साफ नजर आई। इस मौके पर आयोजित सभा को सेवानिवृत अध्यापक अशोक अग्रवाल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि वे इस घटना से बेहद दुखी हैं। यह घटना बहुत दुःखद व अक्षम्य है। इस कायराना हरकत की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। पटरी पर लौट रहे कश्मीर को पटरी से उतारने की यह नाकामयाब कोशिश है।उन्होंने कहा कि हमले में अपनों को खोने का दर्द हर भारतीय को है। उन्होंने कहा कि हम सरकार से मांग करते हैं कि सरकार इस कायराना हमले का माकूल जबाब दे और इस घटना में शामिल किसी को नहीं

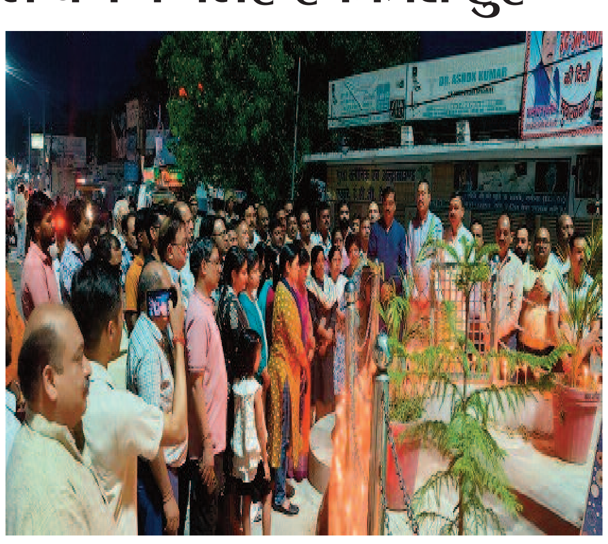

छोड़े। इस अवसर पर अनूप वाल्मीकि, प्रमोद चौहान, सौरभ मित्तल, लवी मित्तल, अंजली मित्तल, आशा माहेश्वरी, रीतू गर्ग,कुसुम अग्रवाल, श्वेता गोयल, सचिन रुहेला, प्रदीप गर्ग,अजीत अग्रवाल, शिवशंकर सक्सेना, कृष्ण बलदेव सिंह,शलभ गोयल, नीरज विश्नोई, सचिन शर्मा, मोहित गोयल, अर्णव चौधरी,प्रहलाद कुशवाहा, सोहन सैनी, डॉ भूपेश चौहान, राजेश ठकुराल, राजमणि कुदेसिया,विजय अग्रवाल, अमरजीत सिंह, हर्ष गोयल, हितेश चौहान, नीरज कर्णवाल, गोपाल शर्मा, नीरज कर्णवाल, गौरव अग्रवाल, संजीव लाहोटी, अमरजीत, संजीव अग्रवाल, अनुज वर्मा, अभिषेक अग्रवाल,अमित गुप्ता, ब्रजमोहन विश्नोई,सागर विश्नोई, चौधरी दिग्विजय सिंह,मुकेश चौधरी सहित सेकड़ो लोग उपस्थित थे।

डी पॉल स्कूल में विद्यालय छात्र परिषद का अलंकरण समारोह संपन्न

आई एम खान/
दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

बिसौली बदायूं। डी पॉल स्कूल बिसौली में विद्यालय छात्र परिषद का 'अलंकरण समारोह' का आयोजन किया गया। इस दौरान स्कूल के प्रबंधक फादर डॉक्टर मार्टिन बीसी एवं प्रधानाचार्या सिस्टर जोशिता का छात्रों ने स्कूल के बैंड द्वारा स्वागत किया। कक्षा 5 के छात्र रिदांश के द्वारा स्कूल के प्रबंधक फादर डॉक्टर मार्टिन बीसी एवं कक्षा 4 की छात्रा इशिता वार्ष्णेय के द्वारा सिस्टर जोशीता को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। विद्यालय के प्रबंधक फादर डॉक्टर मार्टिन बीसी बतौर मुख्य अतिथि ने विद्यालय कप्तान से लेकर खेल कप्तान तक के छात्र एवं छात्राओं को प्रतीक सैशे व ध्वज प्रदान कर सम्मानित किया। विद्यालय के छात्रों को प्रबंधक द्वारा पद व गरिमा की शपथ ग्रहण कराई गई। छात्र परिषद में स्कूल हेड कप्तान अमरेंद्र सिंह व उप कप्तान इशिता वार्ष्णेय, स्पोर्टस कप्तान प्रथम वार्ष्णेय

व उप कप्तान अनिका चौधरी, कल्चरल कप्तान उत्कर्ष वार्ष्णेय व रितिका, रेड हाउस कप्तान संकल्प वार्ष्णेय व उप कप्तान मन्या मिश्रा, ब्लू हाउस कप्तान एकाग्र पाराशरी व उपकप्तान प्रणाली वार्ष्णेय, ग्रीन हाउस कप्तान अयान देवनाथ व उप कप्तान विधि गोयल, ऐलो हाउस कप्तान दर्शित पाठक व उप कप्तान दिशी शंखधार को बनाया गया। स्कूल प्रबंधक फादर ने शपथ ग्रहण के पश्चात कहा कि कप्तान छात्र जीवन में नेतृत्व के गुणो को विकसित करने के लिए बनाए गए हैं। आगे चलकर ऐसे विद्यार्थी ही भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अप्रतिम नेतृत्व क्षमता से संपन्न होंगे, शिक्षा से लेकर खेल तक हर स्थान पर इसकी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अनुशासन, कर्तव्य निष्ठा, दूसरों के प्रति सम्मान, देश व संविधान के प्रति श्रद्धा इन गुणों के विकास के लिए ही विद्यार्थी परिषद का निर्माण किया गया है। यह बच्चे ही एक दिन देश के सच्चे और अच्छे नागरिक बनकर देश का गौरव बढ़ाएंगे विद्यालय के पाठ सहगामी क्रियाकलापों में इन कप्तानों की अहम् भूमिका है। अंत में स्कूल कैप्टन अमरेंद्र सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए इस दायित्व को कर्तव्य निष्ठा के साथ संपादित करने की बात कही। इस अवसर पर स्कूल के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह से मिला

आई एम खान/
दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

बदायूं। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश सरकार के पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह से पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में भेंट कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने गुरुवार को प्रदेश सरकार के पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह से पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस बदायूं में भेंट कर व्यापारियों से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की।इस प्रतिनिधि

मंडल में व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिलाध्यक्ष कृष्ण देव चांडक, जिला महामंत्री यश मसीह, जिला संरक्षक मनोज मसीह, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष जे.के. सक्सेना, व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश मिश्रा, प्रदेश वरिष्ठ मंत्री विनोद गुप्ता, संतोष शर्मा आदि उपस्थित थे।

जायंट्स ग्रुप स्टार्स ने कैंडल जलाकर दिवंगत पर्यटकों को दी श्रद्धांजलि

आई एम खान/दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

बिसौली बदायूं। जायंट्स ग्रुप स्टार्स द्वारा पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के विरोध में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। ग्रुप के पूर्व सचिव

नितिन गुप्ता के प्रतिष्ठान पर आयोजित हुई सभा में कैंडल जलाकर दिवंगत पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी गई। इसके उपरांत कैंडल मार्च निकाला गया। सदस्यों ने पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाए। ग्रुप के सदस्यों ने इस जघन्य घटना पर गहरा रोष व्यक्त किया । इस अवसर पर यूनिट डायरेक्टर अनुपम वार्ष्णेय, अध्यक्ष साहू सावेन्द्र गुप्ता, सचिव हर्ष रस्तोगी, नितिन गुप्ता, निशांत गोयल, जितेन्द्र गुप्ता, मोहित गुप्ता, गौरव वार्ष्णेय आदि उपस्थित रहे।

नगर में होर्डिंग्स या विज्ञापन सामग्री लगाने से पहले पालिका प्रशासन से अनुमति अवश्य लें - अनूप राय

आई एम खान/दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

बिसौली बदायूं। नगर पालिका ने अवैध रूप से लगे होर्डिंग्स के खिलाफ एक बार फिर सख्त कार्रवाई की। नगर की सुंदरता को बनाए रखने और सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण रोकने के लिए ईओ अनूप राय के नेतृत्व में पालिका की टीम ने अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान नगर की

प्रमुख सड़कों, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों से दर्जनों बिना अनुमति लगे होल्डिंग्स को हटाया गया। इस दौरान ईओ अनूप राय ने साफ किया कि नगर में बिना अनुमति होर्डिंग्स लगाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वह किसी भी प्रकार की होल्डिंग्स या विज्ञापन सामग्री लगाने से पहले नगर पालिका से अनुमति अवश्य लें। इस दौरान पालिका लिपिक राजीव कुमार, खेमकरन, सजीउर्रहमान, हरिज्ञान, बबलू आदि उपस्थित रहे।

दहेज व बारात को खत्म किया जाए सुन्नत के मुताबिक निकाह किया जाए... अरमान सैफी

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो
शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

शेरकोट । नगर के समाजसेवी एवं कांग्रेस सोशल मीडिया सैल के जिलाध्यक्ष अरमान सैफी की शादी रामपुर जनपद के बिलासपुर निवासी गुरजार अहमद की बेटी जारा सैफी से मुस्लिम रीति रिवाज से बिना बरात व बिना दान दहज के समपन्न हुई । वही कांग्रेसी नेता अरमान सैफी का दावत ए वलीमा नगर के मन्नत बैंकेट हाल मे सम्पन्न हुआ। दावात ए वलीमे मे नगर के वरिष्ठ समाजसेवी एवं समाजवादी पार्टी युवजन सभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अदनान राईन, पूर्व आई ए स आर के सिंह, पूर्व मंत्री मूलचंद चौहान, कांग्रेस प्रदेश सचिव अनीस विशाल अंसारी, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग प्रदेश सचिव नासिर चौधरी, फुरकान महमूद अंसारी, मास्टर महफूज, वाली उल्लाह, समाजसेवी अफ़्शे फिरोज,कांग्रेस पूर्व जिला उपाध्यक्ष नजाकत अल्वी, सरफराज मालिक, पूर्व विधायक मुहम्मद गाजी, पूर्व चेयरमैन शेख कमरुल इस्लाम, ठाकुर संजय गहलोत, अंकुर जैन, अहसान जमिल, सुहैल डिजाइनर, अब्दुल हन्नान सिद्दीकी,अब्दुस समद आजाद, कांग्रेस नेता सज्जाद सिद्दीकी, जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक विभाग वसीम अकरम, मैराज सिद्दीकी, कांग्रेस बिजनौर शहर अध्यक्ष हुमायूं बैग, नौशाद अंसारी, हमजा फरीदी, वसी उर रहमान, नदीम खान, काजी शमीम, शाहनावाज अनीस, सहित जनपद भर के पत्रकारो समाजिक संगठन के लोगो एव राजनैतिक दलों के नेताओ तमाम गणमान्य व्यक्तियों सहित रिश्तेदारों ने बडी तादाद मे शिरकत कर दुल्हा समाजसेवी एवं कांग्रेस सोशल मीडिया सैल के मीडिया प्रभारी अरमान सैफी एव दुल्हन जारा सैफी को दुआड्ट से नवाजाखत्म किया जाए सुन्नत के मुताबिक निकाह किया जाए..अरमान

सैफी* शेरकोट । नगर के समाजसेवी एवं कांग्रेस सोशल मीडिया सैल के जिलाध्यक्ष अरमान सैफी की शादी रामपुर जनपद के बिलासपुर निवासी गुरजार अहमद की बेटी जारा सैफी से मुस्लिम रीति रिवाज से बिना बरात व बिना दान दहज के समपन्न हुई । वही कांग्रेसी नेता अरमान सैफी का दावत ए वलीमा नगर के मन्नत बैंकेट हाल मे सम्पन्न हुआ। दावात ए वलीमे मे नगर के वरिष्ठ समाजसेवी एवं समाजवादी पार्टी युवजन सभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अदनान राईन, पूर्व आई ए स आर के सिंह, पूर्व मंत्री मूलचंद चौहान, कांग्रेस प्रदेश सचिव अनीस विशाल अंसारी, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग प्रदेश सचिव नासिर चौधरी, फुरकान महमूद अंसारी, मास्टर महफूज, वाली उल्लाह, समाजसेवी अफ़्शे फिरोज,कांग्रेस पूर्व जिला उपाध्यक्ष नजाकत अल्वी, सरफराज मालिक, पूर्व विधायक मुहम्मद गाजी, पूर्व चेयरमैन शेख कमरुल इस्लाम, ठाकुर संजय गहलोत, अंकुर जैन, अहसान जमिल, सुहैल डिजाइनर, अब्दुल हन्नान सिद्दीकी,अब्दुस समद आजाद, कांग्रेस नेता सज्जाद सिद्दीकी, जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक विभाग वसीम अकरम, मैराज सिद्दीकी, कांग्रेस बिजनौर शहर अध्यक्ष हुमायूं बैग, नौशाद अंसारी, हमजा फरीदी, वसी उर रहमान, नदीम खान, काजी शमीम, शाहनावाज अनीस, सहित जनपद भर के पत्रकारो समाजिक संगठन के लोगो एव राजनैतिक दलों के नेताओ तमाम गणमान्य व्यक्तियों सहित रिश्तेदारों ने बडी तादाद मे शिरकत कर दुल्हा समाजसेवी एवं कांग्रेस सोशल मीडिया सैल के मीडिया प्रभारी अरमान सैफी एव दुल्हन जारा सैफी को दुआड्ट से नवाजा

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने पाकिस्तान और आतंकवाद का पुतला जलाया

दैनिक समाज जागरण
मुस्कान खान जनपद बिजनौर

नजीबाबाद भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने माल गोदाम पर चौराहे पर पाकिस्तान और आतंकवाद का पुतला जलाया जम्मू कश्मीर के पहलगाम में निहत्थे, निर्दोष पर्यटको को नाम व पहचान पूछ कर जान से मारने वाले आतंकियों एवं पाकिस्तान की शह पर काम करने वाले दुर्दान्त आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर आज जिला अध्यक्ष भाजपा अनुसूचित मोर्चा सुधीर कुमार भुईयार की अध्यक्षता एवं चौधरी ईशम सिंह के संचालन में एक शोक सभा का आयोजन किया गया जिसमें इस दुर्घटना में मृतक की दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतृप्त परिवार के लिए भगवान से प्रार्थना की गई बाद में सभी कार्यकर्ता एक जुलूस की शक्ल में लोक निर्माण विभाग के डाक बंगले से पैदल मार्च करते हुए माल गोदाम तिराहे पर पहुंचे जहां उन्होंने पाकिस्तान और आतंकवाद का पुतला दहन किया इस अवसर पर पूर्व प्रत्याशी भाजपा राजीव अग्रवाल ने कहा कि इस घटना से पूरे देश में आक्रोश है उन्होंने कहा कि हमारी सरकार को इन आतंकवादियों और पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए जिला अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा सुधीर कुमार भुईयार ने कहा कि सरकार ने अभी देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बड़े और कड़े निर्णय लिए हैं जिससे

पाकिस्तान के होश उड़ चुके हैं भारी मन से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए पार्टी के मंडल अध्यक्ष वरुण आत्रेय, नकुल अग्रवाल, कमल सैनी, राजकुमार प्रजापति, अरविंद विश्वकर्मा,चौ योगेंद्र सिंह, जिला मंत्री बलराज त्यागी, राजन टंडन गोल्डी, एडवोकेट संदीप कुमार, शोभित चौधरी, डॉ रितेश सेन, चौधरी ईशम सिंह, पूर्व ब्लाक प्रमुख अवधेश कुमार, दीपक वाल्मीकि, कृष्ण घाघट, अभिषेक यादव, गायत्री निराला, गीता राज, गोपीचंद, कपिल राजपूत, मयंक चौहान, अनिकेत कुमार, पूर्व अध्यक्ष मुकुल रंजन दीक्षित, आर्य वीरेंद्र शर्मा, राजकुमार प्रजापति,हरिओम जाटव, ऐश्वर्या एरन, अतुल रोहिल्ला, विवेक शर्मा, सतपाल सिंह पाल, जाहिद मलिक आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे

ट्रेन से कटकर युवक की मौत: डॉक्टर ने मृत घोषित किया

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

नगीना में दुर्ग याना एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान टांडा हिदायतपुर थाना अफजलगढ निवासी सचिन कुमार (32) के रूप में हुई है। घटना दोपहर 1:50 बजे की है। अमृतसर से हावड़ा

जा रही ट्रेन नंबर 12358 के खंभा नंबर 1475/26 डाउन लाइन पर पहुंचते ही यह हादसा हुआ।स्टेशन मास्टर की सूचना पर जीआरपी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों ने बताया कि सचिन दिमागी रूप से कमजोर था। पुलिस को प्राथमिक जांच में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह हादसा था या आत्महत्या। पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बिजनौर जिला अस्पताल भेज दिया है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान के बाद बिलख-बिलख कर रोने लगे। पुलिस मामले की जांच कर रही है और परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

चोरों ने दो बाइको कि चोरी को दिया अंजाम पुलिस जुटी जांच मे

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

बिजनौर/प्राप्त समाचार के अनुसार बिजनौर के थाना नहटौर क्षेत्र में चोरों का आतंक बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है आए दिन चोर छोटी बड़ी चोरी की घटनाओं को अंजाम देते रहते हैं और चोरों के हौसले बुलंद हो रहे हैं बता दे कि ग्राम पंचायत फूलसंदा में एक चौधरी फार्म हाउस है जहां पर चौधरी फार्म हाउस में से चोरों ने एक नहीं बल्कि दो दो बाइक की चोरी की घटनाओं का अंजाम दे डाला है बाइक चोरी होने से बारातियों में हड़कंप मच गया और बाइक स्वामी ने तत्काल 112 नंबर डायल किया और पुलिस को सूचना दी चौधरी फार्म हाउस पर डायल 112 नंबर पुलिस मौके पर पहुंची और 112 नंबर पुलिस जांच पड़ताल मैं जुट गई बता दे कि यह पूरा मामला जनपद बिजनौर के थाना नहटौर क्षेत्र के ग्राम फूलसंदा चौधरी फार्म हाउस का है। बताया जा रहा है। जो बाइक चोरी हुई थी। दोनों बाइक मिल गई है।

अरबी पढ़ने गई मासूम पर जानलेवा हमला पुलिस ने की गिरफ्तारी

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

बिजनौर। मौहल्ला बुखारा निवासी अमरुद्दीन पुत्र हसीनुद्दीन ने कोतवाली शहर थाने में तहरीर देकर बताया कि उसकी भतीजी मिस्बा रोज की तरह अरबी पढ़ने के लिए मौहल्ला चाहशी स्थित अबरार के घर गई थी। वहीं अबरार की पुत्री महजबी, जो मानसिक रूप से बीमार बताई जा रही है, ने अचानक मिस्बा पर जान से मारने की नीयत से चाकू और चिमटे से हमला कर दिया। इस हमले में मिस्बा गंभीर रूप से घायल हो

गई, जिसे उपचार हेतु मेरठ अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित परिवार की तहरीर पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अभियुक्ता महजबी पुत्री अबरार, निवासी मौहल्ला चाहशी, को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से चाकू, कैंची और स्टील का रक्तरंजित चिमटा बरामद किया है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक सत्येन्द्र मलिक, महिला उप निरीक्षक ममता, हेड कांस्टेबल अमित कुमार, कांस्टेबल संदीप व हेड कांस्टेबल संदीप शामिल रहे पुलिस द्वारा मामले की अग्रिम जांच व विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

आपरेशन जागृति के तहत पंचायत सहायक व सहायिकाओं को किया गया जागरूक

दैनिक समाज जागरण - अहोराम राजौरिया

अलीगढ़ : अपर पुलिस महानिदेशक, आगरा जोन के निदेर्शानुसार व यूनिसेफ द्वारा जोन स्तर पर चलाये जा रहे आपरेशन जागृति 4.0 के अन्तर्गत गुरूवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन व पुलिस अधीक्षक अपराध एवं नोडल अधिकारी अपरेशन जागृति ममता कुरील के नेतृत्व में जिला पंचायत राज अधिकारी मोहम्मद राशिद, यूनिसेफ के प्रतिनिधि मोहम्मद इमरान, थाना साइबर क्राइम, महिला एवं बाल सुरक्षा संरक्षण व नारकोटिक सेल द्वारा कलैक्ट्रेट सभागार में सभी ब्लॉकों के लगभग 125 पंचायत सहायक, सहायिकाओं की उपस्थिति में आपरेशन जागृति 4.0 के अन्तर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में अपराध की पीड़िताओं को सहायता एवं काउसलिंग, महिलाओं को मोहरा बनाकर झूठे मामले दर्ज कराना, एलोपमेंट, साइबर बुलिंग या साइबर अपराध, नशे के सेवन के दुष्प्रभाव व उपायों पर जागरूकता, पारिवारिक विघटन के मामलों में काउसलिंग व सहायता के सम्बन्ध में जागरूक करते हुए उपरोक्त विषयों पर उपस्थित सहायक एवं सहायिकाओं को अपने-अपने क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाये जाने के निर्देश दिए गए। साइबर क्राइम थाना टीम द्वारा उपस्थित समस्त कर्मियों को साइबर अपराध से बचाव के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध करायी गयी। पुलिस अधीक्षक अपराध ममता कुरील ने जिला पंचायत राज अधिकारी मोहम्मद राशिद को साइबर अपराध से बचाव के लिए ई-बुक सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचारित करने के लिए उपलब्ध करायी गयी। कार्यक्रम में साइबर अपराध से बचाव के लिए प्रचार सामग्री पम्पलेट, ब्रॉउसर भी वितरित किए गये।

सिनेमा हॉल मालिकों व प्रशासन को राष्ट्रीय सवर्ण परिषद की चेतावनी

दैनिक समाज जागरण - अहोराम राजौरिया

अलीगढ : राष्ट्रीय सवर्ण परिषद नें एसपी सिटी कार्यालय पहुंच कर नाराजगी जताई ओर सीधे सीधे चेतावनी दें डाली कि अगर ब्राह्मण विरोधी फिल्म फूले हरिगढ़ के किसी भी सिनेमा हॉल मै चली तों उसकी टूट फुट व अन्य घटनाओ की जिम्मेदारी सीधे सीधे प्रशासन व सिनेमा हॉल मालिकों की होंगी। इस फिल्म व इसके मेकर अनुराग कश्यप के ब्राह्मण विरोधी वयान ब्राह्मण पर मूतुंगा । इसी बयान बाजी को लेकर राष्ट्रीय सवर्ण परिषद पूर्व मै ही रोरावार थाना हरिगढ़ को ज्ञापन दें चूका है । जिस पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है । इसी के साथ राष्ट्रीय सवर्ण परिषद परिवार के कार्यकर्ताओ ने पहलगांव मै हुऐ हिदुओ के नरसंघार के लिए सांत्वना व्यस्त करते हुऐ कहा की सरकार जल्द से जल्द हमलावरो व उनके सरदारो को मृत्यु के घाट उतारे 27 के बदले 2700 सर चाहिए अगर सरकार नपुंशक है तों हमें खुली छूट दें ये संत समाज (सनातनी) इतना बलवान ओर शाहसी है की पुरे के पुरे आतंक को खत्म करने की ताकत रखता है, इसी मै आचार्य भरत तिवारी (राष्ट्रीय संघठन मंत्री- राष्ट्रीय सवर्ण परिषद) व सनातनी मनीष लवानिया जी नें कहा कि हमारा सनातन धर्म वो धर्म है जो इन्शान के क्रिया कर्म तक साथ नहीं छोड़ता। जिससे बैर किया उसे ढ़ेर भी किया है, ये आतंक व उनके सरजदो को जड़ से उखाड़ने का काम भी हमारा संघठन व समाज कर देगा अगर सरकार से कुछ नहीं होता तों, सनातनी मनीष लवानिया व अन्य लोगो नें कहा हमें समाज मै एकता बनाये रखनी होंगी जातीवाद को छोडके अलग हटकर इस युद्ध का हिस्सा बनना होगा इस मोके पर राष्ट्रीय सवर्ण परिषद परिवार से आचार्य भरत तिवारी (राष्ट्रीय संघठन मंत्री), सनातनी मनीष लवानिया, श्रीमती गौरी पाठक (प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा वेदप्रकाश शर्मा राष्ट्रीय महासचिव धनंजय पंडित सहसंयोजक बांके बिहारी जी महानगर अध्यक्ष राधे युवा उपाध्यक्ष मनोज कौशिक प्रदेश उपाध्यक्ष युवा पवन ठाकुर जिला उपाध्यक्ष विकास शर्मा महानगर उपाध्यक्ष राकेश शर्मा महानगर मंत्री प्रमोद गॉड जिला अध्यक्ष हरिगढ़ अंकित जादौन शिव जादौन सत्येंद्र सिंह जादौन आचार्य रिंकू शर्मा व अन्य लोग मौजूद रहे।

राष्ट्र निर्माण में लेखनी को माध्यम बनाएं विद्यार्थी

दैनिक समाज जागरण - अहोराम राजौरिया

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय के मानविकी संकाय एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में अतिथि व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। जिसमें सशक्त सोशल मीडिया से युवाओं में राष्ट्रीय स्वाभिमान का बोध विषय

पर व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार राज नारायण सिंह ने अपने प्रेरणादायक वक्तव्य में क्रांतिकारियों के जीवन संघर्ष और देशभक्ति की अनेक सच्ची घटनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को देश निर्माण में सहभागी बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि देश सेवा के लिए लेखनी सबसे अचूक हथियार हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे सोशल मीडिया का सदुपयोग करते हुए करियर के साथ लेखनी को भी देश निर्माण में अपना माध्यम बनाएं। उन्होंने अपनी स्वरचित कविताओं एवं रचनाओं से भी उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की रूपरेखा पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष डा. संतोष गौतम ने प्रस्तुत की। अतिथि का परिचय योगेश कौशिक ने कराया। व्याख्यान को विद्यार्थियों ने प्रेरणादायक एवं उपयोगी बताया। अतिथि को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। आभार व्यक्त डा. सोनी सिंह व संचालन वीर प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. सिद्धार्थ जैन, प्रो. प्रदीप कुमार, डा. अशोक उपाध्याय, डा. पूनम रानी, डा. दीपशिखा सक्सेना, डा. रोबिन वर्मा, मयंक जैन, याशिका गुप्ता आदि थे।

हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए आक्रोशित बाल्मीकि समाज ने सौंपा ज्ञापन

दैनिक समाज जागरण - अहोराम राजौरिया

अलीगढ़ : अचल सरोवर स्थित भगवान महर्षि वाल्मीकि जी के मंदिर पर वाल्मीकि समाज की मां बहन बेटियां बच्चे एकत्रित हुए उनमें बहुत आक्रोश था, कि अभी तक 12 दिन बीत जाने के बाद भी मुरारी वाल्मीकि के हत्यारे नहीं पकड़े गए इसको लेकर बहुत आक्रोसित प्रदर्शन कारी जलूस पूर्व कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव श्री श्योराज जीवन जी के नेत्तव में निकला जो रामलीला मैदान पर अ. उ. म. प्रथम एवं सीओ सिटी द्वितीय द्वारा ज्ञापन लेकर और आश्वासन देने के बाद समाप्त किया गया।

नगला कलार में मुरारी लाल वाल्मीकि जी की हत्या हुए 12 दिन बीत गए दो हत्यारे अभी तक फरार हैं, नामदर्ज हत्यारे पुलिस से अभी तक नहीं पकड़े गए हैं, यह पुलिस को अपराधियों का खुला चिनौती नहीं तो किया है, उक्त बातें श्योराज जीवन ने प्रदर्शन कारी जलूस को संबोधित करते हुए कहे।

महर्षि वाल्मीकि जी के मन्दिर से निकला प्रदर्शन कारी राम लीला मैदान पर पहुंच कर रास्ता जाम कर दिया उत्साहित वाल्मीकि युवाओं के जोश को देखते हुए पुलिस सहम गई पुलिस खामोश के साथ खड़ी हुई थी, पुलिस प्रशाशन के विरोध में जबर्दस्त नारे बाजी करते हुए वाल्मीकि समाज के सेंकडो युवा, माँ, बहन, बेटियां जबर्दस्त नारे बाजी कर रही थी।

बड़ी संख्या में थाना बन्ना देवी इंस्पेक्टर पंकज मिश्रा जी और गाँधी पार्क इंस्पेक्टर एस०पी० सिंह जी पुलिस दल बल के साथ मौजूद रहे।

*इस अबसर पर A.C.M. श्री अनिल कठेहरिया जी एवं C.O. द्वितीय श्री राजीव द्ववेदी जी पहुंचे जिनको ज्ञापन राजेश राज जीवन ने ज्ञापन पड़ कर सुनाया, और पूर्व राष्ट्रीय सचिव श्योराज जीवन जी एवं प्रमुख समाज सेवी श्री महेंद्र राठौर जी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विलसेंट जोयल जी, दुसरे सीनियर नेता श्री सागर सिंह तोमार जी, जिला पंचायत राज कर्मचारी संघ के जनरल सेक्रेटरी श्री राजेश पथिक जी, युवा क्रांतिकारी नेता श्री दीपक कुमार चौहान जी, श्री हरिकिशन चौहान जी, श्री नीरज कुमार राही जी, एवं महर्षि वाल्मीकि शोभायात्रा कमेटी की अध्यक्ष श्री सुनील कुमार चौहान जी ने ज्ञापन सोपा।

A.C.M. प्रथम श्री अनिल ठहरिया जी ने कहा कि आपने जो भी मांग पत्र दिया है तत्काल आज हम ऊट. सहाब से वार्ता करके तत्काल कार्यवाही करेंगे, और 72 घंटे से पहले आपकी समस्याओं का निदान कराएंगे। C.O. सिटी द्वितीय श्री राजीव द्विवेदी जी ने भी कहा की दो हत्यारे हमने गिरफ्तार कर जेल भेज दिये हैं, और अन्य हत्यारों को बहुत जल्दी आज कल में गिरफ्तार करके जेल भेज दिया जाएगा और इस मृतक परिवार के पूर्ण सुरक्षा प्रदान कि जायेगी।

इस अवसर पर मृतक मुरारी वाल्मीकि के भाई मनोज वाल्मीकि उनके चाचा श्री रामदास वाल्मीकि जी उनके बड़े साले श्री राजेंद्र स्वामी जी मुकेश वाल्मीकि जी श्री रवि वाल्मीकि जी, कुलदीप वाल्मीकि, रिंकू वाल्मीकि, मिलन जीवन, गौरव नार्वे, सोनू राज सर्रो आदि बड़ी संख्या में माँ बहन बेटियां मौजूद थे।

वृद्धावस्था पेंशन का सत्यापन प्रारंभ अपात्रों को नहीं मिलेगा लाभ

जीवित को मृतक दशार्ने वाले सत्यापनकर्ता अधिकारी-कर्मचारी पर होगी कड़ी कार्यवाही

अलीगढ़ : प्रदेश के मा0 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) समाज कल्याण श्री असीम अरुण ने कहा है कि प्रदेश की डबल इंजन की सरकार बुजुर्गों के सुरक्षा सम्मान और बेहतर स्वास्थ्य के लिए लगातार कार्य कर रही है। वृद्धावस्था पेंशन में मृतक एवं अपात्र पेंशनरों को सूची से बाहर कर उनके स्थान पर नए पात्र लाभार्थियों को पेंशन का लाभ दिए जाने के लिए अभियान संचालित किया जा रहा है।

मा0 मंत्री जी ने बताया कि बुजुर्गों को बेहतर जीवन देने के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना चलाई जा रही है। वास्तविक और पात्र लाभार्थियों तक ही योजना का लाभ पहुंच सके, इसके लिए नए वित्तीय वर्ष 2025-26 में पेंशन भुगतान के लिए सूची में शामिल लाभार्थियों के सत्यापन का कार्य शुरू कर दिया गया है। मुख्य सचिव के शासनादेश के द्वारा सभी कमिश्नर और डीएम को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिसके अंतर्गत वृद्धावस्था पेंशन के जिला अलीगढ़ के 66,662 पेंशनरों व सत्यापन 25 मई तक किया जाएगा। मृतक एवं अपात्र पाए गए पेंशनरों को सूची से हटाकर उनकी जगह नए पात्र लाभार्थियों को लाभांवित किया जाएगा।

जिला समाज कल्याण अधिकारी संध्या रानी बघेल ने पात्रता की जानकारी देते हुए बताया कि विभाग की ओर से 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के बीपीएल आय सीमा के अंतर्गत वृद्धजनों को प्रतिमाह 1000 रुपये की पेंशन डीबीटी के माध्यम से तिमाही प्रदान की जाती है। इसके अंतर्गत उत्तर प्रदेश का निवासी होना जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्र के आवेदक की वार्षिक आय 46080 रुपये और शहरी क्षेत्र में वार्षिक आय 56460 रुपये से कम होनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्र में बीडीओ के माध्यम से और शहरी क्षेत्र में उपजिलाधिकारी के माध्यम से सत्यापन कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा गलत सत्यापन पर दंडात्मक कार्रवाही का भी प्राविधान किया गया है। निदेशक समाज कल्याण विभाग द्वारा सभी उप निदेशक एवं समाज कल्याण अधिकारियों को 10 प्रतिशत पेंशनरों का क्रॉस वेरिफिकेशन करते हुए सत्यापन की गुणवत्ता का परीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। जिसके आधार पर जीवित पेंशनर्स को मृतक दर्शाए जाने वाले सत्यापनकर्ता अधिकारी और कर्मचारी के विरूद्ध जिलाधिकारी द्वारा दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। विभागीय अधिकारियों द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सत्यापन समयबद्ध और गुणवत्तापरक हो।उन्होंने बताया कि जीरो पावर्टी अभियान के अंतर्गत प्रदेश सरकार द्वारा हर गांव से 25 परिवार चिन्हित किए गए हैं, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं, जिसमें जिले के 1885 वृद्धजन चिन्हित किये गये हैं। इन परिवारों को समाज की मुख्य की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए समाज कल्याण विभाग ने कार्यवाही शुरू कर दी है।

जेहादियों का व्यक्तिगत बहिष्कार जरूरी : अभाविप

अलीगढ़ : जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला एक बार फिर हमें बहुत बड़ी हानि देकर गया मारे गये लोगों के परिवार और सरकार के साथ खड़ा होना हमारी एक नैतिक जिम्मेदारी है

धर्म पूछ पूछ कर मारना हमारे धर्म के लिए फिर एक बार बड़ी चुनौती है हम जब भी हिन्दुत्व के नाम पर एक जुट होने की बात करते हैं तो सबसे पहले विरोध के स्वर अपने धर्म के लोगों के बीच में से ही उठने शुरू हो जाते हैं ।भी धार्मिक संगठन हिन्दुओं को जागरूक करने के लिए और एकजुट होकर रहने के लिए लगातार प्रयासरत हैं इसमे सबसे बड़ी भूमिका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके सभी अनुसांगिक संगठन पिछले 100 वर्षों से निभा रहे हैं

हमारी सुरक्षा एजेंसियां आखिर पहले से क्यूँ हमले की आशंका को नहीं समझ पातीं और हमला होने के 24 घंटे के अंदर सारी हमले की सारी जानकारियां आ जाती हैं सरकार हमला होने के बाद पाकिस्तान से सभी रिश्ते तोड़ देती है और कुछ समय बीतने के बाद फिर सब सामान्य हो जाता है ये रिश्ते हमेशा के लिए एक बार में ही खत्म हो जाने चाहिये

ये निश्चित है कि भारत सरकार बदला लेने के लिए पाकिस्तान में पल रहे आतंक पर स्ट्राइक करेगी

लेकिन यही स्ट्राइक जैसे ही आतंकियों के अड्डे सीमा पर बनाये जाते हैं तभी समय समय पर होती रहे तो ऐसे हमलों से बचा जा सकता है इसमे सबसे बड़ी जिम्मेदारी हम आम लोगों की है । इन जेहादियों का बहिष्कार अगर हम अपने देश में कर दें तो ये भीख मांगने पर मजबूर हो जायेंगे।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में मशाल पदयात्रा व कैंडल मार्च"

दैनिक समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद! गरुवार को कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के विरोध में आज भारतीय जनता पार्टी महानगर फिरोजाबाद द्वारा सतीश दिवाकर व युवा मोर्चा के अध्यक्ष अंकित तिवारी के नेतृत्व में पहलगाम में हुए नृशंस आतंकी हमले में शहीद हुए पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु एक भावपूर्ण मशाल जुलुस एवम कैंडल मार्च गाँधी पार्क से सायं 6:30 बजे से प्रारंभ हुआ सुभाष चौराहे पर जाकर समाप्त हुआ।

इस दौरान महानगर अध्यक्ष डॉ सतीश दिवाकर व वरिष्ठ नेता नानक चन्द्र अग्रवाल ने कहा कि हम आतंकवाद की कड़ी निंदा करते हैं , पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए पर्यटकों को भावपूर्ण को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस दौरान प्रमुख रूप से डॉ अमित गुप्ता जिला प्रवक्ता / मीडिया प्रभारी , पूर्व महानगर अध्यक्ष राकेश शंखवार , कन्हैयालाल लाल गुप्ता , सत्य वीर गुप्ता ,आनन्द अग्रवाल , शैलेन्द्र गुप्ता शालू , दीपक गुप्ता कालू , आकाश गुप्ता , अनुपमा शर्मा , देश दीपक राजा , रवींद्र शर्मा , विवेक अग्रवाल , रामलड़ैती , अवनीश कुशवाह , गौतम कुशवाह , लायक सिंह शंखवार , प्रचीर सेठ , सत्यवीर गुर्जर , राजेश झा , ध्रुव गुप्ता , राहुल शर्मा , हिमान्शु शर्मा , पिंकी चक , सतीश चंद्र प्रजापति, आकृति सहयोगी , मालती धनगर , कैलाश बाबू ओझा , अर्चित गुप्ता सहित बडी संख्या में कार्यकर्ता बन्धु उपस्थित थे।।

पुलिस ने मुठभेड़ में दो हिस्ट्रीशीटर पकड़े, गोली लगने से एक घायल

दैनिक समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। थाना सिरसागंज पुलिस ने दो हिस्ट्रीशीटर को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। उनके पास से असलाह व बाइक बरामद की है। एक अभियुक्त के पैर में गोली लग गई। उसे अस्पताल में भर्ती किया गया है।

पुलिस की बदमाशो से कोरारा रोड अमर कोल्ड स्टोर पर के समीप मुठभेड़ हुई। पुलिस को मोटर साइकिल पर सवार दो संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखाई दिये। पुलिस कर्मियों ने उन्हें रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर वह भागने लगे। हड़बड़ाहट में भागते समय उसकी मोटर साइकिल फिसलकर गिर गई। खुद को घिरता हुआ देख उन्होंने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। पुलिस की जवाबी कार्यवाही में एक संदिग्ध व्यक्ति के पैर में गोली लग गई। जिससे वह घायल हो गिर पड़ा। । पुलिस ने एक व्यक्ति को घायल अवस्था में व एक अन्य संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने इनको पकड़ा

फिरोजाबाद। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान देवेश उर्फ दीपू जाटव पुत्र प्रेम सिंह उर्फ प्रेमचन्द्र तथा लोकेश उर्फ रॉकी उर्फ टोनी सिंह पुत्र दिनेश चन्द्र सीकरवार निवासी नगला नन्दे थाना सिरसागंज को पकड़ा है। दीपू के और में गोली लगी है।

अभियुक्तों से यह सामान मिला

फिरोजाबाद। पुलिस ने अभियुक्तो के पास से एक मोटरसाइकिल, दो तमंचा 315 बोर, दो जिंदा कारतूस 315 बोर, तीन खोखा कारतूस 315 बोर, एक मोबाइल फोन बरामद किया है।

इन्होंने निभाई अहम भूमिका

फिरोजाबाद। अभियुक्तों को पकड़ने में थानाध्यक्ष वैभव कुमार सिंह, उप निरीक्षक अशोक कुमार, उप निरीक्षक राज नारायण, उप निरीक्षक भैया लाल, हेड कांस्टेबल शिव शंकर, हैड कांस्टेबिल पवन कुमार, हैड कांस्टेबिल अशोक चौधरी, हैड कांस्टेबिल अनिल कुमार, हैड कांस्टेबिल राजकुमार कांस्टेबिल अवलाख सिहं, सागर सरोहा, अजय दुबे, अमित सिंह ने अहम भूमिका निभाई।

सेवानिवृत्ति पर प्रोफेसर निशा अग्रवाल और मान सिंह को किया सम्मानित!

दैनिक समाज जागरण

फिरोजाबाद! दाऊ दयाल महिला महाविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्षा प्रो०निशा अग्रवाल एवं शिक्षणेत्तर वर्ग से मान सिंह को उनकी सेवानिवृत्ति पर स्मृति चिह्न एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदे की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया तत्पश्चात सरस्वती वंदना एवं स्वागत गान के साथ कार्यक्रम को गति प्रदान की गई। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर रेनू वर्मा ने अपने उद्बोधन में प्रोफेसर निशा के लंबे कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए उनके व्यक्तित्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रम की संयोजिका प्रोफेसर विनीता गुप्ता ने उनके साथ बिताए हुए विगत 25 वर्षों की यात्रा के दौरान खट्टे-मीठे पलों को साझा किया। विभागीय सदस्य प्रोफेसर रंजना राजपूत डॉ शालिनी सिंह डॉक्टर निधि गुप्ता इंद्रपाल सिंह ने व्यक्तिगत रूप से स्मृति चिन्ह एवं माल्यार्पण कर अपने उद्गार व्यक्त किए।

प्रो०विनीता यादव,प्रो०प्रेमलता डॉ इंद्रा रानी गुप्ता, डॉ ममता अग्रवाल, डॉ सरिता रानी, डॉ शालिनी मिश्रा, विनीता सिंह,श्री शंभू दयाल,शब्बीर उमर आदि ने शब्द पुष्प अर्पित कर अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति दी साथ ही संगीत विभाग की अध्यक्षा डॉ रूमा चटर्जी और डॉ स्नेहलता शर्मा ने जिंदगी के सफर में गुजर जाते हैं जो मुकाम वो फिर नहीं आते और अभी न जाओ छोड़ कर ये दिल अभी भरा नहीं आदि विदाई गीत की मोहक प्रस्तुति से सभागार झूम उठा। डॉ अंजू गोयल ने आज विदाई की बेला में, वंदन करते बारंबार।

जीवन के नूतन पड़ाव पर आएं खुशियों के त्यौहार।। स्वरचित गीत पढ़कर शब्द पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर माधवी सिंह ने किया।

इस अवसर पर डॉक्टर छाया बाजपेई डॉक्टर नम्रता निश्चल त्रिपाठी ,डॉ गरिमा सिंह, डॉ शारदा सिंह ,डॉ पूजा सिंह, शिवानी अग्रवाल, विकास वार्ष्णेय,धीरज मिश्रा सहित समस्त महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

जिलाधिकारी के निर्देश पर उप जिलाधिकारीयों की टीम द्वारा पीडब्ल्यूडी द्वारा निर्मित सड़कों की गुणवत्ता का किया निरीक्षण।

यदि सड़क मानक के अनुसार नहीं पाई गई तो होगी सख्त कार्यवाही

दैनिक समाज जागरण

फिरोजाबाद! जिलाधिकारी रमेश रंजन के निर्देश पर समस्त उप जिलाधिकारीयों द्वारा पीडब्ल्यूडी द्वारा निर्मित की गई सड़कों का निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है, सड़के मानक के अनुसार बनी है या नहीं बनी है उप जिलाधिकारी इस बात की रिपोर्ट जिलाधिकारी को प्रेषित करेंगे, जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है, कि कहीं भी पीडब्ल्यूडी द्वारा निर्मित सड़कों की गुणवत्ता यदि खराब पाई जाएगी, तो संबंधित पीडब्ल्यूडी के अधिकारी पर कठोर कार्रवाई की जाएगी, जिलाधिकारी के निर्देश द्वारा उप जिलाधिकारियों द्वारा सर्वप्रथम यह जांच की गई, की कार्य समय से पूर्ण हुआ है अथवा नहीं डी०पी०आर० में जो निर्धारित लंबाई थी, वह है या नहीं इसके अलावा सड़क की समान स्थिति क्या है, सड़क उबड-खाबड़ तो नहीं, किनारे टूटे-फटे तो नहीं है, अगर किनारे कटे-फटे हैं तो उन्हें सही कराये, इसके अलावा साथ में मौजूद टेक्निकल टीम ने सड़क की गुणवत्ता की परख

वृद्धा को नहीं मिला उपचार निजी अस्पताल में जाने को हुई मजबूर

दैनिक समाज जागरण

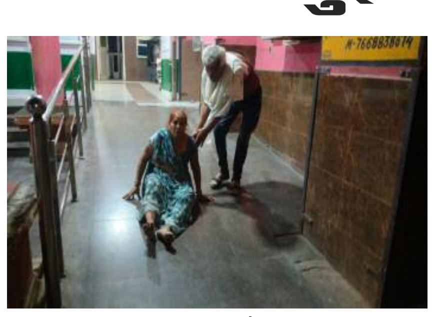

फिरोजाबाद! प्रदेश सरकार एक और स्वास्थ्य सेवाओं को सुद्रढ बनाने के लिए समय समय पर फरमान जारी कर रही है प्रदेश के मुख्यमंत्री चिकित्सालय पहुंचे रोगी को दूसरी जगह रेफर नही करने के लिए फरमान जारी कर रहे हैं! लेकिन उनके इन फरमानों का स्वशासन राज्य चिकित्सा महाविद्यालय से जुड़े सरकारी ट्रामा सेंटर में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मी और चिकित्सक पर कोई असर नहीं पड़ रहा है इसका उदाहरण सरकारी ट्रामा सेंटर में उसे समय देखने को मिला जब बुधवार की रात एक वृद्ध महिला जिसके पैर की हड्डी टूट गई थी वह अपना इलाज कराने के लिए ट्रामा सेंटर आई परंतु यहां उसे रिक्शा से उतरवाने और अंदर ले जाने के लिए कोई वार्ड बॉय नहीं मिला महिला सरकती हुई ट्रामा सेंटर के अंदर आई जहां ड्यूटी पर तैनात स्वास्थ्य कर्मियों ने मात्र इंजेक्शन लगाकर यह कहकर छुट्टी कर दी कि गुरुवार को जिला अस्पताल में जाकर दिखाना वृद्ध महिला दर्द से कराहती हुई एक निजी अस्पताल में जाने के लिए मजबूर हो गई!

थाना उत्तर के नगला पान सहाय निवासी 62 वर्षीय सोमवती पत्नी तहसीलदार की गिरने से पैर की हड्डी टूट गई थी! परिजन उसे उपचार के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आए जहां वृद्धा को उपचार देना तो दूर रहा किसी ने उसे सही ढंग से भी नहीं देखा मात्र इंजेक्शन लगाकर काम की इतिश्री पूर्ण कर ली और कहा और गुरुवार को जिला अस्पताल पहुंचकर दिखाना इससे वृद्धा और उसके परिजन ड्यूटी पर तैनात स्वास्थ्य कर्मियों को खोसते हुए निजी अस्पताल जाने को मजबूर हो गए गौर तलब है सरकारी ट्रामा सेंटर में इस प्रकार का कोई नया मामला नहीं है! आए दिन रोगियों के साथ इसी प्रकार का व्यवहार देखने को मिलता है जिससे रोगी और उसके की तीमारदार दुखी है उनका कहना है कि मेडिकल कॉलेज बनने के बाद भी रोगियों को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है इससे तो जिला अस्पताल बेहतर था!

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना में जिलाधिकारी ने दिए बैंकों को सख्त निर्देश, अपने यहां लंबित आवेदनों का करें शीघ्र निस्तारण।

दैनिक समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद! जिलाधिकारी रमेश रंजन के निर्देश पर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की समीक्षा हेतु 29 नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जिसमें हर अधिकारी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है, कि वह जिले में स्थापित बैंकों में जाकर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना की क्या प्रगति है, उसकी रिपोर्ट लें, जिससे इस योजना में गति लाई जा सके और ज्यादा से ज्यादा युवाओं को इसका लाभ दिलाया जा सके, जिलाधिकारी ने अधिकारियों के निरीक्षण के उपरांत उन बैंकों को सख्त चेतावनी जारी की है, जहां पर इस योजना से संबंधित प्रगति कम पाई गई है, जैसे कि ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स में 6 आवेदन आये परंतु छह के छह आवेदन लंबित पाए गए, इसी तरह इंडियन बैंक में तीन आवेदन आए परंतु तीन के तीन लंबित पाए गए, इसी तरह जिन बैंकों में आवेदन लंबित है, जिलाधिकारी ने उन बैंकर्स के लिए सख्त शब्दों में यह निर्देश जारी किये है कि यह सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिससे इस योजना से युवाओं को रोजगार युक्त बनाने का संकल्प है, इसमें किसी भी बैंक की तरफ से यदि लापरवाही पाई जाती है, तो उसे पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

उपायुक्त उद्योग संध्या ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में केनरा बैंक द्वारा 220 आवेदन पत्रों के सापेक्ष मात्र 14 लाभार्थियों को ऋण वितरित किया गया है, वित्तीय वर्ष 2025- 26 में 69 आवेदन लंबित है, मात्र 6 आवेदन स्वीकृत किए गए, तथा चार आवेदन ऋण वितरित किया गया, इंडियन बैंक द्वारा भी सहयोग नहीं किया जा रहा है, उन्होंने यह भी बताया कि बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा विगत वित्तीय वर्ष में सबसे ज्यादा आवेदन पत्र निरस्त किए गए तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 में 12 आवेदन पत्रों की सापेक्ष मात्र एक लाभार्थी को ऋण वितरित किया गया।

मिशनशक्ति अभियान के तहत पुलिस द्वारा प्रतिदिन चलाया जा रहा महिला जागरूकता व सशक्तिकरण अभियान

दैनिक समाज जागरण/ शिव प्रताप सिंह

सोनभद्र। शासन द्वारा बालिकाओं/महिलाओं की सुरक्षा व महिला जागरूकता एवं सशक्तिकरण के दृष्टिगत चलाये जा रहे मिशन शक्ति (फेज-05) अभियान के तहत अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में महिलाओं/बालिकाओं की सुरक्षार्थ जनपद में गठित एण्टी रोमियों स्क्वाड द्वारा प्रतिदिन मंदिर/भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर गश्त कर बालिकाओं/महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा के सम्बन्ध में जागरूक एवं चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उक्त निर्देश के क्रम में नारी सुरक्षा व नारी सम्मान हेतु चलाये जा रहे मिशन-शक्ति अभियान के अन्तर्गत जनपद के समस्त थानों मे गठित एण्टी रोमियो स्क्वाड टीम द्वारा स्कूलों/कॉलेजों, मंदिर/भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर चेकिंग की गई तथा बालिकाओं/महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक किया गया तथा उपस्थित महिलाओं/बालिकाओं/छात्राओं को यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे- वुमेन

पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108 एवं अपने अपने सीयूजी नम्बरों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया। साथ ही साथ यह भी बताया गया कि अपने आस-पास के लोगों को साइबर अपराधों के बारे में जागरुक करें और उन्हें बतायें कि यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है तो उसकी सूचना तत्काल हेल्पलाइन नम्बर 1930/112 पर दें जिससे समय रहते ही अग्रिम कार्रवाई की जा सके।

पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रतिदिन की भांति जनता एव फरियादियों की सुनी गई समस्याएं।

दैनिक समाज जागरण/ शिव प्रताप सिंह।

सोनभद्र। प्रतिदिन की भांति की जा रही जनसुनवाई के क्रम में आज दिनांक-24.04.2025 को अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया। महोदय द्वारा सभी थाना प्रभारियों को सचेत किया गया कि जनसुनवाई/महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित/

शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से अपने थाने से पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो। साथ ही निर्देशित किया गया कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण व थाना प्रभारियों द्वारा कार्यालय/थाना पर जनसुनवाई करते हुए प्राप्त जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया।

कार्यकाल समाप्ति पर अकादमिक रिसोर्स पर्सन का हुआ सम्मान--- पांचों एआरपी हुए सम्मानित

अरुण पाण्डेय / संवाददाता घोरावल। समाज जागरण

घोरावल/ सोनभद्र। ब्लाक संसाधन केन्द्र घोरावल के सभागार में एआरपी के लिए सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। उत्तर प्रदेश सरकार ने विद्यालयों में शैक्षणिक ब्यवस्था के सृजन हेतु शिक्षकों कै हैन्डहोल्डिंग सपोर्ट प्रदान करने के उद्देश्य से प्रत्येक ब्लाक में पांच एआरपी का चयन हुआ था। आज से पांच वर्ष पूर्व उन्होंने मिशन प्रेरणा को धरातल पर उतारने हेतु अथक परिश्रम कर, विद्यालयों को निपुण बनाने में अपना योगदान प्रदान किया।मार्च

में उनका कार्यकाल समाप्त हो गया, उनके योगदान, परिश्रम आदि को याद करते हुए संकुल शिक्षकों ने खण्ड शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया।कार्यक्रम का प्रारम्भ मां वीणापाणि की वंदना और स्वागत गीत से हुआ। सभी संकुल साथियों ने एआरपी के द्वारा दिये गये योगदान को अपने अनुभव के द्वारा शेयर किया।खण्ड शिक्षा अधिकारी ने अपने उद्बोधन में इनके कार्यकाल की सराहना करते हुए बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जब कोई एआरपी बनने को तैयार नहीं था तब आप लोग आगे आये और कोरोनाकाल में आप सभी ने जबर्दस्त मेहनत से विभागीय योजनाओं व बच्चों के सीखने के स्तर को बढाया। अब आप सभी अपने विद्यालय को एक बेहतर दिशा देते हुए सभी का सहयोग करते रहें।संकुल शिक्षकों ने सभी एआरपी दीनबन्धु त्रिपाठी, अखिलेश सिंह, धर्मराज सिंह, अविनाश शुक्ला व मिथिलेश द्विवेदी को। सम्मान पत्र, स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र प्रदान कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर संकुल शिक्षकों के साथ साथ, उपस्थित रहे कौशरजहाँ, अमृता सिंह, राजेश, कपिल, प्रवीण, राजवेन्द्र, दिनेश मिश्रा, संजय मिश्रा, बिनोद कुमार आदि उपस्थित रहे।

नाबालिक लड़की के साथ शारीरिक शोषण करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार।

दैनिक समाज जागरण/ शिव प्रताप सिंह।

पिपरी/ सोनभद्र। दिनांक 23.04.2025 को थाना पिपरी पर आवेदिका मालती देवी पत्नी गणेश राम जाति चमार निवासिनी वार्ड नंबर 04 शहीद भगत सिंह नगर रेणुकूट थाना पिपरी जनपद सोनभद्र द्वारा लिखित सूचना दी कि उसकी बड़ी बेटी की नाबालिग लड़की जो करीब 4 महीने से आवेदिका के साथ रह रही थी। आज दिनांक 23.4.2025 समय करीब 16:00 बजे आवेदिका की नातिन नहीं दिखाई दी तो उसे आवेदिका व उसकी बेटी तलाश करने लगे तभी पास के ही मकान विनोद साब उर्फ मुन्ना के कमरे में रोने की आवाज सुनाई दी, जिस पर आवेदिका आदि जाकर दरवाजा खटखटाने लगे तो उसके अंदर से मंजर खान पुत्र कलाम खान निवासी वार्ड नंबर 04 शहीद भगत सिंह रेणुकूट दर्जी मार्केट थाना पिपरी जनपद सोनभद्र अस्त-व्यस्त कपड़ों को सही करते हुए घबराया हुआ

दरवाजा खोलकर भागने लगा आवेदिका व उसकी बिटिया अंदर जाकर देखा तो आवेदिका की नातिन बिना कपड़े के नग्न अवस्था में पड़ी रो रही थी, पूछने पर उसके द्वारा बताया कि मंजर उपरोक्त ने उसकी मुंह दबाकर उसके साथ गलत काम किया है। उक्त तहरीर के आधार पर दिनांक 23.04.2025 को थाना पिपरी पर मु0अ0सं0-65/2025 धारा 65(2) बीएनएस 5(ट)/6 पाक्सो एक्ट व 3(2)श एससी/एसटी एक्ट में अभियोग पंजीकृत कर तत्काल पुलिस टीम लगा कर अभियुक्त उपरोक्त को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त मंजर खान उपरोक्त से घटना के समय पहने कपड़े के बारे में कड़ाई से पुछा गया तो आज दिनांक 24.04.2025 को सुबह बताया कि घटना के समय पहने कपड़े को ग्राम खाड़पातर जंगल में फेक दिया है, कपड़े की बरामदगी के लिए प्रभारी निरीक्षक पिपरी मय पुलिस बल के द्वारा पहने कपड़े को बरामद कर वापस आते समय अभियुक्त मंजर खान उपरोक्त द्वारा मौका देख पुलिसकर्मी महेश सरोज से रायफल छीन कर भागने के प्रयास में पुलिस पर हमलावर हो गया, जिसमें पुलिस आत्मरक्षार्थ करते समय मुठभेड़ में अभियुक्त मंजर खान उपरोक्त के बांये पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे गिरफ्तार कर इलाज हेतु सीएचसी म्योरपुर में भर्ती कराया गया है। अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अवैध अस्पतालों का संचालन जोरों पर, जांच में नहीं मिला कोई वैध कागजात।

ब्यूरो चीफ सोनभद्र/ दैनिक समाज जागरण।

सोनभद्र। सोनभद्र में स्वास्थ्य विभाग की मेहरबानी से अवैध अस्पतालों का संचालन जारी है। स्वास्थ्य विभाग का एक संविदा कर्मी एजेंट बनकर इन अवैध अस्पतालों के संचालन में मदद कर रहा है। ओबरा तहसील के चोपन नगर में अउटड गुलाब शंकर यादव ने तीन अस्पतालों का निरीक्षण किया। इनमें हेल्थ केयर हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर, निषाद राज हॉस्पिटल और जन सहायता हॉस्पिटल शामिल हैं। तीनों अस्पतालों के संचालक रजिस्ट्रेशन होने का दावा तो कर रहे हैं, लेकिन जांच के दौरान कोई भी अस्पताल संचालक रजिस्ट्रेशन से जुड़े जरूरी दस्तावेज पेश नहीं कर पाया। विशेषज्ञों का कहना है कि वैध अस्पताल अपना रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट फ्रेम करके कार्यालय में लगाते हैं। ऐसे में दस्तावेज न मिलने का बहाना स्वीकार नहीं किया जा सकता। अउटड का कहना है कि उन्होंने 10 अप्रैल को पदभार संभाला है और अभी कई महत्वपूर्ण कागजातों की जांच बाकी है। कई शिकायतों के बाद स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई शुरू की है। अगर समय रहते कड़ी कार्रवाई नहीं की गई तो

यह स्पष्ट हो जाएगा कि विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से ये अवैध अस्पताल चल रहे हैं। कई शिकायतों के बाद भी स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई धीमी है। निषाद राज अस्पताल में कोई एमबीबीएस डॉक्टर मौजूद नहीं मिला। एसीएमओ ने स्पष्ट किया कि अस्पताल में फुल टाइम एमबीबीएस डॉक्टर का होना अनिवार्य है। हेल्थ केयर नामक अस्पताल की स्थिति और भी चिंताजनक पाई गई। अस्पताल के पास न तो फायर एनओसी है, न पर्यावरण एनओसी और न ही सीपीसी, संचालक द्वारा दिखाए गए रजिस्ट्रेशन पेपर में हस्ताक्षर भी नहीं थे। अस्पताल अपने आप को ट्रामा सेंटर कहता है, लेकिन नियमानुसार आवश्यक डॉक्टर कभी मौजूद नहीं रहते। जन सेवा हॉस्पिटल की स्थिति भी संतोषजनक नहीं मिली। जांच के दौरान न तो कोई डॉक्टर मिला और न ही रजिस्ट्रेशन के कागजात दिखाए जा सके। एसीएमओ ने सभी तीनों अस्पतालों को तीन दिन का समय दिया है। यदि इस अवधि में वैध कागजात नहीं दिखाए गए तो न केवल कार्रवाई होगी, बल्कि भविष्य में भी इन अस्पतालों का रजिस्ट्रेशन भी नहीं किया जाएगा। एक गंभीर मामला गड़ईडीह के एक मरीज का सामने आया है। हेल्थ केयर एंड ट्रामा सेंटर में गलत इलाज से उनका हाथ इतना खराब हो गया कि काटने की नौबत आ गई थी। अस्पताल प्रबंधन ने शिकायत न करने की शर्त पर मुफ्त इलाज की पेशकश की थी। तो वही सूत्रों की माने तो निषाद राज अस्पताल का संचालन करने की अनुमति स्वास्थ्य विभाग से जुगैल थाना क्षेत्र के खरहरा के लिए लाया गया है। जबकि खरहरा और चोपन थाना क्षेत्र के हॉस्पिटल रोड पर बिना सुरक्षा के मानक पूरे किये दोनो जगहों पर अस्पताल का संचालन विभाग की मिलीभगत से हो रहा है अब देखना है कि स्वास्थ्य विभाग कार्यवाही करता है कि केवल खाना पूर्ति करके यू ही दिखावा करता है।

"शुभम सात्विकम" नृत्य कार्यशाला ओबरा में

शिव प्रताप सिंह/ समाज जागरण।

ओबरा/ सोनभद्र। आपके अपने शहर ओबरा में नृत्य कला को समर्पित रुचिर डांस इंस्टीट्यूट एक शानदार अवसर लेकर आया है। संस्थान द्वारा "शुभम सात्विकम" नामक एक विशेष नृत्य कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, जो नृत्य प्रेमियों के लिए एक अनुपम अनुभव साबित होगी।इस कार्यशाला में आपको नृत्य की बारीकियों से अवगत कराने के लिए लखनऊ से पधार

रही हैं सुप्रसिद्ध "कथक एवं लोक नृत्य शिक्षिका" श्रीमती ज्योति किरण रतन नृत्य जगत में एक प्रतिष्ठित नाम हैं और उनका ओबरा आगमन निश्चित रूप से नगर के कला प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने महिलाओं के लिए ढाई हजार से अधिक और बच्चों के लिए चार हजार कार्यशालाएं आयोजित की हैं, जो उनकी नृत्य शिक्षा के प्रति समर्पण और अनुभव का प्रमाण है। इस कार्यशाला में श्रीमती रुचि गोपाल भी अपना मार्गदर्शन प्रदान करेंगी। श्रीमती रुचि गोपाल भरतनाट्यम की एक कुशल नृत्यांगना और शिक्षिका हैं। उन्होंने राजस्थान के "द सागर स्कूल", झांसी के रानी लक्ष्मीबाई पब्लिक स्कूल, लखनऊ के मीमेट्स म्यूजिक कॉलेज, दिल्ली के स्प्रिंग मेडोज स्कूल, चोपन के केंद्रीय विद्यालय और ओबरा के सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट स्कूल जैसे प्रतिष्ठित विद्यालयों में नृत्य का प्रशिक्षण दिया है। वर्तमान में वह स्वयं का नृत्य संस्थान "रुचिर नृत्य संस्थान" सफलता पूर्वक चला रही हैं। श्रीमती रुचि गोपाल न केवल एक निपुण नृत्यांगना हैं, बल्कि एक प्रतिभाशाली कवयित्री और कहानीकार भी हैं। उनकी एकल पुस्तक "अनुभूति" कहानियों और कविताओं का एक संग्रह है, जो प्रकाशित हो चुका है। इसके अतिरिक्त, उनकी रचनाएं कई साझा संग्रहों - बज्मे हिंद, मातृ एवं पितृ काव्य संग्रह, नारी नारायणी, और पहले प्यार की पहली खुश्बू में भी प्रकाशित हुई हैं।

सिविल बार एसोसिएशन दुद्धी का शपथ ग्रहण सम्पन्न

- सांसद ने सिविल बार को एक सभागार देने का दिया आश्वासन

समाज जागरण.

दुद्धी/ सोनभद्र। दुद्धी में वृहस्पतिवार को सिविल बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली. समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद छोटेलाल खरवार उपस्थित रहे.जबकि अध्यक्षता बार काउंसिल ऑफ यूपी के सदस्य विनोद कुमार पांडेय एवं बतौर विशिष्ट अतिथि चेयरमैन कमलेश मोहन मौजूद रहे.नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के अध्यक्ष प्रभु सिंह कुशवाहा को विनोद कुमार पांडेय ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई. उपाध्यक्ष मनोज मिश्रा व अंजनी सिंह तथा सचिव महेन्द्र जायसवाल को नागेंद्र नाथ श्रीवास्तव ईल्डर कमेटी चेयरमैन ने शपथ दिलाई. कनिष्ठ उपाध्यक्ष सुभेष कुमार मौर्य को छोटेलाल गुप्त इल्डर कमेटी सदस्य व कोषाध्यक्ष आशीष कुमार गुप्ता को संतोष कुमार अग्रहरि ईल्डर कमेटी सदस्य ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई. सहसचिव प्रशासन अभिनाथ यादव, सहसचिव प्रकाशन राजीव मिश्र, सहसचिव पुस्तकालय राकेश कुमार, गवर्निंग काउंसिल वरिष्ठ में विनय कुमार, इंद्रेश सिंह, सुखसागर, कमलेश्वर पूरी, अंजनी यादव, राहुल तथा सदस्य गवर्निंग काउंसिल कनिष्ठ में सुमन, नीरज जायसवाल, नीरेंद्र कुमार चौरसिया, गोबिंद कुमार को इल्डर कमेटी

सदस्य सिविल बार छोटेलाल गुप्त व रामेश्वर तिवारी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई. समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि सांसद श्री खरवार ने नई कार्यकारिणी को बधाई देते हुए, सिविल बार को एक सभागार देने का आश्वासन दिया. इस दौरान विनोद पांडेय ने कहा कि अधिवक्ताओं का हित सर्वोपरि है.बार काउंसिल के हित में अधिवक्ताओं के अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट आदि सुविधाएं दिए जाने की लड़ाई सरकार से लड़ रही है. सरकार अधिवक्ताओं के साथ अन्याय कर रही है. उन्होंने सबका आभार जताया. अन्य अतिथियों ने नई कार्यकारिणी को बधाई दी और कहा कि संगठन के लिए यह गौरव का क्षण है. उन्होंने वादकारी हित में बार एवं बेंच को सामंजस्य स्थापित कर लोगों को न्याय दिलाने की अपील की. नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रभु सिंह कुशवाहा ने सबका आभार जताया और कहा कि बार एवं बेंच की गरिमा को बरकरार रखते हुए, अधिवक्ताओं के सम्मान के लिए समर्पित रहूंगा। इल्डर कमेटी के चेयरमैन नागेंद्र नाथ श्रीवास्तव ने अतिथियों का आभार जताया। इसके पूर्व मुख्य अतिथि समेत सभी अतिथियों का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्रम से सम्मान किया गया।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष रामनिहोर यादव, सोनभद्र बार महामंत्री अखिलेश पांडेय बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष रामलोचन तिवारी, दुद्धी बार अध्यक्ष प्रेमचंद यादव, विष्णुकांत तिवारी, नंदलाल अग्रहरि, कैलाश कुमार गुप्ता, कुलभूषण पांडेय, रामेश्वर तिवारी, ओम प्रकाश मिश्रा, रामपाल जौहरी, मनोज मिश्रा, गौस मु0 खाँ, रामजी पाण्डेय, अरुणोदय जौहरी, अवधनारायण यादव, अभिनय जायसवाल, पीसी गुप्ता, आदर्श जायसवाल, राकेश अग्रहरि, अंजनी सिंह, आशीष गुप्ता, सन्नो बानो, सुमन कुमारी, ममता मौर्या, संगीता वर्मा, सतेंद्र पांडेय समेत सैकड़ो अधिवक्ता उपस्थित रहे. संचालन सत्यनारायण यादव ने किया।

शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि, आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

संवाददाता शिव प्रताप सिंह। दैनिक समाज जागरण

ओबरा/ सोनभद्र। ओबरा नगर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौराहे पर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस श्रद्धांजलि सभा में नगर के युवा व समाजसेवियों ने बड़ी संख्या में सम्मिलित होकर कैंडल जलाकर अपने वीर शहीदों को नमन किया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व छात्र नेता अभिषेक अग्रहरि ने किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ अब और अधिक कठोर कार्रवाई की आवश्यकता है। इस प्रकार के

कायराना हमलों से हमारे देश के सैनिकों के मनोबल को तो नहीं तोड़ा जा सकता, लेकिन सरकार को चाहिए कि वह दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दे और आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने की दिशा में निर्णायक कदम उठाए। सभा में मौजूद सभी नागरिकों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी एवं उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इस दौरान सभी ने संकल्प लिया कि वे आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहेंगे और राष्ट्र की अखंडता एवं सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

नई सड़कों के निर्माण की कार्ययोजना बनाने के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ की बैठक।

शिव प्रताप/ समाज जागरण।

सोनभद्र। लोक निर्माण विभाग द्वारा नयी सड़कों के निर्माण हेतु कार्ययोजना बनाने के सम्बन्ध में विधायक घोरावल डॉ0 अनिल कुमार मौर्य, जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, विधायक सदर के प्रतिनिधि विकास मिश्रा, सांसद के प्रतिनिधि, विधायक दुद्धी के प्रतिनिधि के उपस्थिति में बैठक की गयी, बैठक के दौरान विधायक घोरावल डॉ0 अनिल कुमार मौर्य ने कहा कि मुख्यमंत्री जी की मंशा है कि ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक गांव कों को पक्की सड़कों से जोड़ा जाये, जिस ग्राम सभा की आबादी 150 है, उन ग्रामों को भी पक्की सड़कों से जोड़ने हेतु इस कार्य योजना में सम्मिलित

किया जायेगा, इस कार्य योजना में राबट्र्सगंज में बाईपास का निर्माण हेतु भी कार्ययोजना बनायी गयी है, जो चुर्क मोड़ से लेकर पन्नूगंज, वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर क्रास करके राबट्र्सगंज-घोरावल मार्ग पर समाप्त होगी, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 646 करोड़ रुपए होगी, इसी प्रकार से चौरा-कुराड़ी मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य भी किया जायेगा, पंचमुखी महादेव मंदिर रोड का चौड़ीकरण, बरैला महादेव मंदिर सड़क का चौड़ीकरण, जिरही देवी माता मंदिर के चौड़ीकरण के कार्य भी इस कार्ययोजना में सम्मिलित किया गया है, जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने कहा कि शासन की मंशा है कि ग्रामीण क्षेत्र के हर गांव को पक्की सड़कों से जोड़ा जाये, उस योजना को पूर्ण करने हेतु यह बैठक आयोजित की गयी है, जिसमें जनप्रतिनिधिगण अपने क्षेत्र से सम्बन्धित सड़को के निर्माण हेतु प्रस्ताव उपलब्ध करा सकते हैं, उन्होंने कहा कि अधिशासी अभियन्तागण यह सुनिश्चित करेंगें कि जनप्रतिनिधिगण द्वारा सड़कों के निर्माण हेतु जो भी प्रस्ताव उपलब्ध कराये जा रहे हैं, उन प्रस्तावों की स्वीकृति होने के उपरान्त सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता जनप्रतिनिधिगण को उसके सम्बन्ध में जानकारी आवश्य उपलब्ध करा देंगें। बैठक में अधिशसी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड शैलेश ठाकुर, अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड शिवकुमार सिंह, अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग गोविंद यादव, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने दुद्धी में ट्रेन ठहराव को लेकर सांसद को सौंपा ज्ञापन

- रेल मंत्री से मिलकर ट्रेन ठहराव की मांग संसद में रखने दिया आश्वासन

समाज जागरण

दुद्धी/ सोनभद्र। भारत की राजधानी व उत्तर- प्रदेश की राजधानी के लिए ट्रेनों के ठहराव को लेकर दुद्धी नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन ने सांसद छोटेलाल खरवार को ज्ञापन सौंपा. चेयरमैन ने पत्र देते हुए कहा कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र व चार राज्यों को जोड़ने वाली तहसील मुख्यालय देश की राजधानी दिल्ली व प्रदेश की राजधानी लखनऊ तक का आगमन के लिए दुद्धी नगर रेलवे स्टेशन पर एक भी एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं है. जबकि दुद्धी में कई न्यायालय, तहसील मुख्यालय, डिग्री कॉलेज, आईटीआई में दर्जनों सरकारी, अर्ध सरकारी कार्यालय स्थित है. ऐसे में पिछड़ी क्षेत्र के आदिवासी व्यापारी, वादकारी, अधिकारी कर्मचारी समेत अन्य वर्ग के यात्रियों को निजी सरकारी व कोर्ट कचहरी के कार्य से आए दिन दिल्ली और लखनऊ जाने में अत्यधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है.

जबकि इसी रेलवे रूट से रांची दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस, हावड़ा भोपाल एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनों का आवागमन होता है. बावजूद इसके दुद्धी नगर रेलवे स्टेशन पर इन ट्रेनों का ठहराव नहीं होने से यहां के लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. इसके साथ ही झारखंड के बरवाडीह से लखनऊ-टनकपुर को जाने वाली त्रिवेणी एक्सप्रेस का संचालन कोरोना काल से ही बंद कर दिया गया है. जनहित में उसके स्थान पर एक नई ट्रेन को संचालित किया जाना आवश्यक है. जिसे लोगों को प्रदेश की राजधानी लखनऊ व प्रयागराज भी जाना सुगम हो सके. दिल्ली रांची राजधानी एक्सप्रेस, स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस, हावड़ा भोपाल एक्सप्रेस, त्रिवेणी एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव बहुत ही जरूरी है. सांसद छोटेलाल खरवार ने कहा कि रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से मिलकर सोनभद्र में राजधानी एक्सप्रेस का ठहराव कराया है. आपकी मांग को जरूर संसद में रखूंगा और उम्मीद है कि जल्द ही दुद्धी नगर मे ट्रेनों का ठहराव हो सकेगा।

138 एनआई एक्ट: दोषी शांतनु चतुर्वेदी को एक वर्ष की कैद

- दो माह के भीतर 14 लाख रुपये परिवादी को प्रतिकर के रूप में तथा 25 हजार रुपये अर्थदंड का आदेश

- प्रतिकर की धनराशि अदा न करने पर अभियुक्त को एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

- अभियुक्त द्वारा दिए गए 7 लाख रुपये बाउंस चेक का मामला

ब्यूरो चीफ सोनभद्र। दैनिक समाज जागरण

सोनभद्र। जमीन विक्रय करने के एवज में लिए गए एडवांस को अभियुक्त द्वारा 7 लाख रुपये का बाउंस चेक दिए जाने के मामले में विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम मुरलीधर सिंह की अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए धारा 138 एनआई एक्ट में दोषसिद्ध पाकर दोषी शांतनु चतुर्वेदी को एक वर्ष की कैद की सजा सुनाई। इसके अलावा निर्णय एवं आदेश की तिथि से दो माह के अंदर 14 लाख रुपये परिवादी को प्रतिकर के रूप में तथा 25 हजार रुपये अर्थदंड देना होगा। प्रतिकर की धनराशि अदा न करने पर अभियुक्त को एक माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा। बता दें कि संजय कुमार चौबे पुत्र शशिकांत चौबे निवासी मझिगांव चौबे, थाना रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र ने अधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद सिंह के जरिए 7 अप्रैल 2023 को दाखिल धारा 138 एनआई एक्ट के परिवाद पत्र में अवगत कराया है कि अभियुक्त शांतनु चतुर्वेदी पुत्र सत्यनारायन चतुर्वेदी निवासी मझिगांव चौबे, थाना रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र से 14 लाख रुपये में एक बीघा 4 विस्वा जमीन क्रय करने की बातचीत किया था। जिसके लिए 8 लाख 88 हजार रुपये एडवांस भी दे दिया। जब बैनामा करने के लिए कहा गया तो अभियुक्त द्वारा हीलाहवाली की जाने लगी। बाद में कहा जाने लगा कि अब जमीन की कीमत 35 लाख रुपये हो गई है। जब अपना एडवांस दिया पैसा अभियुक्त से मांग किया तो उसने 4 जनवरी 2023 को 6 लाख रुपये का चेक तथा 9 जनवरी 2023 को एक लाख रुपये का दूसरा चेक दिया। इस प्रकार से सिर्फ 7 लाख रुपये का चेक दिया। जिसे बैंक ने खाते में पर्याप्त धनराशि न होने पर चेक बाउंस करार दिया। उसके बाद 28 फरवरी 2023 को जरिए अधिवक्ता विधिक नोटिस रजिस्टर्ड डाक से भेजा। नोटिस तामिला के बावजूद भी जानबूझकर 8 लाख 88 हजार रुपये हड़पने की नीयत से बाउंस चेक देकर दंडनीय अपराध किया है।

मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्को को सुनने, परिवादी संजय कुमार चौबे के बयान, 7 लाख रुपये के दो बाउंस चेक , अधिवक्ता के जरिए रजिस्टर्ड डाक से भेजी गई विधिक नोटिस, शाखा प्रबंधक निवास कुमार के बयान व पत्रवाली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी शांतनु चतुर्वेदी को एक वर्ष की कैद व दो माह के भीतर परिवादी को 14 लाख रुपये प्रतिकर व 25 हजार रुपये अर्थदंड अदा करने का आदेश दिया है। प्रतिकर की धनराशि अदा न करने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं प्रतिकर की धनराशि अभियुक्त से नियमानुसार वसूल की जाएगी।

इस समय कास्मेटिक सर्जरी की जरूरत नहीं ओपन हार्ड सर्जरी की जरूरत है : पंडित सुशील पाठक

सरहद के बाहर छुपे इन आतंकियों और इनके सरपरस्तों पर कठोर से कठोर कार्यवाही हो : गौरव सक्सेना

- कायस्थ चेतना मंच ने सर्जिकल स्ट्राइक की मांग की
- मारे गए पर्यटकों को शहीद का दर्जा देने की मांग

दैनिक समाज जागरण संवाददाता

बरेली। श्री शिरडी साई खाटूश्याम सर्बदेव मंदिर

श्यामगंज के महंत पंडित सुशील पाठक के साथ सभी धर्मो के लोगों ने मंदिर मे आए सभी भक्तो मे मिलकर पहलगाम मे मारे गए लोगो को दो मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की और घायल हुए लोगो जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की तथा पाकिस्तान मे आतंकवादियो की खात्मे के लिए प्रधानमंत्री मोदी से निवेदन किया है कि कडे से कडा निर्णय लेकर आतंकवाद की फैक्ट्री खत्म करने की जरुरत है इस समय कास्मेटिक सर्जरी की जरूरत नहीं ओपन हार्ड सर्जरी की जरूरत है।

इस अवसर पर पंडित सुशील कुमार पाठक मंहत के साथ उमेश कठेरिया सदस्य एस सी एस टी आयोग, सरदार ज्ञानी काले सिंह ,नदीम इकबाल , प्रवीन भारद्वाज, मनोज भारती , वसी अहमद वारसी, आयुश भारती , संजय कुमार, रामप्रकाश ,सुनीता, ऊषा ,आशीष ,अमरीश कठेरिया , सोनी मलिक एडवोकेट, महफूस मलिक , अभिषेक शर्मा ,गौरव मिश्रा, भगवानदास सहित सैकडो साई श्याम भक्त मैजूद रहे।

सरहद के बाहर छुपे इन आतंकियों और इनके सरपरस्तों पर कठोर से कठोर कार्यवाही हो : गौरव सक्सेना

पहलगाम कश्मीर में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए निर्दोष पर्यटकों के लिए वार्ड 49 शास्त्रीनगर के क्षेत्रवासियों ने श्री लाल बहादुर शास्त्री (तिकोना) पार्क में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर मोमबत्ती जलाकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए 2 मिनट का मौन धारण किया, इस घटना को लेकर सभी क्षेत्रवासियों में अत्यधिक रोष और आक्रोश दिखा क्षेत्रोंवासियों द्वारा देश के प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और रक्षा मंत्री को पत्र लिखकर इस घटना का बदला सरहद के अंदर या सरहद के बाहर छुपे इन आतंकियों और इनके सरपरस्तों पर कठोर से कठोर कार्यवाही करके लेने जिससे यह देश के दुश्मन सपने में भी दोबारा ऐसी घटना करने की न सोंच सके ऐसी मांग की जिसको अधिक से अधिक क्षेत्रवासियों के हस्ताक्षर कराकर डाक से भेजा जाएगा।

इस मौके पर शास्त्रीनगर के पार्षद नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष गौरव सक्सेना ने कहा कि आतंकवादियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों को उनके परिवार की महिलाओं और बच्चों के सामने निर्ममता से हत्या कर पूरे देश में डर और आतंक का माहौल पैदा किया गया है ऐसे समय पर सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर देश और देशवासियों की सुरक्षा के लिए एकजुट होकर इसका जबाब मजबूती से देना चाहिए क्योंकि देश से बड़ा कुछ नही हो सकता।

इस मौके पर प्रमुख रूप से पार्षद गौरव सक्सेना, कैप्टन जसवंत सिंह भाकुनी, प्रदीप सक्सेना, उदय प्रताप सिंह, अमित कपूर, प्रमोद मिश्रा, सुभाष चंद्र सक्सेना, आयुष सक्सेना, अनिल रस्तोगी, अतुल सक्सेना, राजेश कुमार, अक्षय सारस्वत, प्रमोद पांडेय, विकास बंसल, अमित जौहरी, हिमांशु गोयल, पुनीत जौहरी, वरुण सहानी, विपिन शर्मा, निखिल सिंह, अमित शर्मा,अनिल कंचन, प्रकाश मोहन सक्सेना, सुंदर सिंह यादव,सलिल सक्सेना, के आर सक्सेना, संजीव सक्सेना आदि मौजूद रहे।

कायस्थ चेतना मंच ने सर्जिकल स्ट्राइक की मांग की

बरेली । जम्मू कश्मीर में पहलगाम में हुए आतंकी नरसंहार के विरोध में कायस्थ चेतना मंच द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई । साथ ही सरकार से पाक के कब्जे वाले पीओके को भारत में लेने की मांग की गई । कायस्थ चेतना मंच के डी डी पुरम में हुए इस श्रंद्धाजलि कार्यक्रम में कहा गया कि आतंकवादी हमला सोची समझी रणनीति का हिस्सा है और इसका सटीक जबाव देने के लिए सर्जिकल स्ट्राइक की मांग की गई। कायस्थ समाज के लोगों ने दो मिनट का मौन धारण कर एवं मोमबत्ती जलाकर पहलगाम में शहीद हुए लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उन्हें श्रद्धांजलि दी। अध्यक्ष संजय सक्सेना, अखिलेश सक्सेना, निर्भय सक्सैना, मधुरिमा सक्सेना, अनीता

मुकेश, रचना सक्सेना संस्था के महासचिव अमित सक्सेना बिंदु, सचिन सक्सेना सार्थक सक्सेना एवं संस्था के अध्यक्ष संजय सक्सेना आदि लोग उपस्थित रहे। सभी ने मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि दी।

महानगर टाउनशिप निवासियों ने मोमबत्ती जलाकर दो मिनट का मौन रख, भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की

पीलीभीत बाईपास रोड स्थित महानगर टाउनशिप में आज सायंकाल सात बजे कालोनी निवासी पहलगाम (कश्मीर) आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए महाराणा प्रताप चौक पर एकत्रित हुए और पहले शोक सभा कर आतंकी हमले पर भारी रोष व्यक्त किया गया। शोक सभा में सर्व श्री एम पी सिंह, सुधीर उपाध्याय, आर के गौड़, अमर सिंह परमार, डी के सिंह, फतेह चंद गंगवार, डॉ. सुनील शर्मा, जी के शर्मा,पूर्व प्रधान सतपाल पटेल सहित ग्राम धौरेरा माफी के प्रधान पति एवं प्रतिनिधि राकेश पटेल, विवेक सक्सेना, हेमंत शर्मा,प्रभात दुबे, पी आर सिंह चंदेल और श्रीमती सुशीला धस्माना ने विचार व्यक्त किये। सभी ने आतंकी हमले की घोर निंदा करते हुए भारत सरकार से इसका पाकिस्तान सहित आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देने की मांग की। इसके बाद मोमबत्ती जलाकर दो मिनट का मौन रखकर हमले में मारे गए पर्यटकों की आत्मा की शांति के ईश्वर से प्रार्थना की गई और हमले के घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। शोक सभा का संचालन एम पी सिंह ने किया।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के द्वारा मारे गए पर्यटकों को शहीद का दर्जा देने की मांग

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के द्वारा दीनदयाल पुरम चौक पर पाकिस्तान समर्थक आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में 28 भारतीय नागरिकों की जघन्य हत्या करने पर शहीद का दर्जा देने की पुरजोर मांग पदाधिकारियों द्वारा की गई। भारत माता के गगनभेदी नारों के बीच मोमबत्ती जलाकर दिवंगतों की याद में दो मिनट का मौन रखा गया। मांग की गई कि आतंकवादियों को तलाश कर उनकी जड़ों को ही समाप्त कर दिया जाए।

श्रद्धांजलि अर्पण करने वालों में राष्ट्रीय अध्यक्ष इंद्रदेव त्रिवेदी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रवीण भारद्वाज, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अरुण शुक्ला, प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल शर्मा, मंडल महामंत्री विशाल शर्मा, जिलाध्यक्ष संजीव अवस्थी, मंडल उपाध्यक्ष महिला रीता शर्मा, जिला उपाध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा , पंकज उपाध्याय, अभिषेक शर्मा और महिला उपाध्यक्ष राशि पाराशरी ने एक ही मांग की कि आतंक की जड़ों को समाप्त करने का समय आ गया है।

जय परशुराम सेना द्वारा पाकिस्तान व आईएसआई का झंडा जलाकर किया गया कड़ा विरोध

दैनिक समाज जागरण संवाददाता

बरेली। आज जय परशुराम सेना द्वारा जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी नरसंहार के विरोध में राष्ट्रीय अध्यक्ष अर्जुन गुप्ता की अगुवाई में पाकिस्तान व आईएसआई का झंडा जलाकर कड़ा विरोध किया गया।

समस्त परशुराम सैनिक पटेल चौक पर एकत्र हुए और पाकिस्तान मुदार्बाद, आईएसआईएस मुदार्बाद के नारे लगाते हुए बीच चौराहे पर पाकिस्तान व आईएसआईएस का झंडा जलाकर कड़ा विरोध किया गया।

जय परशुराम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अर्जुन गुप्ता ने बताया कि भारत की सहनशीलता को कब तक नजर अंदाज करता रहेगा पड़ोसी देश अमरनाथ यात्रा शुरू होने वाली है ऐसे में पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से देश में जन आक्रोश है, आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति पूरे देश में गम का माहौल है । भारत सरकार को इन

आतंकीयो को मुंह तोड़ जवाब देना होगा जब तक पीओके भारत का हिस्सा नहीं बन जाता तब तक ऐसे आतंकी हमले होते रहेंगे, ऐसे में भारत सरकार को कठोर कदम उठाते हुए पीओके को अपने भारत का अंग बनाने के लिए हर संभव कदम उठाने होंगे, राष्ट्रीय अध्यक्ष अर्जुन गुप्ता ने कहा कि कब तक हम आतंकियों के हमले में अपने लोगों की जान गंवाते रहेंगे, समय आ गया है, कि आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए आतंकियों को उन्हीं के देश में घुसकर उनको मार गिराया जाए। हमारे देश की आर्मी सर्वशक्तिमान है भारतीय सेना आतंकियों को सबक सिखाने और हर परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम है।

मुख्य रूप से शामिल राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष माला गुप्ता प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडवोकेट जयपाल सिंह कश्यप जिला अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता कमल गुप्ता शिवम पंडित ओम प्रकाश राजेश कुमार पंचम अनिकेत भगवान दास राजकुमार गुप्ता अनमोल कृष्ण अमन प्रिंस सोनेलाल शुक्ला महेश कुमार आदि लोगों उपस्थित है।

बरेली में रह रही पाकिस्तानी महिला शहनाज को 48 घंटे में छोड़ना होगा देश, मचा हड़कंप

खुफिया विभाग के पास है जिले में मौजूद 34 पाकिस्तानी नागरिकों की लिस्ट

दैनिक समाज जागरण संवाददाता

बरेली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान को लेकर कई सख्त फैसले लिए हैं, जिनका असर अब जमीनी स्तर पर नजर आने लगा है। इन्हीं फैसलों की पहली आहट उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में दिखाई दी है, जहां एक पाकिस्तानी महिला को महज 48 घंटे में भारत छोड़ने का फरमान सुनाया गया है।

यह महिला कराची निवासी शहनाज बेगम है, जो विशेष उद्देश्य प्रवेश वीजा (एसपीईएस) पर बरेली स्थित अपने मायके आई थीं। लेकिन अब भारत सरकार के आदेशों के चलते उन्हें देश से बाहर जाना होगा। सूत्रों की मानें तो यह फैसला सिर्फ एक शुरूआत है। जिले में इस समय कुल 34 पाकिस्तानी नागरिक किसी न किसी कारण से रह रहे हैं, जिनमें से शहनाज अकेली महिला हैं जो

एसपीईएस वीजा पर आई हैं और तत्काल प्रभाव से प्रभावित हो रही हैं।

हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में कई जवानों की जान चली गई। इस हमले के बाद केंद्र सरकार ने साफ कर दिया कि पाकिस्तान से संबंध अब नरमी के नहीं, बल्कि सख्ती के दौर में होंगे। सुरक्षा एजेंसियों को कड़ा निर्देश दिया गया है कि देश में रह रहे उन पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान की जाए जो किसी भी रूप में अनधिकृत रूप से भारत में मौजूद हैं। इसी क्रम में उन पर कार्यवाही भी शुरू हो गई है।

पंजाब मेल में बरेली पहुंचने के दौरान रामपुर के पास उनका पर्स हो गया चोरी, जीआरपी थाने में की थी शिकायत

शहनाज बेगम कराची में दिल्ली मेंशन नॉर्थ रोड की निवासी हैं।थाना बारादरी क्षेत्र में उनका मायका है। हाल ही में उनकी मां की तबीयत खराब होने की सूचना मिलने पर वह विशेष वीजा पर भारत आई थीं। अमृतसर से पंजाब मेल के जरिए बरेली पहुंचने के दौरान रामपुर के पास उनका पर्स चोरी हो गया। उस पर्स में उनका पासपोर्ट, वीजा, पाकिस्तान का सिम कार्ड, पहचान पत्र और नकदी थी। इस घटना की शिकायत उन्होंने बरेली जीआरपी थाने में की थी। पुलिस ने मामले को ह्यजीरो एफआईआरह्व के तहत दर्ज कर जांच रामपुर ट्रांसफर कर दी। हालांकि जांच से पहले ही भारत सरकार की नई नीति के कारण उन्हें 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का अल्टीमेटम मिल गया है।

शहनाज के मामले ने स्थानीय प्रशासन और खुफिया एजेंसियों को अलर्ट कर दिया है। सरकार का निर्देश स्पष्ट है। किसी भी अनधिकृत पाकिस्तानी नागरिक को देश में रहने की इजाजत नहीं दी जाएगी। भले ही वे लॉन्ग टर्म वीजा पर क्यों न हों, अब हर एक केस की अलग-अलग समीक्षा होगी।

खुफिया विभाग के पास है जिले में मौजूद 34 पाकिस्तानी नागरिकों की लिस्ट

जिले में मौजूद 34 पाकिस्तानी नागरिकों की लिस्ट खुफिया विभाग के पास पहले से है। इनमें से 33 के पास लॉन्ग टर्म वीजा है और वे अपने-अपने परिवारों या सामाजिक कारणों से भारत में रह रहे हैं। लेकिन अब इन सभी की जांच नए सिरे से की जाएगी। वीजा की वैधता, दस्तावेजों की पुष्टि और रहन-सहन का विवरण मांगा जाएगा।

एसपीईएस यानी स्पेशल पर्पज एंट्री वीजा आमतौर पर उन पाकिस्तानी नागरिकों को दिया जाता है जो किसी आपात स्थिति जैसे पारिवारिक बीमारी, विवाह या मृत्यु के कारण भारत आते हैं। यह वीजा सीमित अवधि के लिए होता है और इसके अंतर्गत नागरिकों को विशेष क्षेत्रों में ही रहने की अनुमति होती है। शहनाज इसी वीजा पर भारत आई थीं, लेकिन अब उन्हें वापसी की राह पकड़नी होगी।

पहलगाम हमले को लेकर फूटा जनाक्रोश, व्यापारियों ने निकाला पाकिस्तान का जनाजा

दैनिक समाज जागरण संवाददाता

बरेली। पाकिस्तान की सरजमीं से आए दिन हो रहे आतंकी हमलों के खिलाफ शुक्रवार को राष्ट्र जागरण उद्योग व्यापार मंडल ने जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रतीकात्मक रूप से पाकिस्तान और आतंकवाद की अर्थी निकाली। यह विरोध रैली जिला अध्यक्ष राजकुमार राजपूत के नेतृत्व में शील नर्सिंग होम मटकी चौकी से शुरू होकर बांस मंडी, कुतुबखाना चौराहा होते हुए सम्पन्न हुई। चौराहे पर प्रतीकात्मक जनाजे का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान जनाजे के दौरान शानू काजमी ने पढ़ा कलमा पढ़ा और सभी शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

विरोध प्रदर्शन के दौरान व्यापारियों में जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला। हाथों में तख्तियां और नारों के साथ प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान मुदार्बाद और आतंकवाद खत्म करो के नारे लगाए। इस दौरान माहौल पूरी तरह देशभक्ति से ओतप्रोत रहा। महानगर अध्यक्ष विशाल मेहरोत्रा ने कहा पाकिस्तानी आतंकियों की कायरतापूर्ण हरकत अब बर्दाश्त के बाहर है। देश को अब निर्णायक कदम उठाना होगा। प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया को दिखा देना होगा कि भारत आतंक के खिलाफ अब और नरमी नहीं बरतेगा।

पूरा देश पीएम मोदी के साथ, कहा आतंकवाद का हो अंत

अमित भारद्वाज ने दो टूक कहा कि जब तक पाकिस्तान का नामोनिशान मिट नहीं जाता, आंदोलन थमेगा नहीं। उन्होंने कहा अब शांति नहीं, निर्णायक जवाब चाहिए। जिला अध्यक्ष राजकुमार राजपूत ने साफ कहा हमने कई युद्ध देखे, कई बार बातचीत की, लेकिन अब एक ही विकल्प बचा है पाकिस्तान का खात्मा। यही जनाजे का मकसद था, ताकि सरकार तक आवाज पहुंचे। व्यापारी नेता संजय गोयल ने कहा पूरा देश मोदी जी के साथ है। हमें सिर्फ आतंकवाद का अंत चाहिए।

जनाजे यात्रा में ये लोग रहे शामिल

इस प्रतीकात्मक जनाजे यात्रा में अमित भारद्वाज, अभय मेहरोत्रा, संजीव औतार अग्रवाल, रचित अग्रवाल, प्रखर अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, संजय गोयल, सुधीर गोयल, रजत अग्रवाल, रितेश शर्मा, सरदार नवनीत पाटा, कन्हैया राजपूत, मोहन राजपूत, तैय्यब राजपूत, दीनदयाल राजपूत, अमित मिश्रा, आरपी मिश्रा, पन्नू सक्सेना, विकास वर्मा, हरेंद्र प्रताप सिंह, नरेंद्र प्रताप सिंह, हरगोविंद शर्मा, अमित गुप्ता, इमरान खान, शानू काजमी सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए।

निर्माण कार्य में घटिया सीमेंट लगा रहा था ठेकेदार, देखते ही भड़क गए एसएसपी, फिर तोड़ दी दीवार

दैनिक समाज जागरण संवाददाता

बरेली। एसएसपी अनुराग आर्य ने गुरुवार को अपने कार्यालय परिसर में चल रहे निर्माण कार्य की अचानक समीक्षा के दौरान घटिया निर्माण सामग्री पाए जाने पर ठेकेदार को मौके पर बुलाकर जमकर फटकार लगाई और अधूरी बनी दीवार को तुड़वाने का आदेश दे दिया। एसएसपी कार्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार के समीप इन दिनों बाहरी दीवार के निर्माण का कार्य चल रहा है। गुरुवार दोपहर एसएसपी अनुराग आर्य जैसे ही दफ्तर से बाहर निकले, उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि दीवार तिरछी बनी है और निर्माण में इस्तेमाल की जा रही ईंटें पुरानी और जर्जर हैं।

निर्माण में कम मात्रा में सीमेंट लगाने पर ठेकेदार की लगाई फटकार

गुणवत्ता की जांच करवाई तो सामने आया कि उसमें सीमेंट की मात्रा मानक से काफी कम है। इस पर एसएसपी ने तत्काल संबंधित स्टाफ से जानकारी ली, जिसके अनुसार यह निर्माण कार्य ई-टेंडर के माध्यम से बलरामपुर निवासी एक ठेकेदार को दिया गया था। एसएसपी ने

ठेकेदार को तुरंत कार्यालय में बुलवाया और गुणवत्ता में लापरवाही पर कड़ी फटकार लगाई।

काम में लापरवाही करने पर होगी सख्त कार्रवाई

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आगे निर्माण कार्य में गुणवत्ता से समझौता हुआ, तो ठेका रद्द कर किसी अन्य एजेंसी को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, या फिर विभागीय श्रमिकों से काम पूरा करवाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अनियमितता और निर्माण कार्य में घोटाले को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एसएसपी ने कहा काम पूरी पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ होना चाहिए।

भारतीय वीर जवानो से आमने-सामने मुकाबला तो करें, तो 2 घण्टे में कब्रिस्तान बनेगा पाकिस्तान : जफर बेग

दैनिक समाज जागरण संवाददाता

बरेली । आज बरेली मर्चेन्ट एसोसियेशन ने पहलगांव में पाकिस्तान पोषित आतंकवादियो के द्वारा मासूम पर्यटको की जाने लेने के विरोध में शाहमतगंज में कैण्डिल जलाकर मासूम पर्यटको को श्रंद्वाजलि दी।

संरक्षक जफर बेग ने गमगीन लोगो को सम्बोधित करते हुये कहा कि कायरो के द्वारा किया गया मासूमो पर हमला निन्दनीय हैं आज का भारत विश्व का ताकतवर देश है। चंद दिनो मे पाकिस्तान और उसके द्वारा पोषित आतंकवादियो को उनकी औकात घर में घुसकर भारत बतायेगा। जफर बेग ने पाकिस्तान को चेलेन्ज किया कि आमने सामने हमारे देश के वीरो से मुकाबला कर ले 2 घण्टे मे भारत के वीर जवान पाकिस्तान को उसकी औकात दिखा देगें। महानगर अध्यक्ष राजीव ऐरन, उपाध्यक्ष कैसर रजा, अतुल मेहरोत्रा, आमिर लवी, लकी गुप्ता, वसीम खान सहित सभी लोगो ने इस हमले की कड़ी निंदा की है।

पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर फुका पुतला

दैनिक समाज जागरण संवाददाता

बरेली । जम्मूझकश्मीर के पहलगाम में कायरतापूर्ण आतंकी हमले के विरोध में आतंकवाद ब पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर भाजपा हरमिलाप मंडल अध्यक्ष राजीव कश्यप के नेतृत्व में आतंकवाद का पुतला फूंका जिसमे समाजसेवी /भाजपा मीडिया प्रभारी बंटी ठाकुर , प्रदीप सक्सेना , पार्षद अरुन सिंह, बबलू पटेल, विवेक पटेल, अभिषेख गुप्ता,नंदकिशोर पटेल, कुलदीप सिंह, निखिल कुमार,आकाश चंद्रा,गौरव ठाकुर, बाबू राजपूत,प्रेम शंकर शर्मा,विजेंद्र गंगवार, रतन माथुर,अमित उपाध्याय,अभिषेख राठौर,देवेंद्र भोजबाल, रोहित वर्मा,रवि वर्मा, होशियार सिंह,रज्जु गिरी, विकास सिंह, सचिन कश्यप, साहिल कश्यप,दर्शन कथुरिया, अभिषेख गुप्ता, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

चौपुला पुल के नीचे दो युवकों के शव मिलने से हड़कंप, पास में मिलीं शराब की बोतलें

- घटनास्थल से शराब, नशीली गोलियां और सिगरेट बरामद

दैनिक समाज जागरण संवाददाता

बरेली । बरेली में चौपुला पुल के नीचे वीरान पड़ी रेलवे लाइन के पास गुरुवार सुबह दो युवकों के शव मिले। युवकों की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है, लेकिन घटनास्थल से मिली वस्तुएं इस ओर इशारा कर रही हैं कि यह मामला नशे की ओवरडोज से मौत का हो सकता है। पुलिस ने शवों को मोर्चरी में रखवा दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जीआरपी इंस्पेक्टर परवेज आलम अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि बंद पड़ी रेलवे लाइन के पास दो युवक पड़े मिले, जिनमें से एक की मौके पर ही मौत हो चुकी थी और दूसरा गंभीर हालत में था। उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज शुरू होने से पहले ही उसने भी दम तोड़ दिया।

मौके से शराब की बोतलें, नशीली गोलियां और सिगरेट के

खाली पैकेट मिलने से यह अंदेशा लगाया जा रहा है कि दोनों युवक नशे की हालत में थे और अधिक सेवन के चलते उनकी जान चली गई। पुलिस ने इसे संदिग्ध मौत मानते हुए केस दर्ज किया है।

हत्या या हादसा, पुलिस कर रही हर एंगल से जांच

हालांकि पुलिस इसे सिर्फ नशे की ओवरडोज से मौत मानने को तैयार नहीं है। इस बात की भी जांच हो रही है कि कहीं किसी ने जानबूझकर दोनों को कोई जहरीला पदार्थ तो नहीं दिया। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है ताकि साक्ष्यों का वैज्ञानिक विश्लेषण किया जा सके।

प्राथमिक विद्यालय व सुलभ शौचालय जगापट्टी में चोरी हुए समरसेबल को ग्राम प्रधान ने लगवाया

समाज जागरण रंजीत तिवारी रामेश्वर वाराणसी।।

जंसा थाना के रामेश्वर पुलिस चौकी अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय परसीपुर व सुलभ शौचालय जगापट्टी में ग्राम प्रधान घनश्याम सिंह यादव ने बच्चों को पानी पीने के लिए तत्काल प्रभाव से समरसेबल, स्टाटर लगाकर सराहनीय कार्य किया। विद्यालय में समरसेबल न होने से पानी की घोर किल्लत हो गई थी जिससे बच्चे व स्टाफ के लोग परेशान थे। बताया जाता है कि विगत दिनों ताला तोड़कर चोर दो समरसेबल मशीन,दो स्टाटर,केबुल,एक गैस सिलेंडर, दो टेबलेट, खेल सामग्री, समरसेबल का सामान व एक बुफर समेत अन्य सामान चुरा ले गये थे। विद्यालय में

समरसेबल न होने से बच्चों के समक्ष पानी पीने की घोर किल्लत उत्पन्न हो गई थी।इसकी जानकारी प्रधानाध्यापक जितेन्द्र कुमार यादव ने ग्राम प्रधान घनश्याम सिंह यादव व सचिव श्यामनारायण को दी। विद्यालय में बच्चों की समस्या को देखते हुए ग्राम प्रधान ने इस समस्या को तत्काल प्रभाव से दूर कर दिया। ग्राम प्रधान की इस पहल की विद्यालय परिवार व क्षेत्र की जनता ने काफी प्रशंसा करते हुए कहा कि हम लोगों के बीच ऐसे ग्राम प्रधान को पाकर धन्य है। गांव की कोई भी समस्या सामने आती है तो उसको तत्काल प्रभाव से प्रधान जी दूर कर देते हैं। इस कार्य की क्षेत्र में काफी शरण हो रही है। ग्राम पंचायत जगापट्टी में स्थित प्राथमिक विद्यालय परसीपुर व सुलभ शौचालय जगापट्टी में समरसेबुल, स्टाटर, स्टेपलाईजर ,तार, टोचन लगवाकर उत्पन्न समस्या को दूर कर दिया।

कोटे की दुकान से राशन की चोरी

समाज जागरण धनंजय मोदनवाल पिंडरा।

सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान से राशन की हुई चोरी के संदर्भ में सिंधोरा पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। सिंधोरा थाना क्षेत्र रुपचन्दपुर निवासी जन्मेजय चौबे ने बताया कि 17-18-अप्रैल की रात मेरे दुकान से सरकारी गल्ले का राशन अज्ञात चोरों द्वारा दुकान का ताला तोड़कर चोरी कर लिया गया ।पुलिस ने तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर किया।

मारपीट में हाथ की उंगली कटी, मुकदमा दर्ज

समाज जागरण धनंजय मोदनवाल पिंडरा।

सिंधोरा थाना क्षेत्र के अमौत गांव में दो पक्षों में मारपीट में एक युवक हाथ की उंगली कट गई। पुलिस को दिए तहरीर में सिंधोरा थाना क्षेत्र के अमौत गांव निवासी सतीश पाण्डेय ने बताया कि 23 अप्रैल की दिन में जब मैं अपने बरामदे में बैठा था तभी गांव के करुणापति पाण्डेय पुत्र त्रिभुवन पाण्डेय व अनुज पाण्डेय पुत्र संतोष पाण्डेय उर्फ मुन्ना एक साथ होकर मां बहन की भद्दी भद्दी गाली देते हुए मेरे बरामदे में चढ़ कर मुझे मारने लगे। तभी करुणापति पाण्डेय ने मुझे धारदार हथियार से मेरे ऊपर हमला कर दिए जिससे मेरे दाहिने हाथ की एक अंगुली कटकर पूरी तरह से निचे गिर गयी। और जब अगल बगल के लोग आये तो करुणापति पाण्डेय व अनुज पाण्डेय गाली और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गये ।सतीश पांडे के तहरीर पर उपरोक्त लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया।

जम्मू कश्मीर व प0 बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

समाज जागरण आशीष कुमार गुप्ता

बाबतपुर,वाराणसी । हिन्दू जनजागृति समिति के बैनर तले गुरुवार को जम्मू कश्मीर के पहलगाम व प0 बंगाल में हिंदुओं के ऊपर हुए बर्बरतापूर्ण हत्या से बौखलाए लोगों ने एसडीएम पिंडरा पत्रक देकर राष्ट्रपति से राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। राष्ट्रपति को सम्बोधित एसडीएम प्रतिभा मिश्रा को दिए पत्रक में कश्मीर में हिंदुओं पर हो रहे आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में कश्मीर

में राष्ट्रपति शासन लागू कर आतंकियों के खिलाफ कठोर सैन्य कार्यवाही करने तथा पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून की आड़ में हिंदुओं पर हो रहा अत्याचार न रुकने पर राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। इस दौरान एडवोकेट उमेश कुमार सिंह , श्याम शंकर सिंह, दीपक कुमार सैनी ,भरत दुबे , अनूप कुमार पटेल, संदीप वर्मा तथा हिंदू जनजागृति समिति के ज्ञानचंद पटेल, आदर्श पटेल, प्रमेश विश्वकर्मा, राजेश पटेल रहे।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध हरहुआ में कैंडिल मार्च निकालकर पर्यटकों को दी गई श्रद्धांजलि

समाज जागरण अनिल कुमार हरहुआ वाराणसी।

पहलगाम में आतंकियों द्वारा पर्यटकों का किए गए निर्मम हत्या से दुःखी, मर्माहत हरहुआ क्षेत्र के व्यापारियों ,किसानों और समाजसेवियों ने हरहुआ बाजार से कैंडल मार्च हरहुआ चौमुंहानी तक पैदल मार्च निकालकर कड़ा विरोध जताया। पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ आवाज बुलंद की।

व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने हनुमान मंदिर पर आयोजित शोक सभा मे कहा कि आतंकवादी घटना बेहद शर्मनाक एवं कायराना पूर्ण कृत्य है हम सभी व्यापरी जन इसकी घोर निंदा करते है। ग्राम प्रधान संघ के जिला महामंत्री प्रधान चक्का मधुवन यादव ने कहा कि पाकिस्तान की भारत विरोधी हरकत अब बर्दास्त के बाहर हो चली है ऐसे समय मे बदले की जरूरत है।चुप रहना अब देश के लिए खतरनाक साबित होगा।

समाजसेवी नितिन कुमार व महामंत्री वीरेंद्र गुप्ता ने कहा कि आतंकवाद का फसल उगाने वाला

पाकिस्तान को ईट का जबाब पत्थर से देनी जरूरी है। धर्म के आधार पर हत्या करने की कड़ी निंदा की। अन्य वक्ताओं ने पाकिस्तान और आतंकवाद मुदार्बाद के नारे लगाते हुए गुस्सा जाहिर करते पीएम, गृहमंत्री और रक्षामंत्री से अनुरोध किया कि हमें 28 मृतात्मा के शांति के लिए पाकिस्तान के साथ अंतिम निर्णयात्मक कदम उठाकर जबाब देने की जरूरत है।देश अब बदला लेने की पुकार लगा रहा है। कैंडिल मार्च में प्रमुख रूप से व्यापार मंडल हरहुआ संरक्षक राजेंद्र गुप्ता,अध्यक्ष अनिल जायसवाल, महामंत्री वीरेंद्र गुप्ता,उपाध्यक्ष विकास जायसवाल ,कोषाध्यक्ष राकेश सेठ, धीरज ,रकिशन गुप्ता, दीपक गुप्ता ,देवकिशन गुप्ता,रामदुलार, दीवाकर सिंह, भैरोनाथ,प्रधान संघ के जिला मंत्री मधुबन यादव, राजनारायण पटेल, भगत यादव ,भटौली,समाजसेवी दीपक सिंह,रजनीश सरोज,अजेय ,ब्रजभूषण ,नितिन कुमार, विनीत राय,अजय गुप्ता,ज्योति ,जीतलाल, कृषक लाल सिंह चौहान,लालमन ,श्रीरामपाल शामिल रहे। हनुमान मंदिर पर धर्म के आधार पर हत्या करने की कड़ी निंदा कर सभी लोगों ने अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि दिए।

वकील पुत्र की हत्या में शामिल प्रबंधक के गिरफ्तारी की मांग

समाज जागरण आशीष कुमार गुप्ता

बाबतपुर,वाराणसी । पिंडरा तहसील के अधिवक्ता पुत्र की ज्ञानदीप इंग्लिश स्कूल के प्रबंधक पुत्र द्वारा गोली मारकर हत्या करने में प्रमुख मददगार प्रबंधक की अब तक गिरफ्तारी न होने पर वकीलों में आक्रोश दिखा।जिसके कारण कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन करते हुए एसडीएम को पत्रक सौंपा।

गुरुवार को घटना के दूसरे दिन भी पिंडरा तहसील के वकील साथी पुत्र की हत्या से आक्रोशित दिखे , वकीलों ने हत्या करने वाले हत्यारे के स्कूल प्रबंधक की अब तक गिरफ्तारी न होने पर आक्रोश जताया

और एसडीएम पिंडरा प्रतिभा मिश्रा को दिए पत्रक में स्कूल प्रबंधक की गिरफ्तारी न होने तक न्यायिक कार्य से विरत होने की चेतावनी दी। इस दौरान बार अध्यक्ष कृपाशंकर पटेल, महामंत्री सुधीर कुमार सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जावेद खा, शिवपूजन सिंह, अविनाश चौबे, पंधारी यादव, प्रितराज माथुर, अश्वनी सिंह, दीपक सैनी, अशोक राम, कमला प्रसाद मिश्रा, राजू सिंह, विपिन सिंह, दयाशंकर सिंह, फतेहबहादुर, उदयनाथ भारती व रामभरत यादव समेत अनेक वकील रहे।

शार्ट सर्किट से खलिहान में रखे भूसे जले

समाज जागरण आशीष कुमार गुप्ता

बाबतपुर,वाराणसी । पिंडरा विद्युत उपकेंद्र से सम्बद्ध थाना गांव में गुरुवार को सुबह विद्युत शार्ट सर्किट से आग लगने से खलिहान में रखे हजारों रुपये के भूसे जल गए। बताते है कि सुबह साढ़े 10 बजे के लगभग खेत मे से

होकर गए 440बोल्ट की तार में से निकली चिंगारी से गेहू की मड़ाई के बाद पशुओ के लिए खलिहान में रखे अंजनी पांडेय, अरविंद पांडेय के भूसे जल गए ।किसान अंजनी पांडे ने इसे विद्युत विभाग की लापरवाही बताया। उन्होंने कहाकि कई बार जर्जर तार की जगह विद्युत केबल लगाने की गुहार लगाई लेकिन सुनवाई नही हुई। ग्रामीणों के प्रयास से आग पर काबू पाया जा सका। सूचना पर विद्युत विभाग के लोग भी पहुचे। वही एसडीओ ने विद्युत शार्ट सर्किट की घटना से इनकार किया।

पहलगाम में हिंदू पर्यटकों पर आतंकी हमले में मृतक आत्मा को दी गई श्रद्धांजलि

समाज जागरण प्रभात कुमार सेठ फूलपुर वाराणसी

सोनार संघ व्यापारियों के नेतृत्व में जो जम्मू कश्मीर पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष हिंदुओं की हत्या (क्षेत्र में हुआ अंतकी हमला अत्यंत दुःखद है) निर्दोष की हत्या हो जाने पर कैंडल दिखाकर शोक श्रद्धांजलि अर्पित किया गया उनके आत्म को शांति प्रदान करें ।जिसमे मुख्य रूप से फूलपुर के स्वर्णकार व्यापार मंडल के अध्यक्ष व फूलपुर

व्यापार मंडल के संरक्षक शभानु प्रकाश सेठ उपाध्यक्ष अशोक सेठ , राहुल सोनी, सोनू सेठ ,काजू सेठ किशन सेठ संतोष सेठ राजन सेठ , ,मोती लाल सेठ ,अन्य सोनार समाज व्यापारी के पदाधिकारी मौजूद रहें।

26 अप्रैल को होगा सब जूनियर शूटिंग बाल प्रतियोगिता का आयोजन

चोलापुर , समाज जागरण ओंकार दानगंज

शूटिंग बाल फेडरेशन ऑफ वाराणसी द्वारा सब जूनियर शूटिंग बाल प्रतियोगिता (महिला एवं पुरुष) का दिनांक 26 अप्रैल और 27 अप्रैल को चोलापुर थाना क्षेत्र के साईं,महावीर बाजार स्थित एल एच के स्कूल में आयोजन किया गया है। 26 अप्रैल दिन शनिवार को शाम 5:00 बजे इसका उद्घाटन किया जाएगा जबकि 27 अप्रैल शाम 5:00 बजे प्रतियोगिता का समापन होगा। इसकी जानकारी फेडरेशन के अध्यक्ष तारकेश्वर सिंह ने दिया है।

सभी प्रखंडों एवं पंचायत सचिवालयों में पंचायती राज दिवस का आयोजन किया गया।

दैनिक समाज जागरण 24.04.2025 जिला संवाददाता चांद कुमार लायेक पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

पंचायती राज दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम जिला परिषद अध्यक्षा श्रीमती बारी मुर्मू की अध्यक्षता में जिला परिषद सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायती राज पदाधिकारी ने सभी को स्वच्छता शपथ दिलाई ।कार्यक्रम में कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद के सभी सदस्य पेयजल स्वच्छता विभाग के पदाधिकारी/कर्मचारी, आदि ने भाग लिया

। इसके साथ ही सभी प्रखंडों एवं पंचायत सचिवालयों में भी पंचायती राज दिवस का आयोजन किया गया। सभी प्रखंडो/पंचायतो में मुखियागण द्वारा शपथ ग्रहण के साथ सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया एवं स्कूल के बच्चो के द्वारा रैली मे भाग लिया गया। सभी जलसहिया दीदीयों द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) चरण-II के ODF + की जानकारी एवं जल के संग्रहण एवं बचाव, स्वास्थ्य पोषण, सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रबंधन पर, सुजल एवं स्वच्छ गांव बनाए रखने के हेतु चर्चा की गई।

नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय में 3 दिवसीय सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट लाइफ साइकिल वर्कशॉप का हुआ आयोजन

दैनिक समाज जागरण 24.04.2025 जिला संवाददाता चांद कुमार लायेक पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

आज की तकनीकी दुनिया इतनी उन्नति कर चुकी है कि हर रोज कोई न कोई नया सॉफ्टवेयर का इजात हो रहा है। जो न सिर्फ लोगों की जीवनशैली को बेहतर बना था है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी नए रास्ते खोल रहा है। सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट लाइफ साइकिल एक ऐसी प्रक्रिया है जिसका इस्तेमाल करके सॉफ्टवेयर डेवलपर्स उच्च गुणवत्ता वाले सॉफ्टवेयर का निर्माण करते हैं। एस डी एल सी के 7 चरण होते हैं और 4 मॉडल होते हैं। जमशेदपुर के पोखारी स्थित नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय में बड़े ही शानदार तरीके से 3 दिवसीय "सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट लाइफ साइकिल" वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप की शुरूआत 22 अप्रैल से हुई और 24 अप्रैल को इसका समापन हुआ। वेंचरिंग डिजिटली प्राइवेट लिमिटेड ने इस वर्कशॉप का संचालन किया। इस वर्कशॉप में बी सी ए, बी टेक और एम सी ए विभाग के छात्र शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत माननीय अतिथियों द्वारा दीप पप्रज्वलन के साथ विधिवत रूप से किया गया इसके पश्चात विश्वविद्यालय के छात्रों

ने गणेश वंदना पर नृत्य प्रस्तुत किया । इसके पश्चात, इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वेंचरिंग डिजिटली प्राइवेट लिमिटेड के सह संस्थापक और सी एम ओ निखिल शर्मा, फुल स्टैक डेवलपर रविश कुमार, डेटा विश्लेषक बिपुल हालदार, डेव ओपस इंजीनियर रजत कुमार एवं प्रशिक्षण समन्वयक मोनाली मोहंती को सम्मानित किया गया। निखिल शर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, "तकनीकी उन्नति हमारे देश एवं पूरे विश्व के विकास का एक अनूठा रास्ता है"। इसके पश्चात छात्रों को सॉफ्वेयर डेवलपमेंट लाइफ साइकिल के विषय में बताया गया। इस वर्कशॉप में सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट में करियर के स्कोप को लेकर भी भी चर्चा हुई। नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. डॉ. पी. के. पाणि ने छात्रों को संबोधित किया और कहा "जीवन में ऐसे वर्कशॉप्स से कई महत्वपूर्ण बातें सीखने को मिलती है और स्किल्स भी डेवलप होते हैं"। कुलपति प्रो. डॉ. पी. के. पाणि, प्रतिकुलपति प्रो. डॉ. आचार्य ऋषि रंजन, कुलसचिव नागेंद्र सिंह, प्रशासनिक विभाग के अनुष्ठाता नाजिम खान, शैक्षणिक विभाग के अधिष्ठाता प्रो. दिलीप शोम, आईटी विभाग के अधिष्ठाता, प्रो. डॉ. रंजन मिश्रा, विभिन्न विभागों के विभागाध्याक्ष और संकाय सदस्यों ने अपनी उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त के निदेर्शानुसार एडीएम लॉ एंड ऑर्डर की अध्यक्षता में हुई पी.सी.पी & डी.टी की बैठक, एसडीएम धालभूम, सिविल सर्जन व अन्य पदाधिकारी रहे मौजूद

दैनिक समाज जागरण 24.04.2025 जिला संवाददाता चांद कुमार लायेक पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त श्री अनन्य मित्तल के निदेर्शानुसार समाहरणालय सभागार में पी.सी.पी&डी.टी एक्ट से संबंधित बैठक आयोजित की गई। एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्री अनिकेत सचान की अध्यक्षता में आहूत बैठक में एसडीएम धालभूम श्रीमती शताब्दी मजूमदार, सिविल सर्जन डॉ साहिर पाल, डॉ रंजीत पांडा समेत दोनों अनुमंडल के संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में मुख्य रूप से जिले में स्थापित अल्ट्रासाउंड क्लिनिक/सेंटर का जांच प्रतिवेदन, पी.सी.पी&डी.टी एक्ट के तहत रजिस्टर्ड क्लीनिक, पिछले बैठक में लिए गये निर्णय का अनुपालन, नये अल्ट्रासाउंड केंद्र के लिए प्राप्त आवेदन एवं रिन्युअल पर कमेटी ने विचार-विमर्श किया। बैठक में 20 प्रस्ताव अल्ट्रासाउंड सेंटर से संबंधित रखे गए जिनमें 03 को नया लाइसेंस देने की स्वीकृति समिति ने प्रदान की। 01 सेंटर का लाइसेंस रिन्युवल तथा 4 अल्ट्रासाउंड सेंटर के नाम में बदलाव की स्वीकृति दी गई, अन्य आवेदनों में जांचोपरांत पाये गए त्रुटियों को दूर करते हुए पुनः समिति

के समक्ष अगली बैठक में प्रस्तुत करने का निदेश दिया गया । एडीएम लॉ एंड ऑर्डर ने जिला में अनधिकृत रूप से संचालित अल्ट्रासाउंड सेंटर की जांच के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि किसी प्रकार का मामला इस संबंध में आपके संज्ञान में आता हो तो तत्काल अवैध रूप से संचालित क्लीनिक को बंद कराएं। उन्होंने प्लान पर चर्चा कर प्रखंड व जिला स्तर पर लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया । उन्होने बताया कि राज्य सरकार के दिशा-निदेर्शानुसार जिला में लिंगानुपात में सुधार के प्रयास जारी हैं। गर्भधारण व प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम 1994 (पी.सी.पी&डी.टी एक्ट) का मुख्य उद्देश्य प्रसव पूर्व लिंग चयन का निषेध करना तथा लिंग आधारित गर्भपात पर प्रतिबंध लगाकर लिंगानुपात को सुधारना है। लिंग चयन या लिंग निर्धारण के विभिन्न चिकित्सीय तकनीकों के दुरुपयोग पर रोक लगाने व पी.सी.पी&डी.टी अधिनियम के उचित क्रियान्वयन के लिए दोनों अनुमंडल पदाधिकारी को निदेश दिया गया । उन्होने सख्त निदेश दिया कि सभी अल्ट्रासाउंड सेंटर 'लिंग निर्धारण/जांच कानूनन अपराध है' के संबंध में आमजमानस में जागरूकता लाने हेतु परिसर में बोर्ड जरूर लगायें तथा कोई भी ऐसा कृत्य नहीं करें जिससे प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण हो सके अन्यथा शिकायत प्राप्त होने या औचक जांच में पकड़े जाने पर विधि सम्मत कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त के निदेर्शानुसार परियोजना निदेशक आईटीडीए ने की आईटीडीए एवं कल्याण विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक

दैनिक समाज जागरण 24.04.2025 जिला संवाददाता चांद कुमार लायेक पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त श्री अनन्य मित्तल के निदेर्शानुसार समाहरणालय सभागार में कल्याण विभाग एवं आईटीडीए से संबंधित योजनाओं की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। परियोजना निदेशक आईटीडीए श्री दीपांकर चौधरी की अध्यक्षता में आहूत बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी श्री शंकराचार्य समद, सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, अभियंता एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में प्री मैट्रिक एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, साइकिल वितरण, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, बिरसा आवास योजना, धरती आबा योजना, छात्रावास निर्माण, कब्रिस्तान एवं जाहेरस्थान घेराबंदी सहित अन्य योजनाओं की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। परियोजना निदेशक ने कल्याण विभाग द्वारा संचालित विद्यालयों एवं छात्रावासों की जर्जर संरचनाओं के जीर्णोद्धार पर बल देते हुए अभियंताओं एवं प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर स्थल निरीक्षण कर विस्तृत प्राक्कलन तैयार कर समर्पित करने का निर्देश दिया। प्राक्कलन में रंग-रोगन, आवश्यक मरम्मतीकरण, बाउंड्रीवॉल, जल संरक्षण हेतु सोख्ता गड्ढा, दरवाजों पर जाली, विद्युत व्यवस्था, पंखा, जेनरेटर, लाइब्रेरी आदि सभी आवश्यक सुविधाओं को शामिल करने का निर्देश दिया गया। प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना में अब तक कुल लक्ष्य 1,47,504 के विरुद्ध 1,25,999 बच्चों को भुगतान किया जा चुका है। शेष 21,505 बच्चों का डाटा मिलान के उपरांत आवंटन प्राप्त होते ही भुगतान की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना में 23,063 छात्रों के डाटा वेरिफिकेशन के पश्चात 97.54 प्रतिशत यानी

22,495 छात्रों को छात्रवृत्ति राशि का भुगतान किया जा चुका है। ई-कल्याण पोर्टल में पंजीकृत पांच नए शिक्षण संस्थानों के भौतिक सत्यापन हेतु संबंधित प्रखंडों को निर्देशित किया गया है। साइकिल वितरण योजना में 75.07 प्रतिशत की उपलब्धि दर्ज की गई है, जिसे शत-प्रतिशत करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत चिन्हित लाभुकों में से जो लाभ नहीं लेना चाहते हैं, उनसे लिखित आवेदन प्राप्त कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। इस समीक्षा बैठक के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सभी संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए जिससे अधिकतम लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सके।

मानगो फ्लाईओवर निर्माण कार्य हर हाल में पूर्ण होकर रहेगाः आनन्द बिहारी दुबे

दैनिक समाज जागरण 24.04.2025 जिला संवाददाता चांद कुमार लायेक पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

जमशेदपुरः जमशेदपुर पश्चिम के विधायक श्री सरयू राय के द्वारा मानगो फ्लाईओवर निर्माण कार्य को बाधित किये जाने पर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष श्री आनन्द बिहारी दुबे के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल के द्वारा उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम को विरोध प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर श्री आनन्द बिहारी दुबे ने कहा कि जनप्रतिनिधि का दायित्व विकास कार्य को तेजी से कराये जाने एवं आमजनों के असुविधा का निराकरणा करें परन्तु जमशेदपुर पश्चिम के विधायक श्री सरयू राय इसके विपरित कार्य कर रहे हैं। मानगो फ्लाईओवर का निर्माण न केवल मानगो की जनता बल्कि जमशेदपुर की बड़ी आबादी को यातायात सुव्यवस्थित करने में मददगार साबित होगी ऐसे में श्री सरयू राय अपने राजनीतिक प्रतिद्वंदता के कारण मानगो फ्लाईओवर निर्माण कार्य को बाधित कर जमशेदपुर की यातायात व्यवस्था को और भी लचर करने की दिशा में कार्य कर रहें है। आम जनता को यह मालूम है कि मानगो फ्लाओवर निर्माण कार्य पूर्व विधायक सह मंत्री श्री बन्ना गुप्ता जी के द्वारा धरातल पर उतारा गया है। जिसका शिलान्यास राज्य के मुख्यमंत्री

श्री हेमन्त सोरेन जी के द्वारा किया गया था। ऐसे में जनहित एवं जनउपयोगी कार्य को बाधित किया जाना एक दुर्भाग्यपूर्ण कुकृत्य है। श्री सरयू राय मानगो फ्लाईओवर निर्माण कार्य का आरंभ से ही विरोध करते रहे हैं उन्होंने फ्लाईओवर कार्य को लेकर पहले तो जनता को दिग्भ्रमित करते हुए कहा था कि टाटा स्टील कभी उक्त कार्य के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं प्रदान करेगी, जब टाटा स्टील ने अनापत्ति प्रमाण पत्र दे दिया तो उनके द्वारा मानगो फ्लाईओवर कार्य को रोकने के लिए एन०जी०टी० एवं पर्यावरण विभाग को पत्रचार कर कार्य को बाधित करने का प्रयास किया था। इसके बवजूद जब मानगो फ्लाईओवर का निर्माण कार्य आरंभ हो गया तो अब वे मानगो फ्लाईओवर निर्माण कार्य को रोकने की षड़यंत्र रच रहे हैं। ऐसे अति महत्वपूर्ण एवं जन-उपयोगी विकास कार्य का विरोध करने वाले विधायक श्री सरयू राय का जमशेदपुर की जनता पुरजोर विरोध करेगी। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष श्री आन्नद बिहारी दुबे ने उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम से यह मांग करते हुए कहा है कि सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले श्री सरयू राय पर सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने का मुकदमा दायर किया जाए एवं यह सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में भी मानगो फ्लाईओवर निर्माण कार्य बाधित किये जाने की पुनार्वृति न हो अन्यथा अगर जिला प्रशासन ऐसे लोगों पर कार्रवाई नहीं करती है तो जिला कांग्रेस कमिटी सड़क पर उतर कर मुंहतोड़ जवाब देगी। जिसकी सारी जवाबदेही जिला प्रशासन की होगी। उक्त प्रदर्शन कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे, प्रदेश सचिव राकेश कुमार तिवारी, सामंता कुमार, जिला उपाध्यक्ष अवधेश सिंह, मनोज झा, रेयाज खान, ब्रजेन्द्र तिवारी, संजय सिंह आजाद, संजय तिवारी, सुखदेव सिंह मल्ली, अमर कुमार मिश्रा, धर्मा राव, राजेश चौधरी, शिबु सिंह, परविंदर सिंह सोहल, रंजीत सिंह, जे. पी. साहू, कौशल प्रधान, सुरज मुण्डा, लखिंदर करुवा, इरशाद हैदर, जफर अहमद, अजय शर्मा, हरिहर प्रसाद, सन्नी सिंह, सचिन कुमार सिंह, प्रवीण साहू, अगस्टीन विल्सन, मुकेश गुप्ता, कान्तू यादव, बेलाल गुफरानी, कुमार गौरव सहित कांग्रेसजन शामिल हुए।

बड़वारा में आतंकी हमले के खिलाफ आक्रोश,भाजपा विधायक ने जलाया पुतला

दैनिक समाज जागरण

कटनीः जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 27 पर्यटकों की जान जाने के बाद पूरे देश में शोक और आक्रोश का माहौल है। इस घटना के विरोध में कटनी जिले के बड़वारा थाना तिहारी में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकताओं और ग्रामीणों ने एकजुट होकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने शहीद हुए 27 पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और आतंकवाद तथा

पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान, उन्होंने आतंकवाद और पाकिस्तान के पुतले भी जलाए विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने इस घटना को "बेहद दुखद और हृदय विदारक" बताया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार इस हमले का मुंहतोड़ जवाब देगी और आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह घटना देश की एकता और अखंडता को चुनौती देने का प्रयास है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रदर्शन में शामिल कार्यकताओं और ग्रामीणों ने पाकिस्तान मुदार्बाद और आतंकवाद मुदार्बाद के नारे लगाए। उन्होंने सरकार से मांग की कि आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के सम्मान में भाजपा का संगोष्ठी का कार्यक्रम संपन्न

पहलगाम का आतंकी हमले बर्दाश्त नहीं :आशुतोष
अंबेडकर साहब का सम्मान नहीं करती कांग्रेस :विधायक

दैनिक समाज जागरण उमरिया

भारत रत्न एवं संविधान के रचयिता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती सप्ताह अवसर पर उमरिया भाजपा कार्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम के प्रारंभ में ही पहलगाम में हुए आतंकी हमले मे की मृत आत्माओ की शांति के लिए ईश्वर से 2 मिनट का मौन धारण किया गया और यह कहा गया कि इस कार्यक्रम में किसी का स्वागत नहीं किया जाएगा ना ही स्वागत करवाया जाएगा उमरिया जिले के भाजपा कार्यालय में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती सप्ताह के अवसर पर उनके जीवन पर आधारित एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में जिले एवं शहडोल संभाग के जयसिंहनगर की विधायक मनीष सिंह बांधवगढ़ विधानसभा के विधायक शिव नारायण सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष अंनुजा पटेल पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश सिंह मनीष सिंह पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ज्ञानवती सिंह भाजपा जिले के महामंत्री दीपक छिदवानी सहित जनपद सदस्य पार्षद गण पंच सरपंच एवं भाजपा के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे इस कार्यक्रम के हर संबोधन करता ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जीवन वह इतिहास से संबंधित संविधान में रचित हर बिंदु पर चर्चा हुई तो वही जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर गुस्सा और आक्रोश था

पंचतत्व में विलीन हुए शुभम ,सीएम योगी ने कानपुर पहुंच दी श्रद्धांजलि, बंधाया परिजनों को ढांढस

दैनिक समाज जागरण सुनील बाजपेई

कानपुर। यूपी के सीएम योगी आदित्य नाथ ने आज जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में कायरतापूर्ण आतंकी हमले में 25 अन्य लोगों के साथ गोली मारकर असमय मौत के घाट उतारे गये श्री शुभम द्विवेदी के कानपुर के महराजपुर स्थित हाथी गांव के पैतृक आवास पर पहुंचकर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ ही शोकाकुल परिजनों से भेंट कर उन्हें ढांढस भी बंधाया। सीएम योगी ने कहा कि प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोक संतप्त परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।हम पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि जिस तरीके से

आतंकवादियों ने मां-बहनों के सिन्दूर के साथ बर्बरता की है। उसी प्रकार से आतंकवादियों और उनके आकाओं को सजा जरूर मिलेगी। सीएम योगी ने यह भी कहा कि पहलगाम की घटना बताती है कि आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांस ले रहा है। उन्होंने कहा कि जाति और धर्म पूछकर बहन-बेटियों के सामने उनके सिंदूर को उजाड़ा जाए, भारत के अंदर यह कतई स्वीकार्य नहीं ह। मुख्य मंत्री ने कहा किपहलगाम की घटना बताती है कि आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांस ले रहा ह लेकिन जाति और धर्म पूछकर बहन-बेटियों के सामने उनके सिंदूर को उजाड़ा जाए, भारत के अंदर यह कतई स्वीकार्य नहीं है। यहां उनके साथ विधान सभाध्यक्ष सतीश महाना , मंत्री राकेश सचान, सांसद रमेश अवस्थी सहित भाजपा के सभी विधायक नेता और पदाधिकारियों के साथ सैकड़ों लोगं मौजूद रहे।

चाचा ने दी चिता को मुखाग्नि

आज यहां गुरुवार को जम्मू काश्मीर के पहलगाम में आतंकियों द्वारा 25 अन्य के साथ गोलीमार कर मौत के घाट उतारे गये शुभम को सैकड़ों लोगों ने अश्रुपूरित नेत्रों के साथ अतिम विधाई दी। शुभम का अ्तिम संस्कार आज यहां महराजपुर के ड्योढी घाट पर किया गया। शुभम की चिता को मुखाग्नि उनके चाचा मनोज द्विवेदी ने दी और क्रिया कर्म श्रवण कुमार पंडा द्वारा कराया गया। इस मौके पर शासन, प्रशासन और लोगों को तांता लगा रहा। इससे पहले सीएम योगी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, सांसद रमेश अवस्थी समेत अन्य लोगों ने श्रद्धांजलि दी। शुभम का नाम हर जुबान पर था। राजनेता हों या नौकरशाह, व्यापारी, छात्र, संगठन, सभी शुभम की असामयिक मौत से गुस्से में हैं। एक ही बात जुबां पर थी, मौत का बदला लो।

सूरज कपूर को भाजपा मंडल पसान अध्यक्ष बनाने की मांग उठी

दैनिक समाज जागरण

जमुना कोतमा अनूपपुर जिले में भाजपा मंडल अध्यक्ष की घोषणा कुछ दिन पूर्व ही हो गई थी लेकिन बहुचर्चित मंडल भाजपा पसान की घोषणा पर विराम लगा था सूत्रों की माने तो यहां पर दो बड़े नेताओं के वर्चस्व की लड़ाई चल रही थी इसलिए मंडल पसान की घोषणा नहीं हो सकी और वह पसान से जिले होते हुए भोपाल पहुंच गया और वहां भी फैसला नहीं हो सका लेकिन वर्तमान समय में जो नाम उभर कर सामने आ रहा है और जो जनता की मांग भी है जिस नाम पर कोई विवाद नहीं है वह है युवा नेता व समाजसेवी सूरज कपूर का जो की बदरा के पुरानी दफाई में निवास रखें वे संगठन के प्रति बहुत ही निष्ठावान है इससे पूर्व में भी वह हिंदू संगठन में रहकर

समाज सेवा का कार्य करते आ रहे हैं ज्ञात हो कि सूरज कपूर युवा नेता होने के साथ-साथ उनकी युवा वर्ग व्यापारी वर्ग समाज सेवीयों के बीच अच्छी खासी पकड़ है और यह समय-समय पर धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं और राम जानकी मंदिर में तो लगातार धार्मिक आयोजन इनके द्वारा करवाया जाता है और हर किसी के दुख सुख में खड़े रहने वाले सूरज कपूर को भाजपा मंडल अध्यक्ष बनाए जाने की मांग जोरो से चल रही है अगर इन्हें भाजपा मंडल पसान का अध्यक्ष बनाया जाता है तो सारा विवाद भी खत्म हो जाएगा क्योंकि इनका सभी बड़े जन प्रतिनिधियों से समान व्यवहार है इनके बनने से संगठन और मजबूत होगा सैकड़ो युवाओं ने इन्हें भाजपा मंडल अध्यक्ष बनाने की मांग की है अब देखना यह है कि संगठन विवादों में ही उलझा रहता है यह विवाद खत्म करने के लिए सूरज कपूर को मंडल अध्यक्ष बना देता है या तो आने वाला समय ही बताएगा

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में खनिज अधिकारी की तानाशाही चरम पर, बिना वैध खदान के हो रही जब्ती की कार्रवाई

दैनिक समाज जागरण गौरेला

जिले में रेत खदानों की अनुपस्थिति के बावजूद खनिज विभाग द्वारा लगातार ट्रैक्टर जब्ती की कार्रवाइयाँ सामने आ रही हैं, जिससे आमजन और ग्रामीण क्षेत्रों के किसान व मजदूर तबका बेहद परेशान है। हाल ही में खनिज अधिकारी शबीना बेगम के नेतृत्व में 10 ट्रैक्टरों को अवैध खनिज परिवहन के नाम पर जब्त कर लिया गया। विचारणीय बात यह है कि गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में वर्तमान में कोई भी वैध रेत खदान स्वीकृत नहीं है, ऐसे में सवाल उठता है कि जब खदान ही नहीं, तो रेत कहाँ से अवैध मानी जा रही है? क्या यह सिर्फ आम जनता को डराने-धमकाने और अवैध वसूली का तरीका नहीं?

कलेक्टर के निर्देश या अधिकारियों की मनमानी?

कलेक्टर लीना कमलेश मंडावी के निदेर्शों की आड़ में चलाए जा रहे इस अभियान में खनिज विभाग की भूमिका सवालों के घेरे में है। जिस जिले में खदानों की वैधता ही नहीं, वहां आम लोगों द्वारा घरेलू निर्माण या निजी उपयोग के लिए लाई जा रही रेत को "अवैध परिवहन" कहकर जब्त करना, प्रशासन की तानाशाही को दशार्ता है।

नहीं मिल रहा न्याय, ग्रामीण बेहाल

ग्रामीणों का कहना है कि जिन ट्रैक्टरों को जब्त किया गया है, वे रेत का घरेलू उपयोग, जैसे मकान मरम्मत या छोटी-छोटी नालियों के निर्माण के लिए ले जा रहे थे। इन्हें पकड़कर थानों में रख दिया गया है और ट्रैक्टर मालिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रशासनिक दमन बनाम संवैधानिक अधिकार

विशेषज्ञों का कहना है कि बिना वैध खदान के खनिज अधिनियम लागू कर जब्ती की कार्यवाही करना कानूनी रूप से भी संदिग्ध है। यह न केवल संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों का हनन है, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही पर भी प्रश्नचिन्ह लगाता है।

क्या आदिवासी बाहुल्य इस जिले में यह नया 'शासनतंत्र' है?

जिला प्रशासन और खनिज विभाग को चाहिए कि वे स्पष्ट रूप से जनता को बताएँ कि जब खदान ही नहीं है, तो रेत अवैध कैसे हो गई? क्या यह कार्रवाई केवल गरीबों और ग्रामीणों पर दबाव बनाने का एक हथकंडा है?

पानी का संरक्षण एवं संवर्धन कर बने पानीदारतथा धरती मां की कोख में करे जल संरक्षित- उप मुख्यमंत्री

आम जनमानस,जन प्रतिनिधि तथा सरकार मिलकर अभियान को दे रहे हैं गति- विधायक
जिले में चार हजार से अधिक जल संरचनाओं का किया जा संरक्षण एवं संवर्धन -कलेक्टर

दैनिक समाज जागरण

शहडोल 24 अप्रैल 2025- प्रदेश के उप मुख्यमंत्री, लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल की उपस्थित में शहडोल जिले में ब्यौहारी जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत टिहकी में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जन चौपाल आयोजित किया गया। जन चौपाल को सम्बोधित करते हुए प्रदेष के उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार पानी का संरक्षण एवं संवर्धन कर पानीदार बनाने का काम कर रही है,जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश के हर गांव में जन अभियान बन गया है,ऐसा करके हम धरती के कोख से अपने उपयोग में लिए जाने वाले जल को पुनः धरती के कोख में पहुंचा सकेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी तथा मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की अगुवाई में देश एवं प्रदेश में निरंतर विकास के कार्य किए जा रहे है, महिलाएं सशक्त हो रही हैं, सामाजिक कार्यों में उनकी सहभागिता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि चारों तरफ पुल पुलियों, सड़कों का निर्माण होने से व्यापार के अवसर बढ़ रहें हैं, लोगों को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जीवन का पहला सुख निरोगी काया है,सभी लोग

निरोगी रहें, इसके लिए सरकार निरोगी काया अभियान चलाकर घर घर सर्वे कराकर रोगियों की पहचान कर रही है, जिससे आमजन को गंभीर बीमारियों से बचाया जा सके। शहडोल जिला इस अभियान में तीसरे स्थान पर है, जिसके लिए जिला प्रशासन तथा सी. एम. एच. ओ. डॉ. राजेश मिश्रा को बधाई दी। जन चौपाल को संबोधित करते हुए विधायक ब्यौहारी श्री शरद कोल ने मै बचपन में देखा है कि गांव के तालाब, कुआं, बावड़ी, में कभी पानी की कमी नहीं होती थी। सभी जगह साल भर पानी भरपूर मात्रा में रहता था, लेकिन अब इस दौर में कुआं,तालाब एवं बावड़ी का पानी गर्मी का सीजन आते ही सूख जाता है। उन्होंने कहा कि हमें आसपास के तालाब, कुआं, बावड़ी सहित अन्य जल संरचनाओं को बचाना होगा। उनकी साफ सफाई कर उनका जीर्णोद्धार करना होगा। विधायक ने कहा कि पानी को सहेजने एवं संरक्षण हेतु प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश भर में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया है। इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश भर में विभिन्न प्रकार के जल स्त्रोतों की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें पानी की एक-एक बूंद को संरक्षित करना है पानी की जितनी आवश्यकता है उतना ही उपयोग करना है। पानी को व्यर्थ में नहीं बहाना है। विधायक श्री शरद कोल ने लोगो से अपील करते हुए कहा कि आप सब जल गंगा संवर्धन अभियान में जुड़कर जल संरचनाओं की साफ सफाई करें उनको बचाए रखने हेतु कार्य करें। कलेक्टर डॉ.केदार सिंह ने जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में चार हजार से अधिक जल संरचनाओं का चयन किया गया है,एक तिहाई कार्य प्रारंभ किए जा चुके हैं, लगातार जल चौपाल लगाकर लोगों को सहभागी बनाया जा रहा है । इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री राम जी श्रीवास्तव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री नरेंद्र सिंह धुर्वे, सीएमएचओ श्री राजेष मिश्रा, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री विवेक पाण्डेय, सरपंच माया कोल, ए. पी. ओ. मनोज मिश्रा,कार्यपालन यंत्री ग्रा.या.सेवा के.पी. पटेल, राजेश्वर उदानिया, राजेश तिवारी, राकेश तिवारी, श्रीमती विजय लक्ष्मी राकेश तिवारी,प्रिंसू सिंह,कालू कोल, विनय पाण्डेय, रघु तिवारी सहित अन्य लोग

अनूपपुरः यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए सैफ रिजवी की दावेदारी, युवाओं का मिल रहा जोरदार समर्थन

दैनिक समाज जागरण अनूपपुर

अनूपपुर जिले में यूथ कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए युवा नेता सैफ रिजवी ने अपनी दावेदारी पेश की है। उनकी इस दावेदारी को जिले के युवा कांग्रेस कार्यकताओं का भारी समर्थन मिल रहा है। सैफ के नेतृत्व में यूथ कांग्रेस को नई ऊर्जा और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे युवाओं का मनोबल बढ़ेगा और कांग्रेस पार्टी का आधार और सशक्त होगा।सैफ रिजवी सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं और युवाओं के बीच उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। वह न केवल युवाओं की समस्याओं को समझते हैं, बल्कि उनकी मदद के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उनकी सक्रियता और समर्पण ने उन्हें जिले में एक उभरते हुए युवा नेता के रूप में स्थापित किया है। सैफ रिजवी के

पिता स्वर्गीय अजहर अब्बास रिजवी भी कांग्रेस पार्टी के समर्पित नेता थे, जिन्होंने जिले में पार्टी के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए सैफ ने राजनीतिक कमान संभाली और अपनी मेहनत व लगन से युवाओं के बीच अपनी पहचान बनाई। कार्यकताओं का मानना है कि सैफ का यूथ विधानसभा अध्यक्ष बनना न केवल युवा कांग्रेस को नई दिशा देगा, बल्कि जिले में पार्टी की स्थिति को और मजबूत करेगा। सैफ रिजवी की दावेदारी और उनके प्रति युवाओं के उत्साह को देखते हुए यह स्पष्ट है कि वे अनूपपुर में कांग्रेस के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो सकते हैं।

चचाई सेलो प्लांट से उड़ती रखड़ बनी आफत, आमजन का जीवन संकट में - प्रशासन बना तमाशबीन

दैनिक समाज जागरण चाचाई

चचाईः एक तरफ विकास की बातें होती हैं, दूसरी ओर चचाई में बन रहे सेलो प्लांट ने आमजन के जीवन को संकट में डाल दिया है। मुख्य मार्ग पर स्थित इस प्लांट से लगातार उड़ रही राख (रखड़) ने पूरे इलाके को धूल-धुएं के गुबार में तब्दील कर दिया है। हालत ये है कि सामने से आती गाड़ियाँ तक दिखाई नहीं देतीं, जिससे आए दिन सड़क दुर्घटनाएँ हो रही हैं। प्लांट के समीप बसे ग्रामीणों की ज़िंदगी पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो चुकी है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक, सभी किसी न किसी बीमारी से ग्रसित हैं झ सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन, खांसी, चर्म रोग जैसे लक्षण आम हो गए हैं। वातावरण में घुली इस जहरीली धूल ने जैसे पूरे इलाके को बीमार बना दिया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने कई बार पर्यावरण विभाग और प्रशासन से शिकायत की, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। "न जांच, न निरीक्षण - बस झूठे आश्वासन मिलते हैं," एक बुजुर्ग ग्रामीण ने रोष जताते हुए कहा। लोगों की मांग है कि प्लांट से निकलने वाली राख पर तत्काल नियंत्रण किया जाए, सड़क की नियमित सफाई और जल छिड़काव की व्यवस्था हो, और स्वास्थ्य शिविर लगाकर प्रभावितों का इलाज कराया जाए। अब सवाल यह है - क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? या फिर जनता की जान की कीमत अब सिर्फ आंकड़ों तक सीमित रह गई है?

रिलायंस सी.बी.एम प्रोजेक्ट ठेकेदार प्रदीप जैन से कार्य कराने को दिया लेकिन नौसिखिया ठेकेदार अंकित जैन के द्वारा कार्य कराया जा रहा था गैस पाइप लाइन फटने से ग्रामीण जान दहशत में चंगेरा में मातम माहौल छाया हुआ है*

दैनिक समाज जागरण

*शहडोल जिले के सी.बी.एम प्रोजेक्ट रिलायंस के ठेकेदार प्रदीप जैन से चालू गैस पाइप लाइन मेंटेनेंस का कार्य कराया जाना था लेकिन प्रदीप जैन ने मामा भांजे की मानवता के चक्कर में चंगेरा के ग्रामीणों के जान से खिलवाड़ करना उचित समझा और नौसिखिया ठेकेदार अंकित जैन को चालू गैस पाइप लाइन मेंटेनेंस का कार्य करने के लिए सौंप दिया लेकिन नौसिखिया ठेकेदार अंकित जैन के द्वारा चालू गैस पाइप लाइन में मेंटेनेंस का कार्य कराया जा रहा था अचानक चालू गैस पाइप लाइन ब्लास्ट होने से ग्रामीणों में चंद मिनट में दहशत में चंगेरा क्षेत्र में

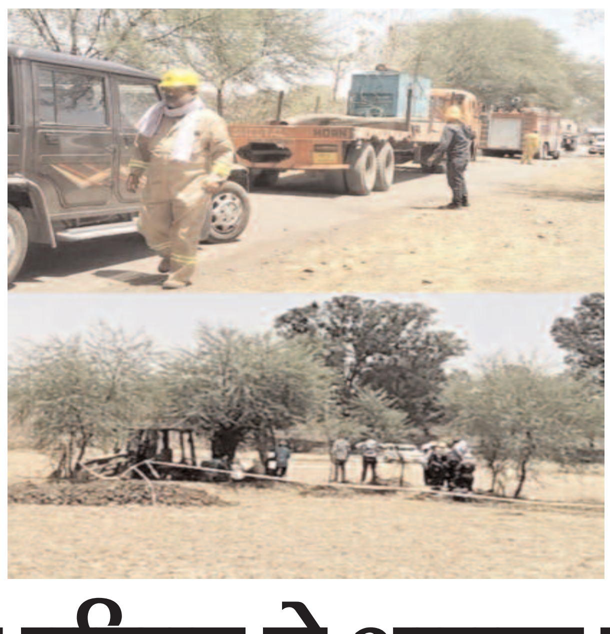

मातम माहौल छा गया है जहां पर चालू गैस पाइप लाइन में गंभीर ठोकर लगने से गैस पाइप लाइन अचानक ब्लास्ट हुआ जिससे ज्वलन सील गैस बाहर आया और कुछ ही समय में आग की लपटों में तब्दील हो गया चंगेरा क्षेत्र में देखते देखते पूरे गांव वाले एक साथ इकट्ठा हो गए गांव में अफरा-तफरी माहौल बन चुका था सीबीएम प्रोजेक्ट के कर्मचारी वर्ग पूरे गांव वासियों के गैस चूल्हा को बंद करने में जुट गए कि किसी बड़ी घटना को घटना में समय ना लगे केवल नौसिखिया ठेकेदार अंकित जैन के कारण पूरा गांव एक ही झटके में सो सकता था ऐसे ठेकेदारों का प्रशासन भी लाइसेंस कैंसिल करें और रिलायंस सी.वी.एम प्रोजेक्ट नौसिखिया ठेकेदारों अंकित जैन का लाइसेंस कैंसिल करके बाहर का रास्ता दिखाएं क्योंकि अगर बिना अनुभव के कार्य कराया जाएगा तो पूरे क्षेत्र के जनता के जान से खिलवाड़ किया जाएगा श्रम विभाग और सुरक्षा की दृष्टि से ठेकेदार अंकित जैन के द्वारा मजदूरों की सुरक्षा से खिलवाड़ किया जा रहा है आखिरकार क्षेत्र की जनता के जान से खिलवाड़ कर रहा नौसिखिया ठेकेदार अंकित जैन जिम्मेदारों ने आखिरकार पूरी जिम्मेदारी नौसिखिया ठेकेदार पर कैसे निर्भर कैसे कर दी पूरा रिलायंस अमला सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षा किट सुरक्षा के लिए मजदूरों के लिए किस प्रकार से ज्वलनशील पदार्थ से बचने के लिए सुरक्षा व्यवस्था करता है लेकिन रिलायंस के इस रवैया से क्षेत्र की जनता में काफी आक्रोश देखने को मिला नौसिकिया ठेकेदार के द्वारा कार्य कराये जाने से क्षेत्र की जनता के जान से खिलवाड़ किया जा रहा है ऐसे ठेकेदारों का लाइसेंस कैंसिल करना चाहिए चंगेरा क्षेत्र की जनता के लिए कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं की जाती हैं भारत सिंह ग्राम पंचायत चंगेरा सरपंच पति जनपद पंचायत बुढार बिना अनुभवी ठेकेदार के द्वारा चालू गैस पाइपलाइन में कार्य कराए जाने से क्षेत्र की जनता के जान से खिलवाड़ किया गया मैं घोर निंदा करता हूं सी.बी.एम प्रोजेक्ट का कमलेश सिंह चंगेरा ग्राम पंचायत ग्रामीण

अधिवक्ता परिषद ने आयुक्त एवं उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन।

मनोज कुमार ब्यूरो चीफ
दैनिक समाज जागरण हजारीबाग।

अधिवक्ता परिषद, जिला इकाई हजारीबाग द्वारा आयुक्त एवं उपायुक्त को अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के राष्ट्रीय कार्य समिति बैठक दिनांक 13 अप्रैल 2025 विजयवाडा, आंध्र प्रदेश में पारित किए गए प्रस्ताव की छाया प्रति के साथ ज्ञापन सौंपा गया जिसमें देश के स्वतंत्र न्यायपालिका और

उसकी जवाबदेही तय करने हेतु महामहिम राष्ट्रपति और माननीय मुख्य न्यायाधीश, भारत सरकार को अग्रसारित करने का आग्रह किया गया।आग्रह पत्र में अनुरोध किया गया कि एक नया कानून तत्काल लाया जाए ताकि नियुक्ति और न्यायिक आचरण की निगरानी की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी तरीके से हो सके। ज्ञापन सौंपने वाले अधिवक्ताओं में अधिवक्ता परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ० संतोष पांडेय, जिला अध्यक्ष विनोद कुमार, मंत्री वासुदेव राणा, कोषाध्यक्ष कपिलदेव राणा, जिला मीडिया प्रभारी अमित मिश्रा, जिला कार्यकारिणी सदस्य कौशल कुमार ओझा, राजेश कुमार रंजन , अनुज कुमार पाठक,रामेश्वर प्रसाद, चांदनी कुमारी,सहोदर प्रसाद, रामदीन पासवान, अरविंद दास भुवनेश्वर गोप, राजेंद्र प्रसाद, भैया विवेक प्रियदर्शी, रवि दुबे आदि शामिल थे।

अटारी वाघा बॉर्डर के रास्ते भारत और पाकिस्तान के यात्रियों का पलायन शुरू

- कस्टम विभाग में पैसेंजर टर्मिनल को किया बंद

रघुनंदन पराशर जैतो समाज जागरण पंजाब चीफ ब्यूरो

जैतो ,24 अप्रैल :पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों की तरफ से निर्दोष सैलानियों की हत्या किए जाने के विरोध में केंद्र सरकार की तरफ से आदेश अनुसार अटारी बॉर्डर पर कस्टम विभाग ने पैसेंजर टर्मिनल को बंद कर दिया है वहीं दोनों तरफ के यात्रियों का पलायन शुरू हो गया है जो पाकिस्तानी यात्री भारत में आए हुए थे उन्होंने वापस जाना शुरू कर दिया है और जो भारतीय यात्री पाकिस्तान गए हुए थे वह भी लगातार वापस आ रहे हैं.दूसरी तरफ जॉइंट चेक पोस्ट अटारी बॉर्डर पर बीएसएफ और पाकिस्तान रेंजर्स के बीच होने वाली परेड का शाम 4:00 बजे तक सशय जारी रहा लेकिन बाद में बीएसएफ की तरफ से यात्रियों को परेड स्थल की तरफ जाने की आज्ञा दे दी गई.. यहां बता दें कि 14 फरवरी 2019 को जब पुलवामा हमला हुआ था तो उसे समय न सिर्फ अटारी बॉर्डर की परेड को भी बंद कर दिया गया था बल्कि अमृतसर में बॉर्डर के नजदीक का 10 किलोमीटर का इलाका भी सेवा की तरफ से खाली कर लिया गया था हालांकि मौजूदा समय में अभी इस प्रकार के कोई आदेश केंद्र सरकार की तरफ से जारी नहीं हुए हैं

कनाडा में गोली लगने से मारी गई छात्रा हरसिमरत कौर रंधावा का पार्थिव शरीर आज दिल्ली पहुंचेगा : ब्रह्मपुरा

रघुनंदन पराशर जैतो समाज जागरण पंजाब चीफ ब्यूरो

जैतो, 24 अप्रैल :शिरोमणि अकाली दल के उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रविंदर सिंह ब्रह्मपुरा ने एक बयान में कहा कि वह एक बहुत ही दुखद समाचार साझा कर रहे हैं। मेरे निर्वाचन क्षेत्र खडूर साहिब के गांव धुंदा निवासी छात्रा हरसिमरत कौर रंधावा की बेटी की कनाडा में गोली लगने से मौत हो गई, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। कल मैं गांव धुंदा में मृतका हरसिमरत कौर जी के शोकाकुल परिजनों से मिला तथा उनके प्रति गहरा दुख व सहानुभूति व्यक्त की। इस दौरान मैंने परिवार को विदेश मंत्रालय के माध्यम से भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा प्राप्त सूचना से भी अवगत कराया। परिवार की मुख्य मांग थी कि उनकी बेटी का पार्थिव शरीर जल्द से जल्द भारत लाया जाए ताकि वे उसका अंतिम संस्कार कर सकें। इस संबंध में मैंने एक बार फिर विदेश मंत्रालय से अनुरोध किया। मुझे यह कहते हुए थोड़ी राहत महसूस हो रही है कि इस मामले में केंद्रीय विदेश मंत्री श्री एस जयशंकर जी के हस्तक्षेप से पार्थिव शरीर को वापस लाने की प्रक्रिया बहुत जल्दी पूरी हो गई है। कनाडा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने मुझे आज सुबह (24 अप्रैल 2025) सूचित किया है कि हरसिमरत कौर रंधावा का पार्थिव शरीर आज 24 अप्रैल 2025 को एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या अक 188 से भेज दिया गया है। यह फ्लाइट 25 अप्रैल 2025 को नई दिल्ली पहुंचेगी। वह इस त्वरित कार्रवाई के लिए और इस कठिन घड़ी में परिवार का साथ देने के लिए केंद्र सरकार और विशेष रूप से विदेश मंत्रालय का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि इससे परिवार पर आए दुख का पहाड़ कम नहीं हो सकता, लेकिन इस कठिन घड़ी में अपने लोगों की सेवा में उपस्थित रहना मेरा नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि हम सभी दुख की इस घड़ी में परिवार के साथ खड़े हैं।

एडवोकेट धामी ने दिल्ली एयरपोर्ट पर सिंह साहिब ज्ञानी रघबीर सिंह के साथ हुए दुर्व्यवहार की निंदा की

रघुनंदन पराशर जैतो दैनिक समाज जागरण पंजाब चीफ

जैतो, 24 अप्रैल : शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने दिल्ली अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सचखंड श्री हरमंदिर साहिब के मुख्य ग्रंथी सिंह साहिब ज्ञानी रघबीर सिंह के साथ हुए अनुचित व्यवहार की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय के अत्यंत सम्मानित और धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण व्यक्तित्व के साथ एयर इंडिया के कर्मचारियों द्वारा किया गया दुर्व्यवहार निराशाजनक है। एडवोकेट धामी ने कहा कि यह मामला केवल एक व्यक्ति के साथ दुर्व्यवहार का नहीं है, बल्कि सिख धर्म और उसके सम्मानित व्यक्तित्व का भी अपमान है। उन्होंने केंद्रीय विमानन मंत्री से इस घटना की तुरंत जांच की मांग की और कहा कि दुर्व्यवहार करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह भी महत्वपूर्ण है कि भारतीय एयरलाइंस भविष्य में किसी भी यात्री के साथ ऐसा व्यवहार न करें जो देश के लिए शर्मनाक साबित हो। उन्होंने कहा कि शिरोमणि कमेटी ने सिख मिशन दिल्ली के प्रभारी को आदेश दिया है कि वे इस मामले को अधिकारियों के समक्ष उठाएं तथा अन्य आवश्यक कदम उठाएं।

सेठ राम नाथ सिविल अस्पताल जैतो ने नशे के खिलाफ युद्ध पर जागरूकता कैंप लगाया

रघुनंदन पराशर जैतो दैनिक समाज जागरण पंजाब चीफ ब्यूरो

जैतो, 24 अप्रैल : पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई मुहिम नशे के खिलाफ जंग के तहत स्वास्थ्य विभाग के दिशा-निदेर्शों के अनुसार सिविल सर्जन डॉ. चंद्रशेखर कक्कड़, डिप्टी मेडिकल कमिश्नर डॉ. विश्वदीप गोयल, सेठ राम नाथ सिविल अस्पताल जैतो के एसएमओ डॉ. वरिंदर कुमार जैतो, मेडिकल अफसर डॉ. राजवीर कौर, सिविल अस्पताल जैतो की ओट सेंटर काउंसलर अमनदीप कौर की अगुवाई में सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल गोविंदगढ़ डबरीखाना में नशे के खिलाफ जागरूकता कैंप लगाया गया। जिसमें नशे के बुरे प्रभावों के बारे में बताया गया। यहां यह भी बताया गया कि नशा किस तरह जानलेवा हो सकता है। इसके साथ ही नशे की लत से पीड़ित लोगों के मुफ्त इलाज के बारे में भी जानकारी दी गई और जिले में चल रहे नशा मुक्ति केंद्र, पुनर्वास केंद्र और ओट्स सेंटरों के बारे में भी जानकारी दी गई। इसके साथ ही सरकार की ओर से समय-समय पर नशे की लत से पीड़ित लोगों के लिए शुरू किए गए वोकेशनल कोर्सों के बारे में भी जानकारी दी गई। इस प्रकार बच्चों को नशे के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर स्कूल इंचार्ज श्रीमती पुष्पिंदर कौर, श्री हरप्रीत सिंह (एस.एस. मास्टर), श्री गौतम राम (हिंदी मास्टर), श्री जसवीर सिंह (डी.पी.ई.) व बच्चे उपस्थित थे। सिविल अस्पताल जैतो में आयोजित कार्यक्रम के दृश्य।

मानव एकता दिवस के उपलक्ष में 100 यूनिट रक्तदान

संत निरंकारी मिशन द्वारा निष्काम सेवा का अनुपम संकल्प

दैनिक समाज जागरण रघुनंदन पराशर जैतो पंजाब चीफ ब्यूरो

जैतो,24 अप्रैल :- संत निरंकारी मिशन ब्रांच जैतो के मुखिया अशोक धीर ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि प्रेम और भाईचारे की भावना को उजागर करता ह्यमानव एकता दिवसह्न, निरंकारी मिशन द्वारा प्रति वर्ष 24 अप्रैल को बाबा गुरबचन सिंह जी की पावन स्मृति में श्रद्धा और आध्यात्मिक भावनाओं से परिपूर्ण वातावरण में आयोजित किया जाता है। यह दिन केवल पुण्य स्मरण का अवसर नहीं, अपितु मानवता, सौहार्द और एकत्व की भावनाओं का एक आत्मिक संगम है।मानव एकता दिवस के अवसर पर मिशन द्वारा देशभर में रक्तदान की प्रेरक श्रृंखला आरंभ होती है, जो निःस्वार्थ सेवा भावना की सामूहिक जागृति का स्वरूप बनकर पूरे वर्ष समाज में प्रवाहित होती रहती है। इसके साथ ही सत्संग कार्यक्रमों के माध्यम से प्रेम, शांति और समरसता का प्रकाश भी जन-जन तक पहुँचाया जाता है। यह दिन इस बात का परिचायक है कि सेवा केवल एक कार्य नहीं, अपितु निष्काम समर्पण का आत्मिक भाव है।इस वर्ष भी, संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा पूरे भारतवर्ष की लगभग 500 से अधिक ब्रांचों पर भव्य रक्तदान शिविरों की अविरल श्रृंखला आयोजित की गई। इसी लड़ी में गुरु हर सहाय के संत निरंकारी सत्संग भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जहाँ मिशन के श्रद्धालु भक्तों के साथ साथ शहर निवासी भी अधिक संख्या में सम्मिलित हुए। सभी ने पूर्ण उत्साह और समर्पण के साथ स्वेच्छा भाव से रक्तदान कर मानव कल्याण में अपना सहयोग दिया। जोन फिरोजपुर के जोनल इंचार्ज ऐन ऐस गिल और गुरु हर सहाय ब्रांच के मुखी विजय कुमार ने बताया कि युगद्दष्टा बाबा गुरबचन सिंह जी ने सत्य बोध के माध्यम से समाज को अंधविश्वासों और कुरीतियों से मुक्त कर, नशा मुक्ति, सादा विवाह और युवाओं को सकारात्मक सोच के साथ जोड़ने जैसे लोक-कल्याणकारी अभियानों की प्रेरक शुरूआत की। उनके पावन मार्गदर्शन को आगे बढ़ाते हुए बाबा हरदेव सिंह जी ने ह्लरक्त नाड़ियों मेंबहे,नालियों में नहींह्व का अमर संदेश देकर रक्तदान को मिशन की आध्यात्मिक सेवा का अभिन्न अंग बना दिया। यह संदेश आज भी प्रत्येक निरंकारी भक्त के हृदय में सेवा और समर्पण की प्रेरक लौ बनकर जीवंत है।यह दिवस चाचा प्रताप सिंह जी सहित उन सभी समर्पित बलिदानी संतों की पुण्य स्मृति का प्रतीक है, जिन्होंने मानव एकता, निःस्वार्थ सेवा और आध्यात्मिक चेतना के मार्ग पर चलते हुए अपना संपूर्ण जीवन अर्पित कर दिया। मानव एकता दिवस उन्हीं संतों के दृढ़ विश्वास व संकल्प की प्रेरणा को जीवंत करता है।इन रक्तदान शिविर में फिरोजपुर सिविल अस्पताल के ब्लड बैंक से आए डाक्टरों की टीम ने 100 यूनिट रक्त एकत्रित किया। यहां जिक्रयोग हैं कि इस कैंप में मिशन द्वारा स्वच्छता का विशेष ध्यान और रक्तदाताओं के लिए उत्तम जलपान व्यवस्था ने इस सेवा को और भी व्यवस्थित एवं सम्मानजनक बनाया।यह महाअभियान केवल रक्तदान नहीं, बल्कि सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की करुणा, सेवा और एकत्व के संदेश को जीवन में उतारने का सजीव माध्यम है जो हमें सिखाता है कि मानवता ही सर्वोच्च धर्म है। इसी प्रेरणा से प्रेरित संत निरंकारी मिशन, सेवा और समर्पण के पथ पर निरंतर मानवता का मार्ग कुमार और फिरोजपुर के क्षेत्रीय संचालक आत्मा सिंह ने सभी सेवादारों, सहयोगियों और रक्तदान करने वालों का विशेष धन्यवाद किया।

पक्षियों के लिए पेड़ों पर लटकाऐ सकोरे

कालांवाली 24 अप्रैल (सुरेश जोरासिया) समीपवर्ती गांव रघुआना स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्काउट्स युनिट द्वारा स्काउट मास्टर जगदीश चांदोरा के नेतृत्व में पक्षियों के लिए पेड़ों पर सकोरे लटकाए गए। विद्यालय में लगे पेड़ों पर करीब 40 सकोरे पानी से भरकर लगाए गए

हैं।जगदीश चांदोरा ने बच्चों को जागरूक करते हुए कहा कि गर्मी में पक्षियों के लिए दाने पानी की व्यवस्था जरूर करें इसके लिए कोशिश करें अपने घरों में या आसपास जोहड़ो, धार्मिक स्थलों व सार्वजनिक स्थानों पर पेड़ों पर पक्षियों के लिए सकोरे लटकाए जाएं तो बहुत ही पुन्य का कार्य होगा।विद्यालय में पक्षियों के लिए पेड़ों पर पानी से भरकर लटकाए गए।सकोरों को लेकर प्रिसिंपल एवं स्कूल स्टाफ ने भी इसे सराहनीय योगदान बताया। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ वर्षों से रघुआना के स्काउट्स ने इस पुण्य कार्य को बड़ी संजीदगी से पूरा किया है तथा आगे भी स्काउट्स लगातार इस कार्य को करते रहेंगे।

कस्बे के श्री राजीव गांधी खेल स्टेडियम में दो दिवसीय श्री अलख वालीबाल प्रतियोगिता आगामी 27 व 28 अप्रैल को बहल में

दैनिक समाज जागरण, (महेन्द्र जावला बहल)

बहल, 24 अप्रैल। कस्बे के श्री राजीव गांधी खेल स्टेडियम में दो दिवसीय श्रीअलख वालीबाल प्रतियोगिता आगामी 27 व 28 अप्रैल को खेली जाएगी। प्रतियोगिता की विजेता उपविजेता टीम को नगद राशि के पुरस्कार भेट की जाएगी। प्रतियोगिता के मुख्यातिथि बजरंग भीमराज खन्ना एनआरआई इटली प्रतियोगिता का उद्घाटन करेंगे। खेल प्रतियोगिता के प्रवक्ता ने बताया कि प्रथम विजेता वालीबाल टीम को 41 हजार रुपए व विजेता ट्राफी और द्वितीय स्थान पर रहने वाली टीम को 31 हजार रुपए नगद पुरस्कार व ट्राफी दी जाएगी तथा खेल प्रतियोगिता के बेस्ट अटेकर, बेस्ट सैटर, बेस्ट लबेरो व बेस्ट ब्लाकर को भी आकर्षक के नाम दिए जाएंगे।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अध्यक्ष धामी ने भाई पिंदरपाल सिंह के पिता के निधन पर शोक व्यक्त किया

रघुनंदन पराशर जैतो समाज जागरण पंजाब चीफ ब्यूरो

जैतो, 24 अप्रैल : एसजीपीसी अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने सिख समुदाय के प्रसिद्ध कथावाचक भाई साहिब भाई पिंदरपाल सिंह के पिता स. हरदयाल सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। एडवोकेट धामी ने अपने शोक संदेश में कहा कि स. हरदयाल सिंह जी एक विनम्र, गुरसिख जीवन और उच्च आदर्शों वाले व्यक्ति थे। यह सिख धर्म के प्रति उनकी दूरदर्शिता और समर्पण का ही परिणाम है कि आज भाई साहिब भाई पिंदरपाल सिंह सिख संगत को गुरबाणी की समझ और सिख इतिहास की प्रेरणा से जोड़ रहे हैं। एसजीपीसी अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे पिता के प्रति राष्ट्र द्वारा दिखाया गया सम्मान कोई सामान्य घटना नहीं बल्कि गहरी सहानुभूति और स्नेह की अभिव्यक्ति है। एडवोकेट धामी ने इस दुखद अवसर पर भाई पिंदरपाल सिंह जी और उनके परिवार के साथ अपना दुख साझा करते हुए परमात्मा से दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की।

तीन वर्ष बाद कस्बे के राजकीय महिला महाविद्यालय कि छात्राओं को खूद के महाविद्यालय के परीक्षा केंद्र पर ही देनी नसीब होंगी परीक्षाएं

इससे पहले कालेज की छात्राएं कस्बे के एक निजी कालेज के परीक्षा केंद्र पर कस्बे से दूर परीक्षाएं देने जानें को होती थी मजबूर

दैनिक समाज जागरण, (महेन्द्र जावला बहल)

बहल, 24 अप्रैल। तीन वर्ष बाद कस्बे के राजकीय महिला महाविद्यालय कि छात्राएं खूद के महाविद्यालय के परीक्षा केंद्र पर परीक्षाएं देने नसीब हो सकेंगी। इससे पहले कालेज की छात्राएं कस्बे के एक निजी कालेज के परीक्षा केंद्र पर कस्बे दूर परीक्षाएं देने जानें को मजबूर थी। छात्राओं की मांग व अल्टीमेटम को देखते हुए चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक ने मांग को जायज मानते हुए महाविद्यालय में ही परीक्षा केंद्र बनाने का पत्र जारी कर दिया और छात्राओं में खुशी की लहर है बल्कि विश्वविद्यालय प्रशासन का इसके लिए आभार जताया है। चालू परीक्षा स्तर की परीक्षाएं अब राजकीय महिला महाविद्यालय के केंद्र कोड 121-1 के तहत होंगी। इसके लिए सीबीएलयू के परीक्षा नियंत्रक ने महिला महाविद्यालय के प्राचार्य को पत्र जारी कर दिया है। आने वाली मई व जून महीने में होने वाली यूजी व पीजी कोर्सेज की परीक्षाएं राजकीय महिला महाविद्यालय के परीक्षा केंद्र पर होगी। ज्ञातव्य रहे कि कुछ दिन पूर्व महाविद्यालय की छात्राओं ने प्राचार्य के माध्यम से सीबीएलयू प्रशासन को कालेज में परीक्षा केंद्र बनाने के लिए पत्र भेजा था और पत्र में परीक्षा केंद्र न बनाने को लेकर अभिभावकों के साथ आंदोलन करने का अल्टीमेटम भी दिया था। महाविद्यालय की छात्राओं ने कालेज प्राचार्य व स्टाफ का भी आभार जताया है कि उन्होंने उनकी मांग को गंभीरता से लेते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन को अवगत कराने में तत्परता दिखाई।

पृथ्वी दिवस के उपलक्ष में जीडीसी महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

कार्यक्रम के समापन के उपरांत महाविद्यालय परिसर में चलाया गया पौधारोपण अभियान

दैनिक समाज जागरण, (महेन्द्र जावला बहल)

बहल,24 अप्रैल । स्थानीय शिक्षण संस्थान के जीडीसी महाविद्यालय में आज भूगोल विभाग की ओजोन सेल और महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में पृथ्वी दिवस- 2025 के उपलक्ष्य में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अध्यक्षता डॉक्टर एसके सिन्हा प्राचार्य जीडीसी महाविद्यालय एवं निदेशक बीआरसीएम शिक्षण संस्थान ने की।

कार्यक्रम का संचालन डॉ अशोक कुमार एनएसएस, कार्यक्रम अधिकारी द्वारा किया गया उन्होंने कार्यक्रम में सभी स्वागत करते हुए पृथ्वी दिवस की मेहता और भारतीय ज्ञान परंपरा में पृथ्वी संरक्षण एवं पर्यावरण हेतु बताए गए उपचार की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को व्यक्त किया और वैदिक परंपरा में पर्यावरण संरक्षण के पहलुओं से अवगत करवाया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता की भूमिका में श्री हिमांशु ग्रोवर विभाग अध्यक्ष भूगोल विभाग रहे जिन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि पृथ्वी दिवस- 2025 की थीम "हमारी शक्ति, हमारा ग्रह" है उन्होंने बताया कि यह थीम इस ओर संकेत करती है कि स्थायी और नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों को अपनाकर ही हम एक समृद्ध और सुरक्षित भविष्य की नींव रख सकते हैं। यह थीम सरकार, संस्थाओं और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सामूहिक ज़िम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करती है। हिमांशु ग्रोवर ने एक पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से पृथ्वी दिवस के इतिहास, इसके महत्व और आज की आवश्यकता पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पृथ्वी दिवस की शुरूआत 1970 में अमेरिकी सीनेटर जेराल्ड नेल्सन द्वारा पर्यावरण शिक्षा के रूप में की गई थी और आज यह 200 के लगभग देशों में प्रतिवर्ष मनाया जाता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. एस. के. सिन्हा ने विद्यार्थियों और उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि पृथ्वी दिवस केवल एक दिवस नहीं बल्कि एक चेतना है, जो हमें प्रकृति के प्रति हमारे उत्तरदायित्वों की याद दिलाती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग से हम एक स्वस्थ, समतामूलक और टिकाऊ समाज की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। साथ ही उन्होंने वर्तमान समय में हो रहे संसाधनों के अति दोहन और जलवायु परिवर्तन की गंभीरता को रेखांकित करते हुए यह अपील की कि पर्यावरण संरक्षण की शुरूआत हमें अपने घर-परिवार से ही करनी होगी।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के स्नातकोत्तर विभाग इतिहास एवं भूगोल और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्र नवीन ने पृथ्वी दिवस की प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जबकि छात्राओं पूजा, अनुजा, कौशल्या और काजल ने प्रेरणादायक भाषणों और कविताओं के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के समापन के उपरांत महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण अभियान चलाया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकगण ने मिलकर विभिन्न पौधे लगाए। इसके साथ ही गर्मी के मौसम में पक्षियों के जीवन रक्षा हेतु महाविद्यालय परिसर में अनेक स्थानों पर पानी के पत्र स्थापित करवाए गए। इस आयोजन ने सभी प्रतिभागियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और संरक्षण के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी विभागों के शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

11वीं हरियाणा बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में वीरवार को विशेष रूप से योगा प्रशिक्षण दिया गया

दैनिक समाज जागरण, (महेन्द्र जावला बहल)

बहल, 24 अप्रैल। 11वीं हरियाणा बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में वीरवार को विशेष रूप से योगा प्रशिक्षण दिया गया। इसके पश्चात मेजर डा.अश्वनी चिकित्सा अधिकारी, रिक्यूटिंग ऑफिस चरखी दादरी ने शिरकत की। बटालियन एनसीसी के कमांडिंग आफिसर कर्नल राजेश दहिया व डिप्टी कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल थामस कुट्टी एनसी द्वारा उनका हार्दिक अभिनंदन किया गया। उन्होंने एनसीसी कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि सेना में भर्ती होने के लिए विभिन्न तरीको में एनसीसी कैडेट्स का चयन एक श्रेष्ठ विधि है। जिससे नौसेना, वायुसेना, और भारतीय सेना में युवा कैडेट्स को शामिल किया जाता है। एनसीसी अधिकारियों की भर्ती विभिन्न तरीकों से हो सकती है। एनसीसी सर्टिफिकेट के आधार पर, आप सेना भर्ती रैलियों या एग्जामिनेशन के माध्यम से भारतीय सेना में अधिकारी के पद के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने अग्निवीर भर्ती के बारे में भी पूरी प्रक्रिया को विस्तार से बताया। भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में शामिल होने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रवेश हैं। नेशनल डिफेंस अकैडमी (एनडीए) में 12वीं कक्षा के उत्तीर्ण छात्रों के लिए एक विकल्प है। एयर फोर्स, आर्मी, और नौसेना के लिए एक आवेदन प्रक्रिया के अंतर्गत इस परीक्षा को दिया जाता है। संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा (सीडीएस) के तौर पर भारतीय वायुसेना, भारतीय थलसेना, और भारतीय नौसेना में अधिकारी बनने के लिए एक अन्य विकल्प है। यह परीक्षा स्नातक स्तर के उम्मीदवारों के लिए है टेक्निकल एंट्री स्कीम (टीईएस) यह योजना सैन्य विज्ञान और इंजीनियरिंग के स्नातकों के लिए एक विशेष प्रवेश प्रक्रिया प्रदान करती है जो भारतीय आर्मी में अधिकारी बनना चाहते हैं। अकादमिक एंट्री स्कीम (यूईएस) यह एक विशेष एंट्री स्कीम है। जिसके तहत शैक्षिक संस्थानों में अध्ययन कर रहे उम्मीदवारों को इंडियन आर्मी में अधिकारी बनने का मौका मिलता है।

जूनियर कमिशन आफिसर (जेसीओ) भर्ती का एक अन्य विकल्प है। जिसमें भारतीय आर्मी में अधिकारी बनने के लिए नायक अधिकारियों को चयन किया जाता है।

ये कुछ मुख्य प्रवेश प्रक्रियाएं हैं। लेकिन याद रखें कि इनमें से प्रत्येक प्रक्रिया के लिए योग्यता मानदंड विभिन्न हो सकते है। रिक्यूटिंग आफिस चरखी दादरी ने कैडेट्स को भर्ती प्रक्रिया से संबंधित पाठन सामग्री भी वितरित की गई। कार्यक्रम में बटालियन के कमांडिंग आफिसर कर्नल राजेश दहिया व डिप्टी कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल थामस कुट्टी एनसी और बटालियन सूबेदार मेजर गोपाल कृष्ण, सूबेदार सुरेंद्र सिंह, नायब सूबेदार हरपाल सिंह, बीएचएम अशोक कुमार, लिपिक दिनेश कुमार, चैनसुख, कृष्ण एवं प्रशासनिक लिपिक ईएसएम दिनेश कुमार जैसे अनुभवी कर्मियों द्वारा किया जा रहा है। रिक्यूटिंग आफिसर चरखी दादरी को 11 हरियाणा बटालियन एनसीसी द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान भेंट कर सम्मानित किए गए।

ताजपोसी समारोह' में निर्णायक मंडल ने स्नातक विभाग से मिस्टर पर्सनालिटी मुनीष कुमार, बीए तृतीय वर्ष, मिस पर्सनालिटी कल्पना यादव को चुना गया

दैनिक समाज जागरण,(महेन्द्र जावला बहल)

बहल, 24, अप्रैल। स्थानीय बी.आर.सी.एम. शिक्षण संस्थान बहल के 'एम. के. चौधरी सेमिनार हॉल बीआरसीएम विद्याग्राम कैंपस' में जी.डी.सी. मेमोरियल कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा विदाई समारोह "लम्हे-2025" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या व गीत- संगीत की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख मुख्य अतिथि डॉ. अनुज कुमार शर्मा, प्राचार्य बीआरसीएम सीईटी, डॉ. एस. के. सिन्हा निदेशक बीआरसीएम एजुकेशन सोसाइटी एवं जीडीसी प्राचार्य , डॉ सुनील कुमार शुक्ला प्राचार्य बीआरसीएम लॉ कॉलेज, श्री संदीप टंडन प्रधानाचार्य बीआरसीएम शिशु कुंज तथा प्रधानाचार्य श्री राजेश झाझडिया बीआरसीएम ज्ञान कुंज, बहल) के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों के आगमन से सभागृह लबा-लब भर गया ।वरिष्ठ कक्षा के छात्रों द्वारा अतिथियों एवं वरिष्ठ जनों का स्वागत बड़ी खुशी से किया गया

सम्माननीय व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलन के बाद अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट करके स्वागत किया गया। तथा "रैंप वॉक राउंड" के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। आदरणीय बीआरसीएम शिक्षण समिति के निदेशक महोदय, डॉ. एस.के. सिन्हा ने महाविद्यालय से विदाई ले रहे विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें अपने जीवन में उच्च-लक्ष्य, शिक्षा के महत्व, अनुशासन, संस्कार, संस्कृति, सेवा- भाव, उत्तम व्यक्तित्व तथा आज्ञाकारिता आदि गुणों को अपनाते हुए अपने जीवन को सफल बनाने का संदेश व आशीर्वाद दिया । अपने महाविद्यालय का, स्वयं का, परिवार का, राज्य का तथा देश का नाम रोशन करने को कहा । उन्होंने महाविद्यालय से विदाई लेने वाले विद्यार्थियों से ऐसी उम्मीद की कि उनके अनुगामी विद्यार्थी उनसे कुछ अच्छी सीख ग्रहण करेंगे। तत्पश्चात प्रतिभागी विद्यार्थियों ने अपने 'टैलेंट राउंड' में कविता, पंजाबी, राजस्थानी, हिंदी तथा हरियाणवी गीत एवं नृत्य आदि कार्यक्रमों की सराहनीय प्रस्तुति दी।

कल्पना, मनीषा, रोशनी, हिमानी, अर्पणा, कौशल्या, सीमा स्नातक एवं स्नातकोत्र की छात्राओं ने 'सोलो डांस' में गजब ढ़ाया व दर्शकों का मन मोह लिया।इसी के साथ 'हरियाणवी पॉप एकल नृत्य' में(कल्पना बी.ए. तृतीय एवं रोशनी एम.ए. इतिहास द्वितीय वर्ष) कि छात्रों ने दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया।कार्यक्रम की प्रस्तुति बड़ी धूमधाम से हुई। कार्यक्रम के दौरान गीत संगीत का माहौल बना रहा। महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं, अध्यापकगण व अन्य सहकर्मी कर्मचारीगण में भी अपने प्रिय छात्रों से बिछड़ने का दुख दिखाई दिया।

'प्रश्न -उत्तर राउंड' में मुख्य अतिथि व अन्य सम्माननीय अतिथियों ने कार्यक्रम में विजित व उत्तम प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थियों से शिक्षा, ज्ञान व उनके करियर से संबंधित प्रश्न पूछे। स्नातक अध्यक्ष डॉ उपेंद्र प्रसाद ने समारोह में पहुंचे सभी मेहमानों व प्यारे बच्चों का महाविद्यालय परिवार की ओर से आभार प्रकट किया । 'ताजपोसी समारोह' में निर्णायक मंडल ने स्नातक विभाग से मिस्टर पर्सनालिटी (मुनीष कुमार, बीए तृतीय वर्ष),मिस पर्सनालिटी (कल्पना यादव, बीए तृतीय वर्ष), मिस्टर फेयरवेल(कृष्ण कुमार, बीए तृतीय वर्ष) मिस फेयरवेल (मनीषा, बीए, तृतीय वर्ष) तथा इसी प्रकार सनात्कोत्र विभाग से मिस्टर पर्सनालिटी (कैलाश कुमार) मिस पर्सनालिटी (अनुजा) मिस्टर फेयरवेल (संजय) तथा मिस फेयरवेल (अर्पणा) को चुना ।

पहलगाम के शहीदों को नगर के युवाओं ने दिया श्रद्धांजलि

संवाददाता विनोद कुमार सिंह। दैनिक समाज जागरण डाला/ सोनभद्र। नगर के शहीद स्थल पर गुरुवार को दर्जनों युवाओं ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक सभा का आयोजन किया।इस हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। नम आँखों और भारी मन से युवाओं ने कैंडल जलाकर निर्दोष लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

सभा में मौजूद युवा न सिर्फ शोक में डूबे थे, बल्कि इस क्रूर घटना के खिलाफ उनका गुस्सा भी साफ झलक रहा था। उन्होंने एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ आवाज बुलंद की और सरकार से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की।

पटना स्थित जनरल स्टोर में लगी भीषण आग, चार लाख रुपये की जली सामान

समाज जागरण पटना
जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ शास्त्री नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले राजवंशी नगर मार्केट में बुधवार की रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। आधी रात के समय एक जनरल स्टोर में अचानक आग लग गई, जिससे दुकान में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। इस घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। घटना रात करीब 2:30 बजे की है जब इलाके के लोगों ने जनरल स्टोर से धुआं उठते देखा। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही देर में पूरी दुकान उसकी चपेट में आ गई। लोगों ने तुरंत दुकानदार मनोज कुमार सिन्हा को सूचना दी, जो रात करीब साढ़े नौ बजे दुकान बंद करके घर चले गए थे। सूचना मिलते ही मनोज कुमार मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही शास्त्री नगर थाना और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल की तीन गाड़ियां आग बुझाने के कार्य में लग गईं। आग इतनी भयानक थी कि दमकल कर्मियों को घंटों मशक्कत करनी पड़ी। आखिरकार लगातार प्रयास के बाद आग पर काबू पा लिया गया, जिससे आस-पास की अन्य दुकानों को बचाया जा सका। दुकानदार मनोज कुमार सिन्हा के अनुसार, दुकान में करीब चार लाख रुपये से अधिक का सामान था, जिसमें किराने का माल, घरेलू उपयोग की वस्तुएं और कुछ कीमती उपकरण शामिल थे। आग ने सब कुछ तबाह कर दिया। दुकान पूरी तरह जलकर राख हो चुकी है। दुकान का शटर, फर्नीचर और अन्य सामग्री भी जलने से नुकसान में शामिल है। शुरूआती जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट हो सकती है। दुकान में लगे बिजली के तारों में अचानक चिंगारी उठने से यह हादसा हुआ। हालांकि, पुलिस और दमकल विभाग की टीम अभी भी मामले की विस्तृत जांच कर रही है, ताकि आग के सही कारणों की पुष्टि हो सके। स्थानीय लोगों की सतर्कता और समय रहते सूचना देने की वजह से आग को फैलने से रोक लिया गया। अगर थोड़ी भी देर होती तो आग अन्य दुकानों में भी फैल सकती थी और नुकसान और अधिक होता। मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड कर्मियों और पुलिस की तत्परता ने बड़ी क्षति से बचाव किया। यह घटना एक बार फिर से बिजली के उपकरणों और वायरिंग की सुरक्षा की ओर ध्यान दिलाती है। दुकानों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में समय-समय पर इलेक्ट्रिकल जांच कराना बेहद जरूरी है, ताकि इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके। वहीं, प्रशासन को भी ऐसे संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा उपाय और मजबूत करने की आवश्यकता है।

पूर्व मुखियापति को गोली मारकर हत्या

समाज जागरण पटना जिला
संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ मधेपुरा के रतवारा थाना क्षेत्र के सोनामुखी बाजार में बुधवार की देर रात आलमनगर प्रखंड के गंगापुर पंचायत की पूर्व मुखिया के पति की बदमाशों गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान संजय जायसवाल उर्फ बमबम भगत के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार संजय जायसवाल बुधवार शाम अपने कुछ दोस्तों के साथ घर से करीब 100 मीटर दूर सोनामुखी कचहरी पर भुट्टा पार्टी में शामिल हुए थे। रात को पार्टी समाप्त होने के बाद जब वे साथियों के साथ सड़क पर टहल रहे थे, तभी पहले से घात लगाए अपराधियों ने उन्हें निशाना बनाते हुए चार गोलियां दागीं। जिसमें सिर, गर्दन, सीना और पैर में एक-एक गोली लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रतवारा थानाध्यक्ष त्रिलोकीनाथ शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। गुरुवार की सुबह एक्स-रे के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया। प्रारंभिक जांच में शक के आधार पर संजय जायसवाल के एक करीबी साथी बिपिन शर्मा को हिरासत में लिया गया है। जिससे पूछताछ की जा रही है। मृतक की पत्नी अर्चना कुमारी वर्ष 2016 से 2021 तक पंचायत की मुखिया रही हैं। संजय जायसवाल अपने पीछे तीन संतानों बेटी संजना आनंद (16), श्रेया आनंद (11) और बेटा चिराग आनंद (9) को छोड़ गए हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। मृतक के भतीजा राकेश कुमार ने बताया कि बुधवार की शाम सोनामुखी ड्योढ़ी पर भुट्टा पार्टी हुआ था। उसमें करीब सौ लोग शामिल हुए थे। उस पार्टी हमलोग भी थे। भुट्टा पार्टी के बाद हमलोग घर चले गए। इसके बाद चाचा के साथी बहला-फुसला कर उसे पान खाने के बहाने घर से थोड़ी दूर ले गए और उन्हें गोली मार कर हत्या कर दी। उन्होंने बताया चाचा को किसी से कोई विवाद नहीं था। ये सामजिक लोग थे और जनता का भलाई करते थे। यही बात दुश्मनों को रास नहीं आई। उदाकिशुनगंज एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस हत्या के कारणों का पता लगा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

ट्रांसफॉर्मर जलने से पटना के मसौढ़ी में तीन दिनों से पसरा अंधेरा

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ मसौढ़ी अनुमंडल के अंतर्गत धनरूआ प्रखंड स्थित पंडितगंज गांव इन दिनों गंभीर बिजली संकट से जूझ रहा है। गांव में लगे विद्युत ट्रांसफार्मर के जल जाने के कारण पिछले तीन दिनों से पूरा गांव अंधेरे में डूबा हुआ है। इस दौरान न सिर्फ घरेलू जीवन प्रभावित हुआ है, बल्कि किसानों और छात्रों को भी तमाम कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। गांव में बिजली की अनुपस्थिति के कारण लोगों का जीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। दिन के समय तापमान तेजी से बढ़ रहा है और रात को उमस के कारण नींद लेना भी मुश्किल हो गया है। इस बीच मच्छरों का आतंक लोगों की परेशानी को और बढ़ा रहा है। लगातार तीन रातों से लोग जाग कर काट रहे हैं, जिससे उनकी दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है। स्थानीय निवासियों ने विद्युत उपकेंद्र के कर्मचारियों से लेकर विभाग के उच्च अधिकारियों तक शिकायतें की हैं। ऑनलाइन माध्यम से भी ट्रांसफार्मर बदलने की मांग दर्ज कराई गई है, लेकिन तीन दिन बीतने के बाद भी अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इससे लोगों में आक्रोश की भावना व्याप्त है और प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल उठ रहे हैं। बिजली नहीं रहने के कारण इनवर्टर की बैटरी भी पूरी तरह से डिस्चार्ज हो चुकी है, जिससे वे सिर्फ शोपीस बनकर रह गए हैं। मोबाइल फोन चार्ज करने के लिए लोगों को अन्य गांवों या दुकानों का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे विद्यार्थियों और कामकाजी लोगों को बड़ी कठिनाई हो रही है। छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह स्थिति और भी चिंताजनक बनी हुई है। ट्रांसफार्मर के जलने से खेतों की सिंचाई भी प्रभावित हो रही है क्योंकि मोटर नहीं चल पा रहे हैं। इसके चलते फसलें सूखने लगी हैं और किसानों को भारी नुकसान होने की आशंका है। वहीं, पानी की आपूर्ति बाधित होने से पीने के पानी के लिए भी लोग दूर-दराज के क्षेत्रों में जाने को मजबूर हैं। गांव के लोग अब एकजुट होकर ट्रांसफार्मर को जल्द से जल्द बदलने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि गांव की गंभीर स्थिति को देखते हुए शीघ्र कार्रवाई की जाए, ताकि इस भीषण गर्मी में लोगों को राहत मिल सके। गांव में लगातार बढ़ती गर्मी और बिजली की अनुपलब्धता ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया है, जिस पर तत्काल समाधान की आवश्यकता है।

पहलगांव में हुए आतंकी हमले के बाद पटना में एलर्ट जारी

समाज जागरण पटना जिला
संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को दहशत में डाल दिया है। इस हमले के बाद देश के विभिन्न हिस्सों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्ती बरती जा रही है। इसी कड़ी में बिहार की राजधानी पटना में भी अलर्ट जारी कर दिया गया है। यहां धार्मिक स्थलों, पर्यटन स्थलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पटना के एसएसपी अवकाश कुमार ने जिले भर के सभी थाना प्रभारियों और उच्चाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का तत्काल आकलन करें। इसके लिए एएसपी और डीएसपी रैंक के अधिकारी खुद मौके पर जाकर निरीक्षण कर रहे हैं। उनकी रिपोर्ट के आधार पर आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। शहर के प्रमुख धार्मिक और पर्यटक स्थलों जैसे हनुमान मंदिर (पटना जंक्शन), बुद्धा स्मृति पार्क, तख्त श्री हरमंदिर साहिब जी, ईको पार्क आदि की सुरक्षा व्यवस्था को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। इन स्थानों पर विशेष प्रशिक्षित कमांडो बल को तैनात किया जा रहा है, जिससे किसी भी संभावित खतरे से निपटा जा सके। सिर्फ प्रमुख स्थान ही नहीं, बल्कि शहर के सभी लॉज और होटलों में भी सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस टीम द्वारा लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु मिले, तो तुरंत उच्च अधिकारियों को सूचित किया जाए। पटना शहर के कई इलाकों में सघन वाहन जांच अभियान भी चलाया गया। आयकर गोलंबर, डाकबंगला चौराहा, जेपी गंगा पथ, नेहरू पथ, एनआईटी मोड़, कंकड़बाग और करबिगहिया जैसे क्षेत्रों में विशेष रूप से पुलिस बल को तैनात कर वाहनों की जांच की गई। इस दौरान सिटी एसपी, डीएसपी और थानेदार खुद सड़कों पर उतरकर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे थे। रात में भी पुलिस गश्त को अनिवार्य किया गया है। सभी थानों को यह निर्देश मिला है कि रात्रि गश्त के दौरान संदिग्ध लोगों पर खास नजर रखी जाए। किसी भी अज्ञात गतिविधि को नजरअंदाज न करते हुए तुरंत कार्रवाई की जाए। देश में बढ़ते आतंकी खतरों को देखते हुए पटना प्रशासन की यह तैयारी जरूरी कदम है। आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। सुरक्षा में किसी तरह की चूक न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

पीयू में नामांकन प्रक्रिया शुरू, 23 मई तक किया जाएगा ऑनलाइन आवेदन

समाज जागरण पटना जिला
संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ पटना यूनिवर्सिटी में ग्रैजुएशन कोर्स में नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस वर्ष सत्र 2025-29 के लिए छात्र-छात्राएं 4 वर्षीय कला, विज्ञान और वाणिज्य स्नातक कोर्सों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन रखी गई है और इच्छुक छात्र 23 मई तक आवेदन कर सकते हैं। पटना यूनिवर्सिटी से जुड़े विभिन्न कॉलेजों में रेगुलर और वोकेशनल दोनों प्रकार के कोर्सों के लिए लगभग चार हजार सीटें उपलब्ध हैं। इनमें पटना साइंस कॉलेज, बीएन कॉलेज, मगध महिला कॉलेज, पटना कॉलेज, वाणिज्य महाविद्यालय और अन्य प्रमुख कॉलेज शामिल हैं। हर कोर्स के लिए अलग-अलग आवेदन करना होगा। इस बार विश्वविद्यालय ने स्नातक में दाखिले के लिए एंट्रेंस टेस्ट आयोजित न करने का निर्णय लिया है। इसके बजाय एडमिशन 12वीं (इंटरमीडिएट) के अंकों के आधार पर मेरिट लिस्ट तैयार कर किया जाएगा। चाहे छात्र बिहार बोर्ड से हों या सीबीएसई, आईसीएसई, एनआईओएस अथवा एनओयू जैसे किसी भी बोर्ड से, सभी के लिए नियम समान रहेंगे। सभी कोर्सों के लिए आवेदन शुल्क 1100 रुपए निर्धारित किया गया है। यदि कोई छात्र एक से अधिक कोर्स के लिए आवेदन करता है, तो प्रत्येक अतिरिक्त फॉर्म के लिए 50 रुपए अलग से देने होंगे। आवेदन करने की प्रक्रिया यूनिवर्सिटी की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ही संभव होगी। छात्रों को वहां जाकर अपने दस्तावेज अपलोड करने होंगे और ऑनलाइन ही भुगतान करना होगा। बीएससी ऑनर्स के लिए पटना साइंस कॉलेज, बीएन कॉलेज और मगध महिला कॉलेज प्रमुख संस्थान हैं। वहीं बीए ऑनर्स के लिए पटना कॉलेज, बीएन कॉलेज और मगध महिला कॉलेज विकल्प उपलब्ध कराते हैं। बीकॉम ऑनर्स की पढ़ाई वाणिज्य महाविद्यालय और मगध महिला कॉलेज में की जा सकती है। हालांकि अधिकांश कोर्सों में दाखिला मेरिट के आधार पर होगा, लेकिन कुछ विशेष कोर्सों के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। पटना लॉ कॉलेज में तीन वर्षीय एलएलबी कोर्स और कॉलेज ऑफ आर्ट एंड क्राफ्ट में चार वर्षीय बीएफए कोर्स के लिए अभ्यर्थियों को एंट्रेंस टेस्ट देना होगा। पटना यूनिवर्सिटी में इस वर्ष नामांकन की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया गया है। बिना प्रवेश परीक्षा के मेरिट आधार पर नामांकन से छात्रों को राहत मिलेगी और समय की भी बचत होगी। इच्छुक छात्र समय रहते आवेदन करें ताकि वे अपनी पसंद के कोर्स और कॉलेज में दाखिला प्राप्त कर सकें।

नाबालिग लड़की का किया अपहरण प्राथमिकी दर्ज,जांच मे जुटी पुलिस

दैनिक समाज जागरण अनील कुमार
संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नवीनगर थाना क्षेत्र के एक गांव से नाबालिग लड़की के अपहरण करने एवं हल्ला करने पर जान से मारने की धमकी का मामला प्रकाश में आया है। घटना को लेकर लड़की के परिजन ने नवीनगर प्रखंड के टंडवा थाना क्षेत्र के धरमखाप झिकटीया गांव निवासी अंकित कुमार सिंह तथा अंकुश कुमार सिंह सहित अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराया है। परिजन ने पुलिस

को बताया है कि 23 अप्रैल को लड़की अपनी घर मे थी। इसी बीच नामजद युवक ने पिस्टल दिखाकर घर के सदस्य को बंधक बना लिया। वहीं हल्ला करने पर जान से मारने की धमकी देते उसकी पुत्री को जबरन अपहरण कर लिया।साथ ही घर में रखे जेवरात और 10 हजार नगदी रुपए भी लेते गए।परिजन ने बताया कि लड़की नाबालिग है। आरोपी उसके साथ कोई अनहोनी घटना घटित कर सकते है। मामले में नवीनगर थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि लडकी के परिजन के बयान पर थाना कांड संखया 127/25 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है।

हज यात्रियों के मार्ग-दर्शन, व्यवस्था एवं अन्य प्रक्रियाओं को पूरा करने हेतु बैठक आयोजित

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

सचिव, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, बिहार, पटना अध्यक्षता में दिनांक-23.04.2025 को देर शाम तक हज यात्रा -2025 के अवसर पर किशनगंज जिला एवं सीमांचल क्षेत्र के हज यात्रियों के मार्ग-दर्शन, आवासन एवं कोलकाता हज हाउस तक सुगम यात्रा की व्यवस्था एवं अन्य प्रक्रियाओं को पूरा करने हेतु जिले के विभिन्न पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक जिलाधिकारी के कार्यालय वेश्म में बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में जिलाधिकारी विशाल राज, पुलिस अधीक्षक, एवं मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बिहार राज्य हज समिति, पटना भी उपस्थित थे। इनके अतिरिक्त जिला के विभिन्न पदाधिकारी यथा-पुलिस अधीक्षक, अनुमण्डल पदाधिकारी, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,नजारत उप समाहर्त्ता, सहायक निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं प्रबंधक, जी+3, बहुउद्देशीय वक्फ भवन-सह-प्रखण्ड अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी बैठक में उपस्थित थे। बैठक में हज यात्रा -2025 के अवसर पर किशनगंज जिला एवं सीमांचल क्षेत्र के लगभग 600 हज यात्रियों के मार्ग-दर्शन, आवासन एवं कोलकाता हज हाउस तक सुगम यात्रा की व्यवस्था एवं अन्य प्रक्रियाओं को जिला अन्तर्गत निर्मित जी+3, बहुउद्देशीय

वक्फ भवन, चुड़ीपट्टी में हज भवन पटना के समरूप समुचित व्यवस्था करने के संबंध में चर्चा की गई। प्रबंधक, जी+3, बहुउद्देशीय वक्फ भवन-सह-प्रखण्ड अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी को जी+3, बहुउद्देशीय वक्फ भवन में साफ-सफाई/प्लम्बरींग/पेय जल आदि की समूचित व्यवस्था करने का निदेश दिया गया तथा जी+3, बहुउद्देशीय वक्फ भवन में आवासन करने वाले हज यात्रियों के सुरक्षा के दृष्टिकोण से विद्युत संबंधी समूचित व्यवस्था करने का निदेश कार्यपालक अभियंता, नार्थ बिहार पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड को दिया गया। हज यात्रियों के आवासन एवं भोजन इत्यादि की संपूर्ण व्यवस्था करने का निदेश नजारत उप समाहर्त्ता को दिया गया एवं हज यात्रियों के स्वास्थ्य के मद्देनजर मेडिकल विंडो का आदिष्ठापन करने का निदेश असैनिक शल्य चिकित्सक- सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी को दिया गया, इसके अतिरिक्त जो हज यात्रियों का वैक्सिनेशन नहीं हुआ है, उनके वैक्सिनेशन को पूर्ण कराने का निदेश असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी को दिया गया। हज यात्रियों के कोलकाता हज हाउस तक सुगम यात्रा हेतु बस सर्विस की सम्पूर्ण व्यवस्था करने का निदेश जिला परिवहन पदाधिकारी को दिया गया तथा बिहार सीमा तक स्कॉट की व्यवस्था करने हेतु अनुमण्डल पदाधिकारी को निदेशित किया गया। इसके अतिरिक्त हज यात्रियों के लिये करेंसी कन्वरसन विंडो का अधिष्ठापन करने का निदेश महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक के लिये दिया गया तथा पवित्र हज यात्रा-2025 के संबंध में डिस चैनलों पर एडवर्टिसमेंट कराने हेतु सहायक निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, किशनगंज को निदेशित किया गया तथा जिले के विभिन्न प्रखण्डों में बैनर होल्डिंग लगाकर व्यापक प्रचार-प्रसार कराने हेतु जिला जन संपर्क एवं सूचना पदाधिकारी को निदेशित किया गया। उक्त निदेशों का अनुपालन एवं क्रियान्वयन कराने हेतु अपने स्तर से सभी पदाधिकारी को निदेशित करने हेतु जिला पदाधिकारी एवं विधि व्यवस्था का संपूर्ण रूप से संधारण कराने हेतु पुलिस अधीक्षक को निदेशित किया गया।

पटना के पालीगंज स्थित एक घर मे आग लगने से तीन मवेशी जले

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के पालीगंज प्रखण्ड अंतर्गत जरखा गांव स्थित एक घर मे गुरुवार को अचानक आग लग जाने से तीन मवेशी बुरी तरह जल गया।

जानकारी के अनुसार पटना जिले के पालीगंज प्रखंड स्थित जरखा गांव निवासी अर्जुन बिंद के पुत्र मुकेश बिंद के घर में गुरुवार को अचानक आग लग गया। जिसे देख ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन तेज हवा के कारण आगपर काबू पाने में असफल रहे। यह देख ग्रामीणों ने इसकी सूचना अग्निशमन विभाग को दिया। सूचना पाकर दमकल के साथ मौके पर पहुँची अग्निशमन बिभाग के कर्मचारियों ने आग पर काबू पाया। जबतक की आग बुझाई जाती तबतक लाखों रुपया का सामान जलकर राख हो गया। साथ ही तीन भैंस पूरी तरह से जल गया। भैंस अभी भी जिंदगी और मौत से जूझ रही है। वही आग लगने का कारण पता नही चल पाया।

अवैध तस्करी का मुख्य द्वार बन रहा है इंडो - नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र

इंडो -नेपाल सीमा पर अवैध तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चला रही एस एस बी

दैनिक समाज जागरण संवाददाता

खोरीबाड़ी (सिलीगुड़ी) । इंडो - नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र इन दिनों चायनीज लहसुन, इलेक्ट्रॉनिक गुड्स, उर्वरक, नेपाली सिगरेट, चायनीज नाशपाती व सेब, सुपाड़ी, मवेशी आदि की तस्करी का मुख्य द्वार बनता नजर आ रहा है । तस्कर इंडो - नेपाल सीमा से होकर विशेषकर मवेशी की अवैध तस्करी करने का भरपूर प्रयास कर रहे हैं । वहीं इंडो -नेपाल सीमा पर तैनात एस एस बी 41वीं बटालियन के जवान तस्करी के खिलाफ अभियान चलाकर लगातार कार्यवाही कर रही है । इंडो -नेपाल सीमा पर तैनात एस एस बी 41वीं बटालियन अंतर्गत बी ओ पी भक्सर भिट्ठा के जवानों ने तस्करी के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत बुधवार को एक

गाय व नौ बछड़ों को जब्त की गई । हालांकि कि इस दौरान किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी । जब्त मवेशी को आवश्यक कार्रवाई के बाद खोरीबारी थाना पुलिस को अग्रिम कार्रवाई हेतु सौंप दिया गया । पुनः गुरुवार को दूसरे कार्रवाई के दौरान बी ओ पी भक्सर भिट्ठा के जवानों ने इंडिया से नेपाल हो रहे तस्करी के दौरान काफी मात्रा में इलेक्ट्रिकल समान जब्त किये । इलेक्ट्रिकल समान के तहत सात इन्वर्टर, एल इ डी लाइट, क्ले पाउडर आदि जब्त की । जिसे आवश्यक कार्रवाई के बाद गलगलिया कस्टम को सौंप दिया गया। वहीं गुरुवार को एस एस बी 41वीं बटालियन अंतर्गत बी ओ पी कोकराजोत के जवानों द्वारा दस बैग यूरिया जब्त की गई, जिसे इंडिया से नेपाल की ओर तस्करी की जा रही थी । हालांकि कि इस दौरान किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी । जब्त यूरिया को अग्रिम कार्रवाई हेतु पानीटंकी कस्टम को सौंप दिया गया ।

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से नीमडीह में 7 करोड़ कि लागत से बनने वाले 9 किमी सड़क का विधायक सविता महतो नें किया शीलान्यास

लघु सिचाई से ईचागढ़ के बारुणा नाला पर 78 लाख कि लागत से होगा चेक डैम का निर्माण

दैनिक समाज जागरण, संवाददाता, बिकाश

ईचागढ़ः ईचागढ़ के विधायक सविता महतो नें गुरुवार को नीमडीह प्रखंड क्षेत्र में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से स्वीकृत दो सड़क तथा लघु सिचाई से ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के बारुणा नाला पर चेक डैम निर्माण कार्य का शीलान्यास विधिवत शीलापट्ट अनावरण व नारियल फोड़ कर किया। इस दौरान विधायक नें नीमडीह के आरईओ रोड से काशीडीह होते हुए मधुपुर तक 2.12 किमी 1 करोड़ 88 लाख व पीडब्लूडी रोड बांदु निर्मल महतो चौक से बागड़ी लागड़ी होते हुए डूंगरीपार तक 7 किमी 5 करोड़ 31 लाख रुपये तथा ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र में बट बृक्ष के सामने बारुणा नाला पर करीब 78 लाख कि लागत से चेक डैम का निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। विधायक ने शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए कहा करीब 7 करोड़ कि लागत से दोनों सड़क व करीब 78 लाख रुपये कि लागत से चेक डैम का निर्माण होगा। उन्होंने कहा सड़क का निर्माण होने से ग्रामीणों को यातायात में

सुविधा होगा व चेक डैम का निर्माण होने से सिंचाई के लिए 12 महीना पानी उपलब्ध होगा जिससे किसान अपना फसल उपजा सकेंगे और लाभान्वित होंगे। विधायक नें सड़क व चेक डैम निर्माण करने वाले संवेदक को निर्माण कार्य ससमय व गुणवत्तापूर्ण करने का निर्देश दिए। इस अवसर पर झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलु महतो, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सचिन गोप, पंचायत बाड़ेदा मुखिया वरुण सिंह, राहुल वर्मा, सुनिल सिंह, सुजीत महतो, नीलकमल महतो, ग्राम प्रधान गृहीराम सिंह, उपमुखिया मनसा सिंह, मंगल माझी, अनिल माझी, हरिचरण महतो, साधु महतो, जादूपति महतो, लाकड़ी पंचायत मुखिया सरला देवी, उपमुखिया नारायण गोप, रूपक महतो, प्रशांत पाण्डे, जमशेद माझी, शिक्षित माझी अमर मंडल, बिनोद सिंह आदि काफी संख्या में ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित थे।

गांजा तस्कर को 20 साल की सजा, 599 किलो गांजा के साथ हुआ था गिरफ्तार

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

अपर सत्र न्यायधीश-3 सुमित कुमार सिंह ने गांजा तस्करी के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने दोषी मोती मोदी 45 वर्ष को 20 साल की कठोर सजा सुनाई है। साथ ही, एक लाख रुपए का जुमार्ना भी लगाया है।
कटिहार के पोठिया थाना क्षेत्र का रहने वाला मोती मोदी 10 नवंबर 2021 से जेल में बंद है। किशनगंज पुलिस ने उसे फरिंगगोला चेक पोस्ट पर वाहन जांच के दौरान पकड़ा था। उसकी डीसीएम ट्रक से 599.08 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ था। गांजा को जप्त करते हुए अभियुक्त को जेल भेज दिया गया था। उसी मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 10 गवाहों के बयान पेश किए। सभी गवाहों ने अभियुक्त के खिलाफ स्पष्ट साक्ष्य दिए। न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी कानून के खिलाफ होने के साथ समाज के लिए भी खतरा है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि अगर दोषी एक लाख रुपए का जुमार्ना नहीं भरता है, तो उसे 6 महीने की अतिरिक्त जेल की सजा काटनी होगी। किशनगंज पुलिस और प्रशासन ने इस फैसले का स्वागत किया है। उनका कहना है कि इस फैसले से मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगेगा।स्थानीय नागरिकों ने भी कोर्ट के इस फैसले का समर्थन किया है। उनका मानना है कि ऐसे कड़े फैसलों से कानून व्यवस्था में सुधार होगा। साथ ही नशे के कारोबारियों में भय होगा।

एसडीओ ने किया कुकड़ू प्रखंड सभागार में समीक्षा बैठक, किया मध्य विद्यालय कुकड़ू एवं आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण

दैनिक समाज जागरण, संवाददाता, बिकाश

ईचागढ़ : गुरुवार को कुकड़ू प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में चांडिल अनुमंडल के एसडीओ बिकास कुमार राय ने कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र में संचालित सभी विभागों के सभी प्रकार के कार्यों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर एक समीक्षा बैठक किया। इस बैठक में कुकड़ू की प्रखंड विकास पदाधिकारी राजश्री ललिता बाखला, कुकड़ू अंचलाधिकारी सत्येंद्र नारायण पासवान भी मौजूद रहे। समीक्षा बैठक से पहले एसडीओ बिकास कुमार राय ने मध्य विद्यालय कुकड़ू और आंगनवाड़ी केंद्र कुकड़ू का निरीक्षण किया। समीक्षा बैठक में एसडीओ ने सभी विभागों के पदाधिकारियों को अगले 15 दिनों का कार्य करने का लक्ष्य दिया और 15 दिनों के बाद सभी के साथ पुनः समीक्षा बैठक किए जाने की बातें कहा। बैठक के बाद जानकारी देते हुए एसडीओ बिकास कुमार राय ने कहा कि कुकड़ू प्रखंड को आकांक्षी प्रखंड के रूप में

चयनित किया गया है इसलिए टीम वर्क के साथ कार्य योजना निर्धारित कर कुकड़ू प्रखंड का विकास कार्य किया जाएगा। बैठक में प्रभारी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रविशंकर महतो, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नीमडीह के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अनंत कुमार महतो, पीएचसी तिरुलडीह के प्रभारी डॉ. हरेंद्र सिंह मुंडा, बीपीओ रामलगन उरांव, प्रखंड पशु चिकत्सा पदाधिकारी डॉ हरेलाल महतो, जेई भोलानाथ महतो, जेई तुलसी कालिंदी आदि कर्मी एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

लीड्स संस्था के सहयोग से बकरी पालन कर आजीविका चला रही हैं महिलाएं..

दैनिक समाज जागरण संवाददात कटकमसांडी

कटकमसांडी क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में आजकल एलआईसी एचएफएल परियोजना के तहत लीड्स संस्था के द्वारा बनाए गए गॉट क्लस्टर के माध्यम से महिला -किसान अपनी आय में वृद्धि कर रही हैं । संस्था के समन्वयक आलोक वर्मा ने बताया कि वे क्लस्टर बना कर महिलाओं को बकरी पालन करने के लिए 6000/ रुपए, मुगी -बतख पालन-विक्री के लिए 3000/रुपए और बागवानी- सब्जी पैदावार के लिए 3000/हजार रुपए सहयोग राशि के रूप में दिया जाता है। समन्वयक वर्मा ने आगे बताया कि लीड्स संस्था के द्वारा कुल 05 गोट क्लस्टर का निर्माण किया गया है । जिसका उद्देश्य बकरी पालन के क्षेत्र में बढ़ावा देना है । जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके एवं इनकी अर्थव्यवस्था में बदलाव आ सके । यह क्लस्टर ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार का अवसर भी प्रदान कर रहा है । कल अर्थात बुधवार को बाझा पंचायत में बनाए गए उरीदीरी ग्रामीण पशुधन उत्पादक समूह से कुल 40 बकरियां एवं 10 बकरों का बिक्री किया गया । इन बकरियों को धनबाद -गोविंदपुर के बाजार में भेजा गया । बकरियों को 270 रुपये प्रति किलो एवं बकरों को 370 रुपया प्रति किलो के हिसाब से खड़ा वजन कर बेचा गया । लीड्स के माध्यम से महिलाओं को बकरी बेचने में किसी तरह की दिक्कत नहीं होती है और उन्हें सही दाम एवं उचित बाजार उपलब्ध हो पा रहा है । लीड्स संस्था के समन्वयक आलोक वर्मा ने बताया कि इसके पहले गांवों में बिचौलिये औने-पौने दामों पर बकरियों को भोले भाले ग्रामीण महिलाओं से ठग कर लें जाते थे ।अब लीड्स संस्था के रहते उन्हें ठग पाना मुमकिन नहीं है। बकरी बिक्री करवाने में लीड्स संस्था के समन्वयक आलोक वर्मा के साथ - साथ पूजा कुमारी, अशोक कुमार एवं अजय कुमार का अहम योगदान रहा ।

*पहलगाम आतंकी हमले में 27 हिंदुओं की हत्या के विरोध में कैंडल मार्च व विरोध प्रदर्शन

पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया।

राहुल कुमार गुप्ता, संवादाता विष्णुगढ़, दैनिक समाज जागरण।

विष्णुगढ़ ।प्रखंड के भास्कर धाम जमुनिया नदी से सात मील चौक तक पहलगाम आतंकी हमले में 27 हिंदुओं की हत्या के विरोध में विरोध प्रदर्शन व कैंडल मार्च निकालकर पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। विनोद सिंह ने कश्मीर के पहलगाम में सैलानियों पर कायरता पूर्ण हमले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त किया। उन्होंने आतंकी हमला में मारे गए भारतीयों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त किया। उन्होंने दोषियों के खिलाफ तुरंत और कठोरता कार्रवाई करने की मांग किया। चित्र पंचायत मुखिया ने कहा कि पहलगाम में जो हुआ वह सिर्फ एक आतंकी हमला नहीं बल्कि एक सुनियोजित नरसंहार था। ऐसी हिंसा हमारे देश में स्वीकार नहीं की जा सकती। दोषियों के खिलाफ त्वरित और कठोरता करवाई की जानी चाहिए। निदोर्षों का रक्त बहने वालों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा ।जिसमें अजय कुमार साहू, राजेंद्र प्रसाद सिंह,नवल किशोर वर्मा, शशि कुमार लहकार,अजय साव ,सुरेश भगत,डॉ.सुरेश कुमार,निर्मल कुमार,नितीश कुमार, मुकेश विश्वकर्मा, अजय कुमार बरनवाल, चेड़रा पंचायत पूर्व मुखिया अशोक कुमार,विनोद सिंह, चेड़रा पंचायत मुखिया निर्मल कुमार,शेखर सुमन, आकाश कुमार, शुभम कुमार, शंकर गोस्वामी, संदीप लहकार, छात्रधारी नायक, हेमलाली साव, रामजी मिस्त्री, कालेश्वर राम, संदीप कुमार, सुनील अकेला, राजू श्रीवास्तव, प्रमोद कुमार,राहुल कुमार, अनूप कसेरा सहित काफी संख्या में अन्य लोग मौजूद थे।

--मुखिया व पंचायत सचिव के पास पहुंच भुक्तभोगी महिलाओ ने किया शिकायत

दैनिक समाज जागरण संवाददाता कटकमसांडी

कटकमसांडी इन दिनों पीएम आवास दिलाने के नाम पर लाभार्थियों से पैसे वसूली का मामला तूल पकड़ रहा है। पीएम व अबुआ आवास दिलाने के नाम पर अवैध वसूली को लेकर कटकमसांडी पंचायत के तीन भुक्तभोगी लाभार्थियों ने मुखिया कुमारी श्रीति पांडेय व पंचायत सचिव प्रियंका कुमारी से

शिकायत करते हुए कहा कि दूसरे पंचायत के विजय राणा ने आवास के नाम पर पैसे वसूल की है। शिकायतकर्ताओं में करिवाआसन टोले की अनिता देवी, बेबी मसोमात व सावनिया देवी का नाम शामिल है, जिन्होने बताया कि विजय राणा ने आवास दिलाने के नाम पर हजार हजार रूपए पहले लिया और आवास मिलने के बाद पांच पांच हजार रूपए और देने की बात कही है। उन्होने मुखिया व पंचायत सचिव को बताया कि लोन पर पैसे लेकर हम सब उसको पैसे दिए है। इधर मुखिया व पंचायत सचिव द्वारा कहा गया कि क्षेत्र के कोई दलाल के चक्कर मे नहीं पड़ें। जिन्हे आवास की जरूरत हो, वे मुखिया व सचिव से मिलकर स्थल का जियो टैग कराएं और आवास प्राप्त करें।

पंडरिया के छात्र गोपाल कुमार ने नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में पाई सफलता

दैनिक समाज जागरण कुलदीप कुमार संवाददाता बड़कागांव

उत्क्रमित मध्य विद्यालय पंडरिया के छात्र गोपाल कुमार पिता जलेश्वर महतो ने नवोदय विद्यालय में प्रवेश नामांकन परीक्षा पास कर अपने परिवार एवं अपने गांव का नाम रोशन किया। वहीं विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक सह सचिव लता कुमारी सिंहा ने बताया कि छात्र गोपाल कुमार पिता जलेश्वर महतो , माता कुंती देवी ग्राम पंडरिया निवासी उत्क्रमित मध्य विद्यालय पंडरिया में वर्ग पांच पढ़ाई कर रहा था , जो नवोदय विद्यालय बोंगा हजारीबाग में वर्ग 6 में नामांकन के लिए परीक्षा पास की है । छात्र की सफलता पर विद्यालय के शिक्षकों ने उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बच्चों को बधाई दिया है । बच्चों की पढ़ाई में स्कूल के प्रधानाध्यापिका लता सिंहा ,सहायक शिक्षक मेराज अंसारी एवं मनोज सिंह का योगदान सराहनीय रहा। बधाई देने वालों में मुख्य रूप से सिरमा पंचायत के मुखिया इसमत आरा , प्रतिनिधि असीम अरशद , पंसस शबनम प्रवीण , प्रतिनिधि इरफान खान , पूर्व मुखिया वाजिद अली , संजर हुसैन , समाज सेवी हैदर अली एवं अन्य लोग शामिल हैं।

स्कूल में जल मीनार खराब , पेयजल एवं मध्यान भोजन प्रभावित ।

दैनिक समाज जागरण कुलदीप कुमार संवाददाता बड़कागांव

बड़कागांव : चेपाकला पंचायत के अंतर्गत ग्राम जुगरा के पंदनवा टोला उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय के सहायक शिक्षक रामदुलार कुमार साव 29 मार्च 2025 से जेल में है । जिसके कारण बच्चों का पठन पाठन बाधित हो रही है। विद्यालय के सचिव बालदेव साव अकेले विद्यालय को देखरेख कर रहे हैं । स्कूल के निरीक्षण में विधानसभा सांसद सह प्रतिनिधि पंसस कृष्णा राम ने स्कूल में पानी की समस्या को देखते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र मंडल से बात करके अभिलंब पानी पूर्ति कराने की मांग की है । जल मीनार खराब होने के कारण बच्चों को पानी पीने एवं मध्यान भोजन बनाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा रहा है। उपस्थित ग्रामीणों ने कहा कि हमारे गांव में पानी की घोर समस्या है, इसके अलावा देश की आजादी के बाद आज तक हमारे गांव में बिजली नहीं आई है । जो बहुत ही दुख की बात है। वहीं ग्रामीणों ने विद्यालय का मरम्मती एवं चाहरदीवारी बनाने की मांग की है । कृष्ण राम ने कहा कि मैं सांसद से बात करके बिजली लाने का मांग रखूंगा ।मौके पर कृष्ण राम, बालदेव साव,खैंटा सिंह भोगता, अमृता भोगता,बालेश्वर गंझु, मघा गंझु, छोटु गंझु,चेतलाल गंझु,देवा गंझु, तालकेश्वरी गंझू,मंजू देवी,जीरवा देवी, शांति देवी,फागुनी देवी,कमली देवी एवं अन्य ग्रामीण लोग उपस्थित थे ।

बुड़मू पुलिस ने फरार वारंटी के घर इश्तिहार चिपकाए ।

दैनिक समाज जागरण कुलदीप कुमार संवाददाता बड़कागांव

रांची जिले के बुडमू थाने के पुलिस ने बड़कागांव पुलिस के सहयोग से बड़कागांव प्रखंड के देवगढ़ निवासी वारंटी दिवाकर गंझु उर्फ प्रताप जी के घर पहुंच कर इश्तिहार चिपका कर न्यायालय में उपस्थित होने को कहा गया है। दिवाकर 17 सीएलए एक्ट के एक गंभीर मामले में फरार है। न्यायालय

के निर्देश पर इश्तिहार चिपकाया गया है। मौके पर बुडमू थाना के पुलिस अवर निरीक्षक रवि रंजन कुमार ,सअनि लवकुश कुमार एवं बड़कागांव थाना के सअनि बसंत भगत एवं सशस्त्र बल शामिल थे।

राज्य में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने विद्यालयों के समय सारणी में किया परिवर्तन।

मनोज कुमार ब्यूरो चीफ दैनिक समाज जागरण हजारीबाग।

राज्य में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार द्वारा आदेश जारी कर विद्यालयों की समय सारणी में परिवर्तन किया है। यह परिवर्तन छात्रों और शिक्षकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए किया गया है। जारी आदेश के अनुसार जिले के सभी सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त, निजी और अल्पसंख्यक विद्यालयों के संचालन के समय में बदलाव किया गया है। अब विद्यालय वर्ग केजी से वर्ग 8 तक की कक्षाएं सुबह 7:00 बजे से दोपहर 11:30 बजे तक संचालित होंगे। तथा वर्ग 9 से वर्ग 12 तक की कक्षाएं सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक संचालित की जायेंगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है और अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। इस परिवर्तन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को अत्यधिक गर्मी और लू से बचाना है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। निजी विद्यालयों का संचालन संबंधित विद्यालय के दिशा निदेर्शों के अनुरूप आरटीआई अधिनियम एवं प्रबंधन के प्रावधानों के तहत संचालित होंगे। यह आदेश दिनांक 26.4.2025 के प्रभाव से लागू होगा।

स्कूल रु आर 2025 बैक टू स्कूल कैंपेन" को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन।

मनोज कुमार ब्यूरो चीफ दैनिक समाज जागरण हजारीबाग।

24 अप्रैल को स्थानीय नगर भवन हजारीबाग में स्कूल रु आर 2025 बैक टू स्कूल कैंपेन विषय पर क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक प्रमंडल हजारीबाग की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी ,जिला शिक्षा अधीक्षक,अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,जिला स्तरीय प्रभाग प्रभारी,विभिन्न प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी,क्षेत्रीय शिक्षा पदाधिकारी,प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी ,बीआरपी, सीआरपी गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित हुए।दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। अतिरिक्त कार्यक्रम पदाधिकारी के द्वारा उक्त कार्यशाला के मुख्य उद्देश्यों पर चर्चा किया गया। यह कार्यक्रम दिनांक 21.4.25 से 10.05.25 तक संचालित है, क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक एवं जिला शिक्षा अधीक्षक द्वारा उक्त कार्यक्रम स्कूल रु आर 2025 के विषय बिंदुओं पर जानकारी दी गई,साथ ही पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विद्यालय में 100% नामांकन, 100% ठहराव एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने पर जोर दिया गया। सभी भागीदारों को मिलकर स्कूल रु आर 2025 बैक टू स्कूल कैंपेन को सफल करने हेतु मिलकर एवं रणनीति बनाकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। अंत में प्रभाग प्रभारी अजय कुंडू के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

मईया सम्मान योजना के लिए अब प्रज्ञा केंद्र से नहीं किए जा सकेंगे आवेदन

योग्य लाभुक अब केवल प्रखंड व अंचल कार्यालय में ही कर सकेंगे आवेदन।

मनोज कुमार ब्यूरो चीफ दैनिक समाज जागरण हजारीबाग।

मईया सम्मान योजना झारखंड सरकार द्वारा शुरू की गई एक कल्याणकारी योजना है,जिसका उद्देश्य राज्य की महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। इस योजना के तहत, पात्र महिलाओं को हर महीने ₹2500 की वित्तीय सहायता दी जाती है, जो सीधे उनके आधार से जुड़े बैंक खाते में हस्तांतरित की जाती है।

योजना के मुख्य उद्देश्य:

* राज्य की गरीब और मध्यम वर्गीय महिलाओं को वित्तीय रूप से सशक्त बनाना। * महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा और जीवन स्तर में सुधार करना। * महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाना।

पात्रता मापदंड:

* आवेदक महिला झारखंड राज्य की स्थायी निवासी होनी चाहिए।
* आवेदक की आयु 18 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए। * आवेदक या उसके पति को केंद्र/राज्य सरकार या केंद्र/राज्य सार्वजनिक उपक्रमों, सांविधिक निकाय, स्थानीय निकाय, शहरी निकाय और सरकार द्वारा सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान में नियमित/स्थायी कर्मचारी/संविदा कर्मचारी/मानदेय कर्मचारी के रूप में कार्यरत नहीं होना चाहिए या पेंशन प्राप्त नहीं कर रहा होना चाहिए।

आवश्यक दस्तावेज:

* पासपोर्ट साइज फोटो * राशन कार्ड * वोटर आईडी * आधार कार्ड * बैंक पासबुक * स्व-घोषणा पत्र

आवेदन प्रक्रिया:

* इच्छुक आवेदक कार्यालय समय के दौरान प्रखंड विकास अधिकारी/अंचल अधिकारी के कार्यालय में जा सकते हैं और आवेदन पत्र का निर्धारित प्रारूप प्राप्त कर सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में, भरे हुए आवेदन पत्र को आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रखंड विकास अधिकारी के कार्यालय में जमा किया जा सकता है। शहरी क्षेत्रों में, आवेदन पत्र अंचल अधिकारी के कार्यालय में जमा किया जा सकता है।योजना के तहत वित्तीय सहायता सीधे लाभार्थी के आधार से जुड़े बैंक खाते में जमा की जाती है।महिलाओं का बैंक खाता आधार से जुड़ा होना अनिवार्य है।जो महिलाएं पहले से ही झारखंड सरकार के महिला, बाल विकास और सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा संचालित किसी अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना का लाभ उठा रही हैं, वे इस योजना के लिए पात्र नहीं होंगी। यह योजना झारखंड की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यदि आप इस योजना के लिए पात्र हैं, तो आप निर्धारित प्रक्रिया का पालन करके आवेदन कर सकती हैं।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई नार्कोटिक्स समन्वय समिति की बैठक

पुलिस अधीक्षक समेत अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी हुए शामिल।

मनोज कुमार ब्यूरो चीफ दैनिक समाज जागरण हजारीबाग।

उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में नार्कोटिक्स समन्वय समिति (NCORD) की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अरविंद कुमार सिंह, एसडीएम सदर समेत अन्य संबंधित विभागीय पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान व इसके रोकथाम को लेकर की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की गई। एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामलों, नशीले पदार्थों के उत्पादन, प्रसंस्करण और तस्करी की रोकथाम पर चर्चा की गई। इसके अलावा, नगर क्षेत्र के युवा आबादी में नशे के खिलाफ जागरूकता लाने और दवा दुकानों में बिना प्रिस्क्रिप्शन के दवा देने तथा ड्रग पेडलर के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई को सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि बगैर चिकित्सक के परामर्श के बिक्री हेतु प्रतिबंधित दवाओं की सूची सभी मेडिकल संचालक अपने दुकानों में डिस्पले करेंगे। उन्होने नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध व्यापार को समाप्त करने के लिए ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए। मादक पदार्थों अफीम आदि की खेती के संभावित क्षेत्रों की पहचान कर नियमित कारवाई करते हुए फसलों को नष्ट करने का निर्देश दिया। अंतर्राज्यीय और अंतरजिला मार्गों पर तस्करी की प्रवृत्तियों के बारे में जानकारी एकत्र कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात की गई । थाना स्तर पर सभी निजी व सरकारी स्कूल के प्राचार्य के साथ बैठक करने, पैरेंट्स- टीचर मीटिंग में ड्रग्स को लेकर जागरूक करने, सभी स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में सघन जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। साथ ही स्कूलों के 100 गज के दायरे में मादक पदार्थों की बिक्री के विरूद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई का निर्देश दिया गया।

संजीवनी सेवा कुटीर को हटाने के फरमान के बाद सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने किया प्रेस वार्ता.

इंसानियत की सेवा को धर्म के चश्मे से मत देखिए, सेवा कुटीर नहीं हटेगा : प्रदीप प्रसाद. आप एक सेवा कुटीर हटाएँगे, तो हम सौ सेवा कुटीर खड़े कर देंगे। हजारीबाग में सेवा महल बनेगा, पर सेवा कुटीर अपनी जगह से एक इंच भी नहीं हटेगा : प्रदीप प्रसाद.

मनोज कुमार ब्यूरो चीफ दैनिक समाज जागरण हजारीबाग।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी द्वारा सदर अस्पताल परिसर में संचालित संजीवनी सेवा कुटीर को हटाने के निर्देश दिए जाने के बाद, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने गुरुवार को एक विशेष प्रेस वार्ता आयोजित कर इस निर्णय का विरोध किया। उन्होंने इसे जनसेवा पर आघात बताते हुए कहा कि यह कार्य न सिर्फ असंवेदनशील है, बल्कि राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित भी प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि यह सेवा कुटीर दिनांक 4 जनवरी 2025 को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में स्थापित किया गया था, और तब से आज तक करीब 6000 से अधिक जरूरतमंदों को चिकित्सा सहयोग प्रदान कर चुका है। कई आपातकालीन मामलों की सेवा बिना रजिस्ट्रेशन के भी दी गई है, क्योंकि प्राथमिकता मरीज की जान बचाना रही, कागजी प्रक्रिया नहीं। विधायक ने स्वास्थ्य मंत्री से सवाल किया कि वे हजारीबाग आते तो हैं, पर अस्पताल परिसर का निरीक्षण क्यों नहीं करते? सिर्फ सर्किट हाउस में बैठक कर चले जाने से उन्हें कैसे जानकारी होगी कि जमीनी स्तर पर क्या कार्य हो रहा है? बिना कोई जायजा लिए, सेवा कुटीर को हटाने का आदेश देना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रदीप प्रसाद ने कहा की आप कहते हैं कि यह सेवा किसी विशेष समुदाय के लिए है, पर मैं स्पष्ट कर दूं कि जिन 6000 लोगों का इलाज किया गया है, उनमें हर धर्म, जाति, वर्ग के लोग शामिल हैं। हमारे पास पूरा डाटा है आप खुद आकर देख सकते हैं। अगर आप एक सेवा कुटीर हटाएँगे, तो हम सौ सेवा कुटीर खड़े कर देंगे। हजारीबाग में सेवा महल बनेगा, पर सेवा कुटीर अपनी जगह से एक इंच भी नहीं हटेगा। विधायक ने बताया कि सेवा कुटीर में 12 युवा स्वयंसेवक चौबीसों घंटे तैनात रहते हैं। बीते बुधवार को ही मरीजों की सुविधा के लिए एयर कंडीशनर लगाया गया है। यह सेवा निस्वार्थ भाव से जनमानस की भलाई हेतु संचालित है, इसका कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं है। एक अल्पसंख्यक समुदाय से आए व्यक्ति ने स्पष्ट कहा मैं मुस्लिम हूं, लेकिन सेवा कुटीर ने कभी मेरा धर्म नहीं पूछा। यहां सिर्फ इंसानियत की सेवा होती है, और मैं मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि वे अपने निर्णय पर पुनर्विचार करें। प्रदीप प्रसाद ने यह भी बताया कि वे विधायक बनने से पूर्व लगभग 20 वर्षों तक समाजसेवा में सक्रिय रहे हैं। रक्तदान, सांप का इंजेक्शन, कोरोना काल में सेवाएं इन सभी कार्यों में उन्होंने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया। उन्होंने कहा की मेरा उद्देश्य राजनीति नहीं, सेवा है और मैं अपने आसपास के सभी लोगों को भी इसी सोच से जोड़ता हूं। उन्होंने एक ताजा घटना का भी जिक्र किया जिसमें बाबूगांव कोर्रा चौक निवासी आलेख गौरव की झील में डूबने से मृत्यु हो गई थी। विधायक ने स्वयं मौके पर पहुंचकर झील से शव निकलवाने का प्रयास किया और सफलता भी मिली। जबकि स्वास्थ्य मंत्री रात में झील पर सिर्फ वीडियो बनाकर चले गए पीड़ित परिवार से मिलना भी जरूरी नहीं समझा। विधायक ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा की मैं स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को चेतावनी देता हूं सेवा कुटीर किसी भी कीमत पर नहीं हटेगा। हम धर्म देखकर सेवा नहीं करते, बल्कि इंसानियत के नाते करते हैं, और करते रहेंगे।प्रेस वार्ता में प्रदीप प्रसाद के साथ मनोज श्रीवास्तव, अशफाक अहमद उर्फ राजा सहित कई लोग मौजूद रहें.

विश्व मलेरिया दिवस का होगा भव्य आयोजन।

मनोज कुमार ब्यूरो चीफ दैनिक समाज जागरण हजारीबाग।

राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी,भी0 बी0डी0, झारखंड, रांची के पत्रांक 219 दिनांक 11/04/25 एवं ज्ञापांक 96(भी0बी0डी), सिविल सर्जन सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी हजारीबाग दिनांक 11/04/25 के निदेर्शानुसार कटकमसांडी/कटकमदाग प्रखण्ड के अंतर्गत सीएचसी/पीएचसी/आम/एचएससी मे एवं गांव के सरकारी/प्राइवेट स्कूलों मे विश्व मलेरिया दिवस का होगा आयोजन। इसका मुख्य उद्देश्य मलेरिया से सुरक्षा एवं बचाव के प्रति जन समुदाय को जागरुक करना एवं बेहतर स्वास्थ्य के लिए उनका वैवहार परिवर्तन करना है। इस वर्ष विश्व मलेरिया दिवस का थीम है "malariya ends with us,Reinvest Reimagine Reignite"(मलेरिया का अंत हमारे साथः पूर्णनीवेश, पूर्णकल्पना,पूर्णजीवन)। इस अवसर पर सभी सी0एचडओ, एएनएम,एमपीडब्ल्यू, बीटीटी, सहिया साथी एवं सहिया के साथ मिलकर स्कूलों मे रैली एवं जान जागरूकता कार्यक्रम किया जाएगा। इसके साथ साथ मलेरिया जांच भी निः शुल्क किया जाएगा और रिर्पोट आने पर मुफ्त दवा दिया जाएगा।उक्त बातें सीएचसी कटकमसांडी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ भूषण राणा एवं प्रखण्ड मलेरिया इंचार्ज एमटीएस सुरेन्द्र कुमार के द्वारा प्रेषित किया गया और सभी से आग्रह किया गया की इस कार्यक्रम सात प्रतिशत सफल बनाने मे सहयोग करे ताकि हमारा प्रखण्ड मलेरिया मुक्त हो।

खूंटी में होगी जूनियर राज्य स्तर कबड्डी प्रतियोगिता

मनोज कुमार ब्यूरो चीफ दैनिक समाज जागरण हजारीबाग।

खूंटी जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष गुलाब महतो के नेतृत्व में,पर्यटन, कला संस्कृति एवं खेलझ कूद मंत्री माननीय श्री सुदिव्या कुमार सोनू जी से मुलाकात हुई तथा खूंटी जिला कबड्डी संघ के सचिव शिवकुमार महतो ने बताया कि स्व टीत मुचीराय मुंडा के तत्वाधान में आयोजित 10वी झारखंड राज्य स्तरीय जूनियर बालक एवं बालिका कबड्डी प्रतियोगिता 28 अप्रैल से 30 अप्रैल 2025 तक बिरसा कॉलेज खूंटी के प्रांगण में होना सुनिश्चित हुआ है जिसकी तैयारी जोरों शोरों से चल रही है साथी मुलाकात के दौरान कोषाध्यक्ष सुमित कुमार राष्ट्रीय खिलाड़ी अजय महतो कमलेश महतो बसंत महतो गौतम प्रधान उपस्थित थे।

भीषण गर्मी में छात्र बेहाल: एम.एल. आर्य महाविद्यालय में घंटों कतार में खड़े रहे छात्र, बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव

शेड, पानी और शौचालय जैसी सुविधाएं नदारद; छात्र राजद ने दी तीन दिनों की तालाबंदी की चेतावनी, कहा झ्र प्रशासन बना है मूकदर्शक: बिस्मिल

दैनिक समाज जागरण कसबा (पूर्णिया)।

यूजी सत्र 2024-28 के चौथे सेमेस्टर के रजिस्ट्रेशन वेरिफिकेशन के दौरान एम. एल. आर्य महाविद्यालय, कसबा में सैकड़ों छात्र-छात्राओं को भीषण गर्मी और तीखी धूप में घंटों तक कतार में खड़ा रहना पड़ा। महाविद्यालय परिसर में शेड होने के बावजूद उसका उपयोग नहीं किया गया, जिससे छात्रों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस अव्यवस्था को लेकर छात्र राजद के कार्यकताओं ने कॉलेज प्रशासन से बात की, लेकिन जिम्मेदार प्रशाखा पदाधिकारी राजीव सिंह ने उनकी बातों को नजरअंदाज कर दिया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए छात्र राजद पूर्णिया के जिला अध्यक्ष मोहम्मद बिस्मिल ने कहा, "अगर यही स्थिति अधिकारियों के बच्चों के साथ होती, तो क्या उन्हें भी इसी तरह कतार में खड़ा किया जाता?" बिस्मिल ने आगे कहा कि कॉलेज प्रशासन को पहले भी पीने के स्वच्छ पानी, शौचालय और छाया की सुविधा की मांगों से अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तीन दिनों के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो छात्र राजद महाविद्यालय में विरोध प्रदर्शन करते हुए तीन दिनों तक पूर्ण तालाबंदी करेगा। गौरतलब है कि हाल ही में महाविद्यालय की भूगोल विभाग की प्रोफेसर ज्योतिर्षा कुमारी द्वारा एक छात्र का मोबाइल फोन तोड़ने की घटना भी सामने आई थी। इसके विरोध में भी छात्र राजद ने मोर्चा खोला था, जिसके बाद प्रशासन को मजबूरन छात्र का फोन मरम्मत करवा कर देना पड़ा। छात्रों का कहना है कि आए दिन कॉलेज में नई समस्याएं उत्पन्न होती हैं, लेकिन प्रशासन चुप्पी साधे रहता है। इस लापरवाही का सीधा असर उनके शैक्षणिक माहौल पर पड़ रहा है। छात्र राजद ने प्रशासन को अल्टीमेटम दिया है कि अगर तत्काल सुधार नहीं हुआ, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

छातापुर की धूप, धूल और उम्मीदों के बीच संजीव मिश्रा की पदयात्रा - जहां राजनीति नहीं, रिश्ते बन रहे हैं

वीआईपी पार्टी के जनसंपर्क अभियान में नहीं दिखे लाल कालीन, लेकिन दिखा जनता का दर्द
संजीव मिश्रा ने गांव-गांव जाकर सुनीं परेशानियां, जनता जनार्दनों से की दिल की बात

दैनिक समाज जागरण छातापुर (सुपौल)।

जब चुनावी वादों का मौसम आता है, तब अक्सर नेता हेलीकॉप्टर से उतरते हैं और भाषणों की बरसात करके लौट जाते हैं। लेकिन इस बार छातापुर की गलियों में कोई शोर नहीं, सरोकार लेकर आया है - नाम है संजीव मिश्रा, वीआईपी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पनोरमा ग्रुप के प्रबंध निदेशक। गुरुवार को छातापुर विधानसभा क्षेत्र की रामपुर पंचायत स्थित लालपुर गांव से शुरू हुए जनसंपर्क अभियान में मिश्रा ने सैकड़ों लोगों से सीधे संवाद किया। उनका कारवां हरिहरपुर, माधोपुर और अन्य गांवों तक पहुंचा, लेकिन यह दौरा किसी चुनावी शो की तरह नहीं था - यह एक जन संवाद था, एक चलती-फिरती सुनवाई थी। कागज पर योजना है, जमीन पर खालीपन संजीव मिश्रा ने कहा, "छातापुर नेतृत्वविहीन हो चुका है। योजनाएं बनती हैं, लेकिन लाभ आम जनता तक नहीं पहुंचता। अधिकारी अपनी मर्जी से शासन चला रहे हैं और जनता को हर मोड़ पर भ्रष्टाचार का सामना करना पड़ता है।" उन्होंने खासतौर पर यह सवाल उठाया कि "पूरे क्षेत्र में एक भी डिग्री कॉलेज नहीं है।" इस एक वाक्य में छातापुर के हजारों युवाओं का भविष्य अटका पड़ा है। महिला संवाद: नारों से आगे की बात रामपुर में एक विशेष महिला संवाद का आयोजन हुआ, जिसमें संजीव मिश्रा ने बबीता देवी, सरिता देवी, रूपम पाठक सहित सैकड़ों महिलाओं से संवाद किया। उन्होंने कहा, "हमारी पार्टी गरीब, मजदूर, छात्र, नौजवान और समाज के सबसे निचले तबके के लिए लड़ाई लड़ रही है।" उन्होंने VIP पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी का ज़िक्र करते हुए कहा, "सन ऑफ मल्लाह सिर्फ एक उपाधि नहीं, एक प्रतीक है झ्र संघर्ष का, समानता का और सम्मान का।" कार्यकर्ताओं का जोश और जनसमर्थन की लहर इस अभियान में वीआईपी पार्टी के स्थानीय नेताओं की मजबूत उपस्थिति रही: विकास कुमार (छातापुर विधानसभा प्रवक्ता), विनय मंडल, मोनू मिश्रा, अरुण, हरी, मुकुंद, इंदल कुमार, यकुब आलम, बबीता देवी, सरिता देवी, रूपम पाठक, अभिषेक मिश्रा - सभी ने जनता के बीच जाकर पार्टी की नीति और मिशन को समझाया। यह रिश्ता नेता और जनता का नहीं, एक परिवार का है– संजीव मिश्रा जनसभा को संबोधित करते हुए मिश्रा ने कहा:"आपका स्नेह, आपकी आँखों की उम्मीद, और आपके घर की बातें मेरे लिए घोषणापत्र से कहीं ज्यादा अहम हैं। मैं चुनाव नहीं, एक परिवर्तन की यात्रा पर निकला हूँ।" उन्होंने ये भी जोड़ा, "हमारी लड़ाई सिर्फ जीतने की नहीं है, एक नया इतिहास गढ़ने की है झ्र जिसमें आपके सपनों की जगह हो, आपके बच्चों की पढ़ाई हो, और आपके अधिकार की गारंटी हो।" छातापुर की मिट्टी में अब एक नई सरगर्मी है। यह वीआईपी पार्टी के झंडे से ज्यादा, उन चेहरों की पहचान है जो पहली बार खुद को राजनीति के केंद्र में देख रहे हैं। संजीव मिश्रा के इस जनसंपर्क अभियान ने यह दिखा दिया कि राजनीति केवल भाषण नहीं, भरोसे की बुनियाद भी हो सकती है।

वीरता का उत्सव: ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय में बाबू वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव दिवस मनाया गया

1857 की क्रांति के महानायक को श्रद्धांजलि, शिक्षकों और छात्रों ने कहा— उनके साहस से लें प्रेरणा

दैनिक समाज जागरण मधेपुरा। बुधवार को ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय, मधेपुरा में भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह के विजयोत्सव दिवस के अवसर पर एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्य प्रो. कैलाश प्रसाद यादव ने कहा कि 1857 की क्रांति में 80 वर्ष की उम्र में अंग्रेजों से लोहा लेने वाले वीर कुंवर सिंह देश की प्रेरणा हैं। उनके साहस की मिसाल आज भी हर पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सुधांशु शेखर ने बताया कि 23 अप्रैल, 1858 को बाबू वीर कुंवर सिंह ने अपने किले जगदीशपुर में ब्रिटिश झंडा हटाकर विजय पताका फहराई थी। यही कारण है कि इस दिन को विजयोत्सव दिवस के रूप में मनाया जाता है। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए गणित विभागाध्यक्ष ले. गुड्डु कुमार ने कहा कि आज हमें वीर कुंवर सिंह जैसे राष्ट्रनायकों के जीवन से प्रेरणा लेकर सामाजिक समरसता और राष्ट्रभक्ति के मार्ग पर चलने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर उपस्थित रहे: असिस्टेंट प्रोफेसर संजीव कुमार सुमन, शोधार्थी सौरभ कुमार चौहान, प्रधान सहायक नारायण ठाकुर, खुशबू कुमारी, पल्लवी कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, गुड़िया कुमारी, महेश कुमार, टुकटुक, परी, शिवम राज, मनीष कुमार, चंदन कुमार, अरविंद कुमार, संजीव कुमार, सुमन सौरभ कुमार चौहान, सुनील कुमार, रंजीत कुमार। सभी प्रतिभागियों ने वीर कुंवर सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्रसेवा का संकल्प लिया। कार्यक्रम ने यह साबित किया कि इतिहास के पन्नों में दर्ज नायक आज भी हमारे लिए मार्गदर्शक हैं। वीर कुंवर सिंह की जयंती केवल श्रद्धांजलि का अवसर नहीं, बल्कि उनके विचारों को अपनाने का भी एक संकल्प है।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में पूर्णिया में कैंडल मार्च, खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों ने दी श्रद्धांजलि

खेल से जुड़े संगठनों ने घटना को बताया 'मानवता पर हमला', कहा— अब समय आ गया है एकजुट होकर सख़्त जवाब देने का

दैनिक समाज जागरण पूर्णिया। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में निर्दोष हिंदू तीर्थयात्रियों को निशाना बनाए जाने के विरोध में पूर्णिया जिला साइक्लिंग संघ और हरिओम स्पोर्ट्स एकेडमी के खिलाड़ियों, पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में खेलप्रेमियों ने कैंडल मार्च निकालकर विरोध जताया और शोक प्रकट किया। कैंडल मार्च की शुरूआत जिला स्कूल खेल मैदान परिसर से हुई जो खीरु चौक, भट्टा बाजार, लखन चौक, झंडा चौक, कालीबाड़ी चौक, डीलक्स होटल होते हुए आर एन साह चौक तक निकाला गया। मार्च में शामिल लोगों के हाथों में मोमबत्तियां और तख्तियां थीं, जिन पर शांति, एकता और आतंकवाद के खिलाफ सख़्त कार्रवाई की मांग लिखी गई थी। मार्च की शुरूआत में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई और ईश्वर से मृतकों की आत्मा की शांति तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की गई। आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का आह्वान इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि यह हमला सिर्फ एक समुदाय पर नहीं, बल्कि पूरे भारत की आत्मा पर चोट है। ईस्ट जोन के पूर्व चेयरमैन सह क्रिकेट प्रशिक्षक हरिओम झा ने कहा, आतंकवाद का कोई मजहब नहीं होता, लेकिन जब किसी विशेष धर्म को निशाना बनाकर हमला होता है, तो यह गंभीर चिंता का विषय है। पूर्व क्रिकेटर शशांक शेखर सिंह (गुड्डू) ने इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया और कहा कि ह्वयह सुनियोजित साजिश है जो समाज में डर और विभाजन फैलाने की कोशिश कर रही है। पूर्व क्रिकेटर मनोज पासवान ने कहा कि खुफिया तंत्र की विफलता के कारण आतंकी हमलावरों को मौका मिला, और यह समय है जब हमें जाति-धर्म से ऊपर उठकर एकजुट होना होगा। पूर्णिया जिला साइक्लिंग संघ के अध्यक्ष नवीन सिंह, सचिव मुरारी सिंह और सेवानिवृत्त डीएसपी एस.के. सरोज ने भी हमले की तीखी निंदा करते हुए आतंकवाद के खिलाफ कठोर नीति अपनाने की मांग की।

विशेष रूप से उपस्थित रहे

हरिओम झा, शशांक शेखर सिंह, नवीन सिंह, मुरारी सिंह, एस.के. सरोज, परिमल सिंह, पवन पोद्दार, डॉ. आलोक (रोटरी क्लब), राहुल, आलोक लोहिया, लालू केडिया, अभिनव केजरीवाल, गुड्डू पंसारी, इंद्रजीत प्रसाद सह, तौफीक आलम, नंदकिशोर सिंह, आतिश सनातनी, मनोज कुमार पासवान, तापस रुद्र (वरिष्ठ भाजपा नेता), पंकज श्रीवास्तव, राजीव सिंह, निशीत कुमार, जय सिंह, एसएस प्रसाद पिंटू, सुनील लोहिया सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी, कोच औरअभिभावकगण। पूर्णिया में हुए इस कैंडल मार्च ने यह संदेश दिया कि देश का हर कोना आतंक के विरुद्ध एकजुट है। खेल के क्षेत्र से जुड़े लोगों ने यह साबित किया कि जब बात इंसानियत और देश की सुरक्षा की हो, तब खिलाड़ी भी मैदान से बाहर खड़े होकर आवाज बुलंद करना जानते हैं।

"मगध विवि का ग्रीष्मावकाश रद्द करना शिक्षा विरोधी फैसला": प्रो. अरुण गौतम का तीखा प्रहार

शिक्षकों की शैक्षणिक यात्रा, शोध व आत्मविकास की प्रक्रिया में बाधा— फैक्टनेब ने विश्वविद्यालय प्रशासन को घेरा

दैनिक समाज जागरण पटना। मगध विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा 21 मई से 20 जून तक प्रस्तावित ग्रीष्मावकाश को रद्द किए जाने के फैसले ने शिक्षकों में आक्रोश की लहर दौड़ा दी है। इस निर्णय की कड़ी आलोचना करते हुए बिहार राज्य संबद्ध डिग्री महाविद्यालय शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ (फैक्टनेब) के मीडिया प्रभारी प्रो. अरुण गौतम ने इसे "शिक्षा और शिक्षक विरोधी" करार दिया है।
प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्रो. गौतम ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा 15 अप्रैल को बुलाई गई बैठक में शैक्षणिक सत्रों को नियमित करने, परीक्षाफल का समय पर प्रकाशन व क्षतिपूर्ति राशि की गणना जैसे एजेंडों का हवाला देकर ग्रीष्मावकाश रद्द करना, मगध विश्वविद्यालय प्रशासन की 'सामंती सोच' और 'मनमानी' का परिचायक है। शिक्षकों की भूमिका को किया दरकिनार प्रो. गौतम ने दो-टूक कहा कि आज के समय में विश्वविद्यालयों में उत्तर पुस्तिकाओं की जांच, परीक्षा परिणामों का प्रकाशन आदि कार्य ठेकेदारों और प्रशासनिक तंत्र द्वारा संचालित किए जा रहे हैं, जहां शिक्षकों की भूमिका नगण्य होती जा रही है। ऐसे में शिक्षकों के शैक्षणिक विश्राम और आत्मविकास के अधिकार को छीनना किसी भी रूप में न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता। शोध व शैक्षणिक यात्राओं पर असर उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि ग्रीष्मावकाश केवल आराम के लिए नहीं, बल्कि शोध लेखन, शैक्षणिक यात्राओं, सेमिनारों में भागीदारी और आत्मिक उन्नति का एक आवश्यक अवसर होता है। इसे बिना किसी संवाद और वैकल्पिक योजना के रद्द कर देना, शिक्षा की गुणवत्ता को गिराने वाला कदम है। फैसला वापस लेने की मांग प्रो. अरुण गौतम ने विश्वविद्यालय प्रशासन से अपील की है कि वह इस निर्णय को तुरंत वापस ले और शिक्षकों को उनकी शैक्षणिक गरिमा व स्वतंत्रता के साथ ग्रीष्मावकाश बिताने का अवसर दे।

सिकटी में सियासी चाणक्य की दस्तक: मंत्री विजय मंडल ने बैद्यनाथ मिश्र से मिलकर साधा समीकरण, विपक्ष की धड़कनें तेज

राजनीति में कोई मुलाकात मामूली नहीं होती—मंत्री विजय मंडल का यह कदम बना सकता है चुनावी गेमचेंजर

दैनिक समाज जागरण सिकटी (अररिया)।

सियासत में वक्त से पहले चालें चलना अक्सर इतिहास बदल देता है—और ऐसा ही एक कदम बुधवार को आपदा प्रबंधन मंत्री विजय मंडल ने उठाया। उन्होंने सिकटी के दिग्गज, पूर्व जिला पार्षद और समाज के सभी वर्गों में लोकप्रिय बैद्यनाथ मिश्र से शिष्टाचार भेंट कर न केवल उनका आशीर्वाद लिया, बल्कि विपक्ष को एक अनकही चेतावनी भी दे दी। बैद्यनाथ मिश्र ने मंत्री मंडल का शाल ओढ़ाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। यह दृश्य केवल सम्मान का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि आने वाले राजनीतिक गठजोड़ की झलक था—जहां अनुभव और सत्ता एक ही फ्रेम में खड़े नजर आए। इस मुलाकात के मायने क्या हैं? बैद्यनाथ मिश्र, जिन्हें सिकटी की "जनसंवाद की धुरी" कहा जाता है, वर्षों से पंचायत और जिला स्तर की राजनीति में सक्रिय रहे हैं। उनकी सामाजिक स्वीकार्यता, संगठनात्मक पकड़ और चुनावी अनुभव—सत्ता की राजनीति के लिए अमूल्य है। विजय मंडल की यह पहल संकेत देती है कि वे चुनावी जमीन को केवल योजनाओं से नहीं, जमीनी रिश्तों की नींव पर जीतना चाहते हैं। राजनीतिक विश्लेषण विजय मंडल ने बिना शोर के बड़ा कदम उठाया भाजपा के भीतर स्थानीय समीकरण साधने की नई रणनीति विपक्षी दलों के लिए यह सीधा संदेश: सिकटी में अब मुकाबला आसान नहीं जनता की नब्ज को छूने की कोशिश बैद्यनाथ मिश्र के साथ मुलाकात ने सामाजिक विश्वास का सिग्नल भी दिया। खासकर वे तबके, जो वर्षों से पंचायत राजनीति में बैद्यनाथ मिश्र के नेतृत्व को मानते आए हैं—अब खुद को सत्ता से जुड़ा महसूस कर सकते हैं। क्या बोले जानकार? स्थानीय पत्रकारों और राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि "यह सिर्फ एक तस्वीर नहीं, बल्कि एक संदेश है—कि विजय मंडल अब सिर्फ एक मंत्री नहीं, बल्कि चुनावी पिच पर एक रणनीतिक कप्तान की तरह खेल रहे हैं।" सिकटी के भाजपा विधायक सह बिहार सरकार के कैबिनेट मिनिस्टर विजय मंडल की बैद्यनाथ मिश्र से यह मुलाकात सिकटी के चुनावी इतिहास में साइलेंट मास्टरस्ट्रोक बन सकती है। अगर यह समीकरण मैदान में उतरा, तो यह गठजोड़ वोटों के जोड़-घटाव से परे, विश्वास की राजनीति में तब्दील हो जाएगा। अब देखने वाली बात ये होगी कि विपक्ष इसके जवाब में कौन-सी चाल चलता है।

महिला संवाद बना बदलाव की दस्तक: योजनाओं की जानकारी से जागरूक हो रहीं महिलाएं, रोजगार की मांग पर मुखर

वीडियो संवाद रथ से जागरूकता का संचार, महिलाएं बोलीं— "अब हमें हक भी पता है और रास्ता भी"

दैनिक समाज जागरण अररिया ।

गुरुवार को अररिया जिले में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी ने एक नई सामाजिक चेतना को जन्म दिया। संवाद में पहुंचीं महिलाएं जहां वीडियो फिल्मों के जरिए योजनाओं की जानकारी से उत्साहित नजर आईं, वहीं उन्होंने स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की मांग भी खुलकर उठाई। "पहले नहीं पता था कि क्या योजनाएं हैं, अब हमें रास्ता भी मिल गया है"—यह कहना है उन दर्जनों महिलाओं का, जिन्होंने संवाद रथ के जरिए पहली बार सरकारी योजनाओं की जानकारी हासिल की। महिलाओं ने कहा कि इस संवाद के माध्यम से उन्हें पता चला कि शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार और सुरक्षा से जुड़ी कई योजनाएं उनके लिए पहले से ही चल रही हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में वे वंचित थीं।
रोजगार पर विशेष चिंता, पलायन से पीड़ा कार्यक्रम में आई कुछ महिलाओं ने पलायन को सबसे बड़ा अभिशाप बताते हुए कहा कि जब पुरुष रोजगार के लिए बाहर चले जाते हैं, तो सामाजिक, मानसिक और आर्थिक बोझ सबसे अधिक महिलाओं पर पड़ता है। उन्होंने कहा, ह्वयदि स्थानीय स्तर पर कोई छोटा कारखाना, प्रशिक्षण केंद्र या स्वरोजगार योजना लागू हो, तो हमें अपने परिवारों को बिखरने से बचाने का मौका मिलेगा। संवाद रथ से पहुँच रही है सशक्तिकरण की लहर बता दें कि 18 अप्रैल से शुरू हुआ यह कार्यक्रम दो महीने तक चलेगा, जिसमें कुल 18 संवाद रथ प्रतिदिन जिले की 36 जगहों पर जाकर महिलाओं को वीडियो फिल्मों के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं।पहली पाली: सुबह 9 से 11 बजे तक,दूसरी पाली: शाम 4 से 6 बजे तक। पूर्व निर्धारित रूट मैप के अनुसार संवाद रथ प्रतिदिन अलग-अलग पंचायतों में पहुँच रहा है। इस पहल की सकारात्मक और संतोषजनक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। महिलाओं का कहना है कि "अब हम सिर्फ वोट नहीं देंगे, सवाल भी पूछेंगे—अपने हक के लिए।" महिला संवाद सिर्फ योजनाओं की जानकारी भर नहीं दे रहा, बल्कि अररिया की महिलाओं में सामाजिक और आर्थिक बदलाव की नई चेतना जगा रहा है। सरकार यदि इन आवाजों को सुनकर स्थानीय स्तर पर अवसर सृजित करे, तो यह संवाद एक स्थायी बदलाव की शुरूआत साबित हो सकता है।

विश्व मलेरिया दिवस पर अररिया में जागरूकता कार्यक्रम, मलेरिया मामलों में आई कमी

दैनिक समाज जागरण अररिया ।

विश्व मलेरिया दिवस (25 अप्रैल) के अवसर पर अररिया जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिले को मच्छर जनित रोगों की दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है, खासकर बाढ़ और जलजमाव के कारण मलेरिया का खतरा अधिक रहता है। जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि आशा

कार्यकताओं और स्वास्थ्य विभाग की सक्रियता से मलेरिया के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है। विश्व मलेरिया दिवस पर रैली व जागरूकता शिविर लगाए जाएंगे। सिविल सर्जन डॉ. केके कश्यप ने कहा कि मलेरिया नियंत्रण के लिए स्वच्छता, मच्छरदानी का प्रयोग और समय पर इलाज जरूरी है। भारत को 2030 तक मलेरिया मुक्त बनाने के लक्ष्य में अररिया की सक्रिय भागीदारी अपेक्षित है। संदेश साफ है: मलेरिया से लड़ाई में हर नागरिक की भूमिका अहम है।

हृदयविदारक और दर्दनाक सड़क हादसे में दो महिला मजदूरों की मौत

एक रेफर, पांच मजदूर का हजारीबाग में चल रहा है इलाज
घटना की जानकारी पाते ही सांसद मनीष जायसवाल हुए सक्रिय, अपने मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी को घायलों की मदद के लिए भेजा अस्पताल।

मनोज कुमार ब्यूरो चीफ
दैनिक समाज जागरण हजारीबाग।

गुरुवार की अहले सुबह हजारीबाग- धनबाद मुख्य मार्ग पर दारू थाना क्षेत्र के ग्राम पिपचो के समीप एक भीषण सड़क हादसा हुई। जिसमें मजदूरों से भरी एक पिकअप वाहन की टक्कर यहां खराब होकर खड़ी एक ट्रक से इतना जोरदार हुई कि दो महिला मजदूरों की मौत हो गई और आधा दर्जन मजदूर घायल हो गए। एक घायल को नाजुक स्थिति में हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल से प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए रिम्स भेजा गया वहीं चार घायल मजदूरों का हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ही भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। इस पिकअप वैन में मौजूद अधिकतर मजदूर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के मांडू विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विष्णुगढ़ प्रखंड के गोविंदपुर पंचायत अवस्थित ग्राम चितरामो के टोला गिधनीय के निवासी थे और एक मजदूर चतरा का रहने वाला बताया गया। सभी मजदूर छत ढलाई में मजदूरी का काम करते थे और हजारीबाग से पूरी रात काम करके वापस अपने घर लौट रहें थे तभी ये हृदयविदारक सड़क हादसा हो गई। इस दुर्घटना में विष्णुगढ़ प्रखंड के गोविंदपुर पंचायत के ग्राम चितरामो के टोला गिधनीय की रहने वाली मजदूर मणि कुमारी और ललिता कुमारी का निधन हो गया। इसी गांव की रहने वाली संगीता कुमारी को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया जबकि दशमी हांसदा, भानुमती मरांडी, सूरजमुनि और चतरा निवासी सहदेव कुमार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करके इलाज किया जा रहा हैं । इधर घटना की जानकारी मिलते ही हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल सक्रिय हुए और उन्होंने तत्काल अपने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी को अस्पताल जाकर घायलों का सुध लेते हुए उन्हें हरसंभव मदद का निर्देश दिया। सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर तत्काल उनके प्रतिनिधि रंजन चौधरी हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे और घायलों के समुचित इलाज में हरसंभव सहयोग में जुट गए। उन्होंने विष्णुगढ़ थाना प्रभारी और स्थानीय सांसद प्रतिनिधि के माध्यम से मृतकों और घायलों के परिजनों को खबर भेजवाया और फि र मृतकों के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के साथ सभी घायलों के समुचित इलाज का चिकित्सकों और चिकित्साकर्मियों से आग्रह किया। सांसद मनीष जायसवाल ने भी इस भीषण सड़क दुर्घटना पर गहरा शोक जताते हुए मृतकों की आत्मा की शांति और घायलों के जल्द स्वास्थ्य होने की कामना की ।

स्कूलों को संचालित करने के समय सीमा में किया गया बदलाव।

मिंटू कुमार संवाददाता समाज जागरण हजारीबाग सदर।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार की ओर से राज्य के सभी जिलों में बढ़ते गर्मी के प्रभाव को देखते हुए स्कूलों के समय सारणी में बदलाव के आदेश जारी की गई। जारी आदेश के अनुसार कक्षा के जी से 08 तक सुबह 7:00 से 11:30 और कक्षा 09 से 12वीं के लिए सुबह 7:00 से 12:00 बजे तक कक्षाएं होंगी संचालित। 26 अप्रैल से आदेश होगा लागू

क्या वजन घटाने के लिए आप भी करते हैं ये गलतियां? हो जाएं सावधान

अक्सर वजन घटाने के चक्कर में हम कई ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो कभी नहीं करनी चाहिए. अगर बिना किसी एक्सपर्ट की सलाह या न्यूट्रिशनिस्ट की सलाह से हम वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं या फिर ऐसे नुस्खों का अनुसरण कर रहे हैं, जो बेहद सामान्य हैं, जिन्हें किसी के मुंह से भी सुनकर लोग फॉलो करने लगते हैं, तो सावधान होने की जरूरत है, क्योंकि ऐसी स्थिति में पछताना पड़ सकता है. अगर आपका वजन ज्यादा है और आप वेट लॉस (ध्र्ीं३ छङ्क२२) करने की सोच रहे हैं, तो सबसे पहले किसी अच्छे न्यूट्रिशनिस्ट से मिलें और उसके द्वारा बताई गई डाइट प्लान ही फॉलो करें. ध्यान रहे कि खुद से अपनी डाइट प्लान न बनाएं या फिर इंटरनेट पर देखकर वजन घटाने के नुस्खों या टिप्स का अनुसरण न करें. पोषक विशेषज्ञ के दिशा-निर्देश में ही बनाई गई डाइट प्लान, का अनुसरण करें और खुद डॉक्टर न बनें. अक्सर देखा गया है कि लोग वजन घटाने के लिए खुद ही डॉक्टर की भूमिका में आ जाते हैं और जिसका खामियाजा उनको बाद में भुगतना पड़ता है. न्यूट्रिशनिस्ट तान्या वालिया मालगुड़ी का कहना है कि वजन घटाने के लिए प्रतिदिन डाइट प्लान का अनुसरण करना बेहद जरूरी है. इससे आपको पता लगता है कि आप कितना अतिरिक्त खाना खाते हैं.अभी तक कितनी कैलोरी ले रहे थे और वास्तव में कितनी कैलोरी लेने की जरूरत है. उनका कहना है कि वजन कम करने के लिए कभी भी प्रोटीन लेना नहीं छोड़ना चाहिए.

एकदम से खाना भी नहीं छोड़ना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से ब्लड शुगर लेवल कम हो जाता है और थकान महसूस होने लगती है. कई बार ऐसी स्थिति में तनाव भी हो सकता है. वजन घटाने के चक्कर में ज्यादा एक्सरसाइज भी न करें, एकदम से ऐसा करने से मांसपेशियों में दर्द हो सकता है. कभी भी वजन घटाने के लिए गलत फूड का कॉम्बिनेशन न लें. अपने भोजन में 50 फीसदी सब्जियां जिनमें सलाद भी शामिल हो, 25 फीसदी प्रोटीन, 25 फीसदी काबोर्हाइड्रेट लें. आप छाछ या दही के तौर पर 5 फीसदी प्रोबायोटिक जरूर लें. उचित अनुपात में उचित भोजन संयोजन करने का प्रयास करें. दरअसल, मोटापे की समस्या तेजी से युवाओं को चपेट में ले रही है. अनियमित लाइफस्टाइल की वजह से यह बीमारी कॉमन हो गई है. लेकिन अगर सही से डाइट प्लान फॉलो किया जाए तो बढ़ते वजन पर काबू पाया जा सकता है. कई बीमारियों के कारण भी वजन बढ़ने लगता है ऐसी स्थिति में डॉक्टर को जरूर दिखाएं और परामर्श लें.

अगर है हाई ब्लड शुगर? सुबह की इन 5 आदतों से ऐसे हो सकता है नियंत्रित

अगर मनुष्य अपनी जीवनशैली में सुधार कर ले तो कई बीमारियों से बच सकता है. लाइफस्टाइल की अनियमितता के कारण कई सारी बीमारियां इंसान को घेर लेती हैं, और धीरे-धीरे ये रोग घातक होते जाते हैं. अगर आप बीमारियों की सूची सर्च मारेंगे, तो कई ऐसी होंगी जिनकी मुख्य वजह डिस्टर्ब और अनबैलेंस लाइफस्टाइल होगी. हाई ब्लड शुगर भी ऐसा ही एक रोग है, जो जीवनशैली से जुड़ा हुआ है. इस बीमारी में व्यक्ति का ब्लड शुगर का स्तर जरूरत से अधिक बढ़ जाता है, जिससे दिक्कतें शुरू हो जाती हैं. इस बीमारी के आम संकेत वजन का अचानक कम होना, ज्यादा प्यास लगना, अचानक भूख बढ़ जाना, पेशाब से महक आना, धुंधला दिखाई देना और हमेशा थकान रहना है. लेकिन जीवनशैली में सुधार करके इसे कंट्रोल किया जा सकता है.

पानी

हाइड्रेशन सबसे पहली और सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है. तभी कहा भी जाता है कि हमेशा हाइड्रेड रहें. पानी रक्त शर्करा (ध्र्ँ इ'ङ्कङ्क रॅ४१) के स्तर को कम करने और संतुलन बनाए रखने में मदद करता है. यह रक्त प्रवाह में शर्करा के स्तर को पतला करता है. पर्याप्त पानी न पीने से कई समस्याएं हो सकती हैं. इसलिए सुबह उठते ही जमकर पानी पिएं और दिनभर शरीर में पानी की मात्रा को बरकरार रखें.

प्रोटीन नाश्ता

प्रोटीन एक और पोषक तत्व है जो रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में मदद करने के लिए जाना जाता है. इसलिए अपने ब्रेकफास्ट में प्रोटीन को शामिल करें. ऐसा करने से आप पूरे दिन ऊर्जावान रहेंगे. सुबह का नाश्ता जरूर करें और उसे छोड़े ना. अक्सर हमारी आदत सुबह का नाश्ता नहीं करने की होती है.

एक्स्ट्रा कैफीन से बचें

कॉफी आपके ब्लड शुगर लेवल को बढ़ा सकती है. इसलिए सीमित मात्रा में कॉफी का सेवन करें. कॉफी में कैफीन होता है और इससे ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है. सुबह उठते ही बार-बार कॉफी न पिएं.

सुबह व्यायाम जरूर करें

सुबह उठते ही व्यायाम जरूर करें और टहलें. जब हम व्यायाम करते हैं, तो हमारा रक्त शर्करा का लेवल मेन्टेंन रहता है.

तनाव को बाई-बाई कह दें

तनाव एक ऐसी चीज है जो हमें कई सारी बीमारियां दे जाती है. इसलिए बिल्कुल भी तनाव न लें. अगर आप सुबह उठते ही तनाव लेने लगते हैं तो ऐसा करने से आपको कई सारी बीमारियां घेर सकती हैं और आपका ब्लड शुगर लेवल भी बढ़ जाता है. अपने दिन की शुरूआत शांति और धैर्य से करें. उठते ही घूमें, व्यायाम करें और योग करें.

जहरीली हवा से कैसे रहें सुरक्षित,स्वामी रामदेव से जानिए योग और आयुर्वेदिक उपचार

दिल्ली-एनसीआर में पटाखे जलाने का दिखने लगा असर। दिल्ली के कई इलाकों में 10 गुना ज्यादा प्रदूषित हुई हवा। दिल्ली और आस-पास के जिलों में अदक लेवल 300 के पार। दिल्ली-एनसीआर के आसमान में धुंध और धुएं का गुबार। बढ़ते प्रदूषण की वजह से लोगों को सांस लेने में हो रही दिक्कत। फिर वही कहानी एकबार फिर दिल्ली-ठउफ की हवा और भी ज्यादा जहरीली होने लगी है। सड़कों पर चल रही करोड़ों गाड़ियां, कंसंट्रक्शन वर्क और पराली के धुएं के बाद दिवाली के पटाखों ने रही सही कसर पूरी कर दी है। दुख तो इस बात का है कि ऐसी नौबत हर साल आती है। सर्दी गिरते ही पराली के धुएं का डर सताने लगता है फिर पटाखे जलाने को लेकर डिबेट शुरू होती है। देखते-देखते ना सिर्फ दिल्ली-ठउफ खराब हवा से पूरे उत्तर भारत का दम घुटने लगता है।

ऐसे में जरूरी है एक उस फिल्टर की जो प्रदूषित हवा के हमले को रोककर वातावरण को साफ कर दे। कुछ वैसे ही जैसे इंद्र देव के क्रोध से बचाने के लिए भगवान श्री कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठा लिया था। जिसके नीचे आकर लोगों ने अपनी जान बचाई थी। पॉल्यूशन से बचने के लिए गोवर्धन पर्वत उठाने जैसे चमत्कार की ही जरूरत है। क्योंकि एयर पॉल्यूशन बढ़ते ही सांस से जुड़ी परेशानियां बढ़ने लगती हैं। उडढऊ

ब्रोंकाइटिस, टीबी, अस्थमा जैसी बीमारिया ट्रिगर हो जाती हैं। इतना ही नहीं जो लोग हेल्दी हैं वो भी थकान,सिरदर्द,स्ट्रेस, आंख-नाक और गले में जलन की शिकायत करने लगते हैं। खराब हवा का असर न्यूरो सिस्टम और कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम पर भी दिखाई देता है। सांस लेने के लिए कुदरत हमें जो साफ हवा देती है उसे हम सब मिलकर जहरीली बनाते है और फिर खामियाजा भी भुगतते हैं अब ऐसे में किसी एक की कोशिश से उसे ठीक भी नहीं किया जा सकता। पॉल्यूशन से बचने के लिए हर किसी को अपने हिस्से की हवा साफ करनी होगी। ये सब होगा ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाकर। गाड़ियों का इस्तेमाल कम करके पराली और इंडस्ट्रियल पॉल्यूशन को कंट्रोल करने का सही सॉल्यूशन ढूंढकर। जिस तरह रातों-रात हवा बद से बदतर हो जा रही है। वो चुटकी बजाते ही साफ तो नहीं हो सकती। ऐसे में सांसों पर लगने वाली इमरजेंसी से बस योगिक फिल्टर ही बचा सकता है तो बेहतर है योग के चमत्कार को समझिए और अन्नकूट और गोवर्धन पूजा के इस मौके पर योग कीजिए।

डायबिटीज-आंखों के लिए बहुत लाभकारी है गाजर का जूस, बस एक महीने में पा सकते हैं ऐसे गजब के फायदे

शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की आसानी से पूर्ति के लिए फलों-सब्जियों के सेवन की आदत बनाना काफी लाभकारी माना जाता है। हर मौसम की कुछ खास सब्जियां-फल होते हैं जो शरीर को कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकते हैं। इस मौसम में गाजर बहुतायत में उपलब्ध होते हैं, इसे सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं गाजर के जूस का सेवन करना कई तरह की बीमारियों के जोखिम को कम करके आपको बेहतर स्वास्थ्य प्राप्त करने में सहायक है। अध्ययनों में इसे डायबिटीज से लेकर हृदय रोग और आंखों की सेहत को ठीक रखने में भी फायदेमंद पाया गया है।

डॉक्टर्स कहते हैं, बस एक महीने नियमित रूप से गाजर के जूस का सेवन करके आप शरीर में कई प्रकार के सकारात्मक बदलाव महसूस कर सकते हैं। गाजर में फाइबर, विटामिन-ए, विटामिन सी और के, पोटैशियम जैसे अति महत्तपूर्ण पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर के अंगों को स्वस्थ रखने और गंभीर क्रोनिक बीमारियों के जोखिम से बचाने में आपकी मदद कर सकते हैं।

गाजर का रस कैरोटीनॉयड पिगमेंट ल्यूटिन और जेक्सैन्थिन भी प्रदान करता है, जो शरीर में एंटीऑक्सिडेंट के रूप में कार्य करते हैं। एंटीऑक्सिडेंट्स का सेवन कई गंभीर रोगों के विकास को कम करने में सहायक है। आइए गाजर के जूस से होने वाले फायदों के बारे में जानते हैं।

आंखों के लिए फायदेमंद है गाजर का जूस

गाजर के जूस में लगभग वे सभी पोषक तत्व होते हैं जो आपकी आंखों के लिए बहुत आवश्यक माने जाते हैं। 200 ग्राम गाजर के जूस से दैनिक विटामिन-ए की

आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकता है। आंखों को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन-ए महत्वपूर्ण है। अध्ययनों में पाया गया है कि विटामिन-ए वाली चीजों का सेवन करना अंधेपन और उम्र से संबंधित नेत्र रोगों के जोखिम से सुरक्षित रखने में आपके लिए विशेष लाभकारी हो सकता है।

इम्युनिटी बूस्टर है यह जूसडायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद है गाजर

गाजर का जूस पीने से रक्त शर्करा के स्तर को भी कम करने में मदद मिल सकती है। टाइप-2 डायबिटीज वाले चूहों पर किए गए अध्ययन से पता चलता है कि गाजर का रस रक्त शर्करा को कम करने और इससे संबंधित अन्य मार्करों में भी आपके लिए मददगार है। किण्वित जूस में प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो आंत के गुड बैक्टीरिया के लिए अच्छे माने जाते हैं। गाजर एंटी-इंफ्लामेटरी गुण के लिए भी जाना जाता है, इसके कारण भी इसे डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद पाया गया है।

गाजर का जूस आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट कर सकता है। इसमें पाए जाने वाले विटामिन-ए और सी, दोनों ही एंटीऑक्सिडेंट के रूप में कार्य करते हैं और प्रतिरक्षा कोशिकाओं को मुक्त कणों से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इसके अतिरिक्त, यह जूस विटामिन-बी 6 का भी समृद्ध स्रोत है। प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को बेहतर रखने के लिए विटामिन-बी 6 वाली चीजों को आहार में जरूर शामिल करें। गाजर के जूस का सेवन आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकता है।

गले में कुछ फंस जाए तो फौरन करें ये 4 काम

खाने के दौरान कभी-कभी खाने का गले में फंसना सामान्य बात नहीं है। खाना निगलना एक जटिल प्रक्रिया है। जब भी हम कुछ खाते हैं तो खाने को मुंह से पेट तक पहुंचने में लगभग 50 से ज्यादा मांसपेशियां और कई नर्व्स मिलकर काम करती हैं। जब आप भोजन करते हैं, तो आपके मुंह से आपके पेट तक भोजन को स्थानांतरित करने के लिए लगभग 50 जोड़ी मांसपेशियां और कई तंत्रिकाएं मिलकर काम करती हैं। इस प्रक्रिया के दौरान खाना गले में फंसना कोई असामान्य बात नहीं है।

जब आप सॉलिड फूड खाते हैं तो तीन चरणों वाली प्रक्रिया शुरू होती है। आप भोजन को चबाकर निगलने के लिए तैयार करते हैं। यह प्रक्रिया भोजन को लार के साथ मिक्स करती है जिससे फूड नम प्यूरी में बदल जाता है। जब आपकी जीभ भोजन को आपके गले के पीछे धकेलती है तो आपके निगलने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। इस दौरान आपकी श्वसन नली कसकर बंद हो जाती है और आपकी सांस रुक जाती है।

यह प्रक्रिया भोजन को गलत पाइप में जाने से रोकती है। इस प्रक्रिया के दौरान भोजन आपकी खाने की नली में प्रवेश करता है और आपके पेट में जाता है। कई बार खाते समय प्रक्रिया में कुछ गड़बड़ी हो जाती है और खाना फूड पाइप में फंस जाता है। इस दौरान आपके सांस लेने पर कोई असर नहीं पड़ता क्योंकि खाने ने आपकी सांस की पाइप को पहले ही साफ कर दिया है।

फूड पाइप में खाना फंसते ही उसके लक्षण दिखने लगते हैं। सीने में दर्द होना, लार का ज्यादा अनुभव होना, लगातार खांसी आना, चेहरे का रंग खांसते-खांसते पीला

पड़ना कुछ मामलों में बेहोशी भी हो सकती है। अगर खाना गले में फंस गया है और गंभीर लक्षण नहीं दिख रहे तो आप घर में ही गले में फंसे खाने को आसानी से निगल सकते हैं।

स्थिति कब गंभीर हो सकती है:

जब खाना फंसने की वजह से बात नहीं कर पा रहा है

सांस लेने में कठिनाई हो रही है

सांस जोर जोर से ले रहा है

सांस लेते समय कर्कश आवाज आ रही है

खांसी या कमजोर होने पर

चेहरा लाल या पीला या नीला पड़ जाने पर

बेहोश हो जाने पर स्थिति गंभीर हो सकती है।

गले में फंसा खाना निकालने के उपाय

कई शोध से पता चलता है कि कोक या अन्य काबोर्नेटेड ड्रिंक का सेवन करने से फूड पाइप में फंसे भोजन को हटाने में मदद मिल सकती है। डॉक्टर और इमर्जेंसी वर्कर अक्सर भोजन को तोड़ने के लिए इस सरल तकनीक का उपयोग करते हैं।

गैस के दर्द का इलाज करने की दवाएं फूड पाइप में फंसे भोजन को हटाने में मदद कर सकती हैं। यह दवाएं फूड पाइप में दबाव बढ़ाती है और भोजन को ढीला कर सकती है।

पानी ज्यादा पीएं। पानी के कुछ बड़े घूंट आपके फूड पाइप में फंसे भोजन को नीचे करने में मदद करते हैं। यदि आपने खाना ठीक से चबाया नहीं है तो यह बहुत अधिक सूखा हो सकता है। पानी के बार-बार घूंट से अटका हुआ भोजन गीला हो सकता है और आसानी से नीचे चला जाता है।

कभी-कभी फूड पाइप को अतिरिक्त ग्रीस की आवश्यकता होती है ऐसे में एक चम्मच मक्खन खाने से मदद मिल सकती है। एक चम्मच मक्खन फूड पाइप को नम करने में मदद करता है और अटके हुए भोजन को आपके पेट में नीचे ले जाना आसान बनाता है।

सर्दी में इन दो विटामिन की कमी आपको बना सकती है बीमार, इन फूड्स से करें कमी को पूरा

सर्दी का मौसम आ चुका है और ठंडी हवाएं कुछ ही दिनों में अपनी रफ्तार पकड़ सकती है। इस मौसम में सेहत का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इस मौसम में कुछ मौसमी बीमारियां जैसे सर्दी जुकाम, बंद नाक, छींके आना, सिरदर्द होना, शरीर में दर्द होना, खांसी जैसी परेशानियां बेहद परेशान करती हैं। इस मौसम में इम्युनिटी कमजोर हो जाती है और बॉडी के बीमार होने के आसार ज्यादा होते हैं। सर्दी में हेल्दी रहने के लिए डाइट का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

डाइट में कुछ खास विटामिन का सेवन करने से इम्युनिटी स्ट्रॉन्ग रहती है और बॉडी हेल्दी रहती है। इस मौसम में मौसमी बीमारियों से बचने के लिए कुछ विटामिन का सेवन बेहद फायदेमंद होता है। सर्दी में विटामिन उ और ऊ की कमी आपको बीमार बना सकती है। आइए जानते हैं कि कैसे ये विटामिन बॉडी को हेल्दी रखते हैं और इनकी कमी को कैसे पूरा करें।

विटामिन सी की कमी बीमार बना सकती है:

विटामिन सी की कमी आपको बीमार बना सकती है। सर्दी में सर्दी-खांसी, फ्लू, साइनस और संक्रमण का खतरा अधिक होता हैं। इस मौसम में इम्युनिटी को स्ट्रॉन्ग बनाने के लिए डाइट में विटामिन सी वाले फूड्स का सेवन करें। विटामिन सी की

कमी को पूरा करने के लिए आप संतरे, स्ट्रॉबेरी, ब्लैककरंट, लाल मिर्च, ब्रोकोली और ब्रसेल्स स्प्राउट्स का सेवन बेहद फायदेमंद होता है। नींबू और आंवला का सेवन भी विटामिन सी की कमी को पूरा करता है। इन फूड्स का सेवन करने से इम्युनिटी स्ट्रॉन्ग होती है। भोजन में एंटीआक्सीडेंट तत्व जैसे मशरूम, पालक, टमाटर, कढ़ी पत्ता का सेवन भी इस मौसम में फायदा पहुंचाता है।

विटामिन डी की कमी बीमार बना सकती है:

सर्दी में विटामिन डी का सेवन सेहत को फायदा पहुंचा सकता है। सर्दी में बॉडी को धूप कम मिलती है तो ऐसे में बॉडी में विटामिन डी की कमी होने लगती है। विटामिन डी ना सिर्फ हड्डियों को मजबूत करता है बल्कि बॉडी को हेल्दी भी रखता है। विटामिन डी का सेवन हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है और दिल के रोगों से बचाव करता है।

विटामिन डी बॉडी को तब मिलता है जब स्किन पर सूरज की किरणें पड़ती हैं। ये शरीर को कैल्शियम और फॉस्फेट पचाने में मदद करता है जो हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। बॉडी में विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए डाइट में दूध, दही, मशरूम,बादाम, ब्रोकली, अंडा, दूध, पनीर, सोया उत्पाद, मछली, मक्खन, दलिया और संतरे के जूस का सेवन करें।

काली मिर्च खाने से सेहत को मिलते हैं ये 6 फायदे, जानें नुकसान भी

अधिकतर भारतीय घरों में काली मिर्च का उपयोग मसाले के तौर पर किया जाता है। वहीं कुछ लोग काली मिर्च का काढ़ा बनाकर भी पीते हैं। काली मिर्च औषधीय गुणों से भरपूर होती है। इसमें एंटीबैक्टीरियल, एंटीमाइक्रोबियल, एंटीओबेसिटी और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। ये सभी गुण कई स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने में मददगार हो सकते हैं।

1. पाचन बेहतर बनाए

काली मिर्च पाचन संबंधी समस्याओं को ठीक करने में मदद कर सकता है। काली मिर्च में पाइपरिन होता है, जो पाचन क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकता है। साथ ही पाचन प्रक्रिया को भी बेहतर बनाता है। इससे पाचन से जुड़ी समस्याएं जैसे गैस, कब्ज और अपच से छुटकारा मिल सकता है।

2. सर्दी-जुकाम से राहत दिलाए

काली मिर्च में मौजूद पाइपरिन सर्दी, जुकाम और खांसी की समस्या से भी छुटकारा दिला सकता है। काली मिर्च शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है। जब इम्यूनिटी तेज होती है, तो शरीर को बैक्टीरियल और वायरस से लड़ने में मदद मिलती है। अगर आपको खांसी या जुकाम है, तो काली मिर्च का सेवन जरूर करें।

3. ओरल हेल्थ के लिए लाभकारी

काली मिर्च में एंटीमाइक्रोबियल और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। ये सभी मुंह में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को मारते हैं। साथ ही सूजन आदि से भी राहत मिल सकती है। काली मिर्च खाने से दांत भी सुरक्षित रहते हैं। काली मिर्च ओरल हाइजीन को मेंटेन रखने में मदद कर सकता है।

4. वेट लॉस में सहायक

अगर आप वजन घटाना चाहते हैं, तो काली मिर्च का सेवन करना शुरू कर सकते हैं। काली मिर्च में पाइपरिन और एंटीओबेसिटी प्रभाव होते हैं, जो वेट लॉस करने में मदद कर सकते हैं। आप काली मिर्च को खाने में शामिल कर सकते हैं या फिर इसका काढ़ा बनाकर भी पी सकते हैं।

5. जोड़ों के दर्द से राहत दिलाए

काली मिर्च जोड़ों के दर्द को कम करने में भी सहायक हो सकता है। काली मिर्च में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीआर्थराइटिस प्रभाव पाया जाता है। ये गुण गठिया की वजह से होने वाले दर्द और सूजन को कम करने में असरदार साबित हो सकते हैं।

6. इंफेक्शन से बचाव

इंफेक्शन से बचने के लिए भी आप काली मिर्च का सेवन कर सकते हैं। काली मिर्च बैक्टीरिया से लड़ने में मदद कर सकता है। काली मिर्च में एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। ये गुण लोगों को बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करते हैं।

काली मिर्च के नुकसान

एक तरफ जहां काली मिर्च सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है, वहीं इसके कुछ नुकसान भी देखने को मिल सकते हैं।

काली मिर्च की तासीर बेहद गर्म होती है। इसलिए पित्त प्रकृति के लोगों को काली मिर्च का सेवन करने से बचना चाहिए।

छोटे बच्चों को अधिक मात्रा में काली मिर्च खिलाने से बचना चाहिए।

गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को काली मिर्च का सेवन डॉक्टर की सलाह पर ही करना चाहिए।

काली मिर्च औषधीय गुणों से भरपूर होता है। आप भी काली मिर्च का सेवन कर सकते हैं। लेकिन काली मिर्च की तासीर गर्म होती है, इसलिए इनका सेवन कम मात्रा में ही करना चाहिए। बहुत अधिक मात्रा में काली मिर्च का सेवन करने से बचना चाहिए।

डिसकलेमर:

इस जानकारी की सटीकता, समयबद्धता और वास्तविकता सुनिश्चित करने का हर सम्भव प्रयास किया गया है हालांकि इसकी नैतिक जिम्मेदारी ओन्लीमायहेल्थ डॉट कॉम की नहीं है। हमारा आपसे विनम्र निवेदन है कि किसी भी उपाय को आजमाने से पहले अपने चिकित्सक से अवश्य संपर्क करें। हमारा उद्देश्य आपको जानकारी मुहैया कराना मात्र है।

लिवर के लिए वरदान है बथुआ, डायट में शामिल किया तो मिलेंगे बेहिसाब फायदे

सर्दियों के मौसम में हरी सब्जियों की भरमार रहती है. इम्यूनिटी और सेहत के लिहाज से ये मौसम काफी अच्छा होता है. सर्दियां आते ही आपको कई तरह की हरी पत्तेदार सब्जियां खाने का मौका मिलता है और ये तो हम सभी जानते हैं कि हरी सब्जियां हमारी सेहत के लिए कितनी फायदेमंद हैं.

हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि अगर आप कैलोरी कॉन्शियस हैं, तब भी आप बथुआ का सेवन बेहद आसानी से कर सकते हैं. दरअसल, अन्य सभी हरी सब्जियों की तरह, बथुआ में भी कैलोरी काफी कम पाई जाती है. 100 ग्राम बथुआ से आपको लगभग 43 कैलोरी की मिलती है. यानि फिटनेस के लिहाज से हिट है बथुआ.

बथुआ के पत्तों में अमीनो एसिड की उच्च मात्रा पाई जाती है. अमीनो एसिड्स शरीर के लिए बेहद जरूरी माने जाते हैं, क्योंकि यह कोशिका निर्माण और कोशिका की मरम्मत के लिए आवश्यक हैं. ऐसे में बथुआ के पत्ते खाने से आपकी इम्यूनिटी के साथ-साथ सेल्स रिपेयरिंग की क्षमता भी बढ़ती है.

हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि अगर आप बथुआ को अपनी डायट का हिस्सा बनाते हैं तो इससे आपके लिवर को भी काफी फायदा मिलता है. इसका अंदाजा आप

इसी बात से लगा सकते हैं कि इसे ब्लड प्यूरिफायर के रूप में जाना जाता है. इसमें मौजूद कंपोनेंट आपके लिवर को टॉक्सिन्स से बचाने में मदद करता है और आपका लिवर रहता है हैप्पी.

हाई फाइबर डायट का सबसे बड़ा काम ये है कि ये आपको ओवर ईटिंग से बचाती है, और वजन को नियंत्रित रखने में मदद देती है. बथुआ में उच्च मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो आपको लंबे समय तक फुल रखता है. इससे ओवर ईटिंग से बच जाते हैं. फाइबर पाचन तंत्र के लिए भी बेहद लाभदायक माना जाता है.

बथुआ में कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम और विटामिन ए, सी और बी 6 से भरपूर होता है. ये सभी सूक्ष्म पोषक तत्व आपके शरीर की कार्यप्रणाली को सुचारू रूप से कार्य करने में मदद करते हैं. हरी पत्तेदार सब्जियां आयरन का भी अच्छा सोर्स होती हैं.